महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

कुछ रिश्तों को मुलाकात की जरूरत नहीं पड़ती, बस याद करते ही चेहरे पर ख़ुशी छा जाती है...!

वर्ष : 16 अंक : 355 | उज्जैन, शनिवार 06 जून 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

प्रकृति मित्र बनकर धरती माता का आंगन हरा-भरा रखने के लिए लगायें पेड़ : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

पेक्स में गड़बड़ी पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, समिति पूर्ववत् रहेगी संचालित

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें भविष्य के लिए सचेत हो जाने का संकेत देता है। यह दिवस याद दिलाता है कि हमें अपना और अपनी पीढ़ियों के भविष्य को बचाये रखने के लिये पेड़ लगाने होंगे, पानी बचाना होगा, प्रदूषण कम करना होगा, तभी हमारी यह धरती बची रहेगी। उन्होंने कहा कि हमें प्रकृति का मित्र बनना होगा। हम यदि आज नहीं संभले तो जलवायु परिवर्तन से हमारे अस्तित्व पर संकट का खतरा मंडराने लगेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक मर्यादित (अपेक्स बैंक) परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी से कहा कि अपनी धरती माता का आंगन स्वच्छ एवं हरा-भरा रखने के लिए हम सब कम से कम एक-एक पेड़ अवश्य लगायें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपेक्स बैंक परिसर में ÷एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत आम का पौधा भी रोपा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बिना सहकार, नहीं उद्धार का नारा उदघोष करते हुए कहा कि हम प्रदेश में सहकारिता से समृद्धि लाने के लिए प्रयासरत है। दूध का उत्पादन बढ़ाकर हम किसानों, पशुपालकों का जीवन सँवारेंगे और मध्यप्रदेश को देश की ÷मिल्क कैपिटल बनायेंगे। अपेक्स बैंक द्वारा प्रदेशव्यापी हरित सहकार अभियान चलाया जा रहा है। इसमें एक पेड़ माँ के नाम के तहत अपेक्स बैंक मुख्यालय सहित प्रदेश के सभी जिला सहकारी बैंक एवं प्रत्येक प्राथमिक साख सहकारी समिति (पेक्स) में सघन पौधरोपण महाभियान चलाया जा रहा है। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर शुक्रवार को अपेक्स बैंक के नेतृत्व में प्रदेश भर में एक साथ 1 लाख पौधे लगाये गये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में सरकार के एक विशेष प्रावधान के बारे में कहा कि अगर प्राथमिक सहकारी समिति (पेक्स) में कोई अधिकारी-कर्मचारी गड़बड़ी करेगा, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। समिति के सदस्य किसानों पर इसका कोई असर नहीं पड़ने दिया जाएगा। सोसाइटी पर नहीं दोषी व्यक्ति पर कार्रवाई होगी। वह सोसायटी पहले की तरह संचालित रहे, इसके लिए सभी तरह के प्रबंध किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों के हित में हमारा प्रयास है कि वर्ष का अंत (फसल ऋण आदि लेने की अवधि) 31 मार्च से बढ़ाकर 31 मई तक कर दी जायेगी, ताकि किसान लोन डिफाल्टर न हो पायें और अपना सालाना टर्न ओवर पूरा कर सकें। उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि के लिए राज्य सरकार हर स्तर पर प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में 12 साल पूरे कर लिए हैं। उनके नेतृत्व में केन्द्र सरकार के सुशासन से लोक कल्याण का 13वां साल शुरू हो चुका है। इसी उपलक्ष्य में हमने 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान शुरू किया है। उन्होंने कहा कि 5 जून (विश्व पर्यावरण दिवस) से 21 जून (विश्व योग दिवस) तक पूरे एक पखवाड़े के दौरान प्रदेश की सभी सहकारी समितियों के माध्यम से एक लाख पौधे रोपित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश ÷मिल्क कैपिटल बनने की दिशा में कदम बढ़ा चुका है। प्रदेश के किसान दूध उत्पादन में अपनी समृद्धि का मार्ग खोज रहे हैं। दूध उत्पादन से किसानों का आय में वृद्धि हुई है। राज्य सरकार ने प्रदेश में दूध का उत्पादन 8 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने बताया कि सरकार के प्रयासों का प्रतिफल सामने आने लगा है। मध्यप्रदेश में इन दिनों दूध का प्रतिदिन संकलन 13 लाख लीटर बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि गुजरात के आणंद मिल्क यूनियन लिमिटेड (अमूल) ने सहकारिता के मंत्र से किसानों को समृद्ध किया। अमूल ने पारम्परिक दुग्ध उत्पादन से इतर समृद्धि का एक नया मॉडल दुनिया को दिया। हमारी सरकार भी सांची दुग्ध उपक्रम से दूध उत्पादन को प्रोत्साहित कर रही है। प्रदेश में कभी दूध-दही की नदियाँ बहती थीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्राकृतिक खेती में गौमाता का विशेष महत्व है। हम गौ संरक्षण और उन्नत गौवंश के पालन को प्रोत्साहित कर रहे है। हमारी सरकार उद्यानिकी फसलों के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के लिए भी सभी जरूरी सहायता प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि गन्ना उत्पादक किसानों को लाभ देने के लिए शिवपुरी जिले के कोलारस कस्बे में जल्द ही शुगर फैक्ट्री स्थापित की जायेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार पार्वती-कालीसिंध-चंबल राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना से प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़ाने की ओर आगे बढ़ रही है। प्रदेश के किसानों को सिंचाई के लिए अब दिन में बिजली प्रदाय की जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

जोरावर टैंक... बस नाम ही काफी हैः LAC पर चीन की निकाल देगा हेकड़ी, भारत की स्वदेशी वॉर मशीन की खासियत

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए अपने पहले स्वदेशी लाइट टैंक 'जोरावर' को आधिकारिक तौर पर रोलआउट कर दिया है। महज 19 महीनों में विकसित किया गया यह टैंक विशेष रूप से हिमालयी और ऊंचाई वाले दुर्गम इलाकों में युद्ध के लिए डिजाइन किया गया है। इस स्वदेशी टैंक को भारत-चीन सीमा यानी वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बढ़ते तनाव और पूर्वी लद्दाख में चीनी सेना द्वारा तैनात Type-15 लाइट टैंकों को करारा जवाब देने के लिए इसे विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। । महज 19 महीनों के रिकॉर्ड समय में विकसित हुआ यह 25 टन का टैंक अत्यधिक ऊंचाई, कम ऑक्सीजन और कठिन बर्फीले रास्तों पर भी 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकता है। इस टैंक का नाम डोगरा सेना के प्रसिद्ध सेनापति जनरल जोरावर सिंह के नाम पर रखा गया है। जम्मू के राजा गुलाब सिंह की सेना में सेवाएं देने वाले जोरावर सिंह को 'लद्दाख का विजेता' कहा जाता है। उन्होंने हिमालयी क्षेत्रों में कई सैन्य अभियानों का नेतृत्व किया था। भारत ने इस नाम के जरिए स्पष्ट संदेश दिया है कि यह टैंक विशेष रूप से लद्दाख और ऊंचाई वाले सीमावर्ती इलाकों में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए बनाया गया है। करीब 25 टन वजन वाला जोरावर टैंक अत्यधिक ऊंचाई, कम ऑक्सीजन और कठिन भूभाग में संचालन के लिए तैयार किया गया है। भारी युद्धक टैंकों की तुलना में इसका वजन कम रखा गया है ताकि इसे पहाड़ी इलाकों में आसानी से तैनात किया जा सके। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे भारतीय वायुसेना के ष्ट-17 ग्लोबमास्टर विमान के जरिए तेजी से सीमावर्ती क्षेत्रों में पहुंचाया जा सकता है। जोरावर की मारक क्षमता इसे दुनिया के आधुनिक लाइट टैंकों की श्रेणी में खड़ा करती है। इसमें बेल्जियम की जॉन कॉकरिल 3105 टर्रेट प्रणाली लगाई गई है, जिसमें 105 मिमी राइफल्ड गन और ऑटो-लोडर सिस्टम मौजूद है।

पावर स्टार पवन सिंह और संजय मयूख पर BJP का दांव

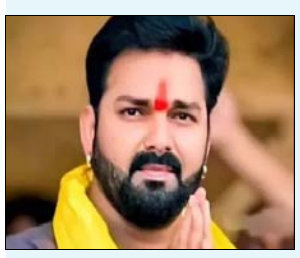

पटना/ जीएनएस। बिहार विधान परिषद चुनाव को लेकर भाजपा ने अपने उम्मीदवारों के नाम लगभग फाइनल कर दिए हैं। पार्टी ने चार सीटों के लिए जिन नामों पर मुहर लगाई है, उनमें भोजपुरी फिल्म अभिनेता और पावर स्टार पवन सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया सह-प्रमुख संजय मयूख, वरिष्ठ नेता अनिल कुमार ठाकुर और शीला पंडित शामिल हैं। इन नामों के सामने आने के बाद प्रदेश की राजनीति में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। भोजपुरी सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता पवन सिंह को उम्मीदवार बनाए जाने की खबर सबसे ज्यादा चर्चा में है। लोकसभा चुनाव के दौरान सुर्खियों में रहे पवन सिंह की राजनीति में सक्रिय भूमिका को देखते हुए भाजपा ने उन पर बड़ा दांव खेला है। उनके नाम से पार्टी को पूर्वी बिहार और भोजपुरी भाषी क्षेत्रों में राजनीतिक लाभ मिलने की उम्मीद है। भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया सह-प्रमुख और वर्तमान विधान पार्षद संजय मयूख को भी पार्टी ने दोबारा मौका दिया है। संगठन और मीडिया में उनकी सक्रिय भूमिका को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन पर भरोसा जताया है। राजनीतिक गलियारों में उनके नाम की पहले से ही चर्चा थी। अनिल कुमार ठाकुर और शीला पंडित के नामों को शामिल कर भाजपा ने संगठनात्मक और सामाजिक संतुलन साधने की कोशिश की है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि इन चेहरों के जरिए विभिन्न वर्गों और क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व मिलेगा। उम्मीदवारों के नाम सामने आने के बाद अब सभी की नजर नामांकन और चुनावी प्रक्रिया पर है। भाजपा की इस सूची को आगामी विधानसभा चुनाव से पहले संगठन को मजबूत करने और नए सामाजिक समीकरण साधने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

बंगाल में जांच एजेंसियों की कार्रवाई तेज, नौकरी घोटाला, हथियार मामले और राशन घोटाले में TMC के चार नेता गिरफ्तार

नई दिल्ली/ जीएनएस। बंगाल में विभिन्न भ्रष्टाचार और अनियमितताओं से जुड़े मामलों में जांच एजेंसियों ने गुरुवार को कार्रवाई तेज कर दी। अलग-अलग मामलों में तृणमूल कांग्रेस के चार नेताओं को गिरफ्तार किया गया, जिससे पार्टी की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

पुलिस ने कोलकाता नगर निगम के तृणमूल पार्षद महेश कुमार शर्मा को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ वसूली, धमकी, आपराधिक साजिश और सरकारी कर्मचारी के कार्य में बाधा पहुंचाने समेत कई गंभीर आरोप हैं।

पूर्व मेदिनीपुर के हल्दिया में नौकरी घोटाले के मामले में तृणमूल नेता तिलक कुमार चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया गया। वहीं, कोलकाता के सुरेन्द्रनाथ कालेज से हथियार बरामदगी मामले में तृणमूल नेता परितोष दत्त को बर्धमान से गिरफ्तार किया गया।

एक अन्य मामले में बीरभूम से पंचायत अधिकारी और तृणमूल नेता राजीव बनर्जी को सरकारी राशन के चावल की अवैध बिक्री के आरोप में गिरफ्तार किया गया। दूसरी ओर बिधाननगर की मेयर कृष्णा चक्रवर्ती ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबालर लियोन मेसी के कार्यक्रम के दौरान भारी अव्यवस्था के मामले में राज्य के पूर्व खेल मंत्री अरूप बिश्वास गुरुवार को बिधाननगर दक्षिण थाने में पूछताछ के लिए हाजिर नहीं हुए। उनके अधिवक्ता ने पुलिस को पत्र भेजकर 14 दिनों का अतिरिक्त समय मांगा है।

मेसी के भारत दौरे के आयोजक शतद्रु दत्ता की शिकायत के आधार पर अरूप को समन जारी किया गया था।

जनता कांग्रेस से नाराज, इसीलिए कर्नाटक में CM बदला, पीएम मोदी का विपक्ष पर वार

अहमदाबाद/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार पिफर कांग्रेस की राजनीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि देश में निराशावादी लोग आत्मनिर्भर भारत का मजाक बना रहे हैं। कांग्रेस अराजकता, अनिश्चितता फैलाकर उसमें अपने लिए सत्ता में आने का अवसर देख रही है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस शासित राज्यों में लोग उसके कुशासन से परेशान हैं, इसीलिए कर्नाटक में मुख्यमंत्री को बदलना पडा। उन्होंने वैश्विक संकट की याद दिलाते हुए कहा कि पूरी दुनिया उॅर्जा संकट के कारण अस्त व्यस्त हैं।

दक्षिण गुजरात में 7 विविध जिलों में 18778 करोड रु के विकास कार्यों के उद्घाटन एवं शिलान्यास के बाद सूरत के इंडोर स्टेडियम में आयोजित जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने विरोधियों को आडे हाथ लिया।

सीबीएसई के ओएसएम पोर्टल में कई खामियां, सिस्टम में सेंधमारी आसान; एथिकल हैकर का बड़ा दावा

नई दिल्ली/ जीएनएस। 12वीं के छात्र सार्थक सिद्धांत की तरफ से सीबीएसई के ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम (ओएसएम) और उसकी टेंडर प्रक्रिया में गड़बड़ियों को उजागर किए जाने के बाद अब एक एथिकल हैकर ने भी इसके सिस्टम में खामियों के बारे में बताया है।

22 वर्षीय बीटेक छात्र और एथिकल हैकर तीर्थ परमार ने दावा किया है कि सीबीएसई के ओएसएम पोर्टल में कई खामियां हैं और इसमें सेंधमारी आसान है। सिस्टम में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई थी।

परमार ने एएनआई से बातचीत में दावा किया कि सीबीएसई ने सुरक्षा ऑडिट को छोड़ दिया, जिससे पोर्टल में कई महत्वपूर्ण बग रह गए, जिनके माध्यम से इसे हैक किया जा सकता था।

उन्होंने कहा कि यह बहुत हैरानी की बात थी, क्योंकि मुझे इतने ज्यादा गंभीर बग की उम्मीद नहीं थी। सिस्टम में प्रवेश करना आसान था। केवल सार्वजनिक रूप से उपलब्ध उन फाइलों को डाउनलोड कर लेना था, जिनमें डेटाबेस और पासवर्ड मौजूद थे।

75 लाख घरों की छतों पर लगेंगे सोलर पैनल, केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बताया सरकार का मेगा प्लान

नई दिल्ली/ जीएनएस। नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने गुरुवार को भरोसा जताया कि भारत दिसंबर तक पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत 75 लाख घरों में रूफटॉप सोलर पावर लगाने का लक्ष्य हासिल कर लेगा।

अभी 41 लाख घरों में रूफटॉप सोलर पावर लग चुका है। सरकार ने फरवरी 2024 में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शुरू की थी, जिसके लिए 75,021 करोड़ रुपये का बजट रखा गया था।

इस योजना का मकसद रूफटाप सोलर सिस्टम लगाना और एक करोड़ घरों को हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देना है।

इस योजना के तहत 2 केडब्ल्यू तक के सिस्टम की लागत का 60 प्रतिशत और दो से तीन केडब्ल्यू क्षमता वाले सिस्टम की अतिरिक्त लागत का 40 प्रतिशत केंद्र सरकार की ओर से आर्थिक मदद के तौर पर दिया जाता है। यह आर्थिक मदद तीन केडब्ल्यू तक सीमित है।

इस योजना के लाभार्थियों को एक केडब्ल्यू के लिए 30 हजार रुपये, 2 केडब्ल्यू सिस्टम के लिए 60,000 रुपये और 3 केडब्ल्यू या उससे ज्यादा क्षमता वाले सिस्टम के लिए 78,000 रुपये की सब्सिडी मिलती है। जोशी ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना भारत के ऊर्जा क्षेत्र में अभूतपूर्व गति से बदलाव ला रही है।

सभी कॉकरोचों से होगी मुलाकात..., अभिजीत के प्लान पर फिरेगा पानी

नई दिल्ली/ जीएनएस। व्यंग्यात्मक सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी CJP के संस्थापक अभिजीत दीपके छह जून को अमेरिका से वापस भारत आएंगे। इस दौरान उन्होंने दिल्ली पहुंचकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की घोषणा की है। सोशल साइट एक्स पर पोस्ट कर अभिजीत दीपके ने लिखा, भारत के लिए निकल गया हूं... मैं अपना भविष्य संविधान के हाथों में छोड़ता हूं। जय भीम इस घोषणा के बाद से ही लोगों के बीच इस बात को लेकर चर्चा तेज है कि राजधानी में किसी भी धरना-प्रदर्शन के लिए दिल्ली पुलिस की अनुमति आवश्यक होती है और इसके लिए तय प्रक्रिया का पालन करना पड़ता है।

दिल्ली पुलिस की गाइडलाइन के अनुसार जंतर-मंतर पर किसी भी धरना, प्रदर्शन या जनसभा के आयोजन के लिए नई दिल्ली जिले के डीसीपी कार्यालय में कम से कम सात दिन पहले आवेदन करना होता है। आवेदन मिलने के बाद पुलिस कानून-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, ट्रैफिक प्रबंधन और स्थल की उपलब्धता का आकलन कर अनुमति देने या न देने का फैसला करती है।

तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई..., गिलगित-बाल्टिस्तान में चुनाव कराने पर भारत ने पाकिस्तान को लताड़ा

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत सरकार ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में विधानसभा चुनाव कराने की पाकिस्तान की योजना पर शुक्रवार को कड़ा विरोध दर्ज कराया है। विदेश मंत्रालय ने साफ शब्दों में कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के सभी क्षेत्र, जिनमें गिलगित-बाल्टिस्तान भी शामिल है, भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा हैं।

विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि पाकिस्तान द्वारा 7 जून 2026 को तथाकथित गिलगित-बाल्टिस्तान विधानसभा के लिए आम चुनाव कराने की योजना भारत के संप्रभु अधिकारों का उल्लंघन है। मंत्रालय ने कहा कि ये क्षेत्र भारत के हैं, जिन पर पाकिस्तान ने अवैध और जबरन कब्जा कर रखा है।

MEA ने दोहराया कि 1947 में जम्मू-कश्मीर के भारत में पूर्ण, वैध और अपरिवर्तनीय विलय के बाद पूरा क्षेत्र भारत का हिस्सा है। भारत ने पाकिस्तान के उन सभी प्रयासों को खारिज किया, जिनके जरिए वह कब्जे वाले क्षेत्रों की स्थिति में किसी प्रकार का भौतिक परिवर्तन लाने की कोशिश कर रहा है।

विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत सरकार पाकिस्तान द्वारा अवैध कब्जे वाले क्षेत्रों में किसी भी तरह के बदलाव के प्रयासों को सिरे से खारिज करती है। ऐसे कदम इस सच्चाई को नहीं छिपा सकते कि पाकिस्तान भारतीय क्षेत्रों पर अवैध कब्जा बनाए हुए है, जिन्हें उसे खाली करना चाहिए।

भारत ने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान अधिकृत क्षेत्रों में मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन, राजनीतिक दमन, आर्थिक शोषण और नागरिक स्वतंत्रताओं से वंचित करने जैसी समस्याएं लगातार बनी हुई हैं।

52 आंखों से चीन-पाकिस्तान पर नजरः भारत का आसमानी प्लान तैयार, 24 घंटे होगी निगरानी

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत अब अंतरिक्ष में अपनी सैन्य क्षमता को तेजी से मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठा रहा है। केंद्र सरकार ने %स्पेस बेस्ड सर्विलांस फेज-।।।' परियोजना के तहत 52 सैटेलाइटों के विशाल निगरानी नेटवर्क को मंजूरी दी है।

यह नेटवर्क 2025 से 2029 के बीच चरणबद्ध तरीके से तैनात किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य चीन और पाकिस्तान से जुड़े खतरों पर लगातार नजर रखना, सीमाओं और समुद्री क्षेत्रों की निगरानी करना तथा सैन्य संचार को सुरक्षित बनाना है।

इस परियोजना की खास बात यह है कि 52 में से 31 सैटेलाइट निजी कंपनियों द्वारा तैयार और संचालित किए जाएंगे। यह भारत की नई स्पेस पॉलिसी 2026 के तहत निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है। सरकार का मानना है कि भविष्य के युद्धों में अंतरिक्ष आधारित तकनीक निर्णायक भूमिका निभाएगी।

यह पूरी योजना 2025 में कोलकाता में घोषित जॉइंट मिलिट्री स्पेस डॉक्ट्रिन पर आधारित है। इस नीति में पहली बार अंतरिक्ष को औपचारिक रूप से युद्ध रणनीति का हिस्सा माना गया और इसे प्रतिस्पर्धी युद्धक्षेत्र के रूप में स्वीकार किया गया।

भारत का नया ढांचा लो-अर्थ ऑर्बिट में कई छोटे और तेज़ सैटेलाइटों के नेटवर्क पर आधारित होगा। बड़े और सीमित संख्या वाले सैटेलाइटों की तुलना में यह प्रणाली अधिक सुरक्षित मानी जाती है, क्योंकि किसी हमले की स्थिति में पूरा नेटवर्क प्रभावित नहीं होगा और निगरानी लगातार जारी रह सकेगी।

24 घंटे होगी निगरानी- इन सैटेलाइटों में सिंथेटिक अपर्चर रडार और हाई-रिजॉल्यूशन ऑप्टिकल सेंसर लगाए जाएंगे। इससे बादलों, खराब मौसम या रात के समय भी दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकेगी।

साथ ही, सुरक्षित कम्युनिकेशन सिस्टम सेना के कमांड-एंड-कंट्रोल नेटवर्क को मजबूत बनाएंगे। कुछ विशेष सैटेलाइट अंतरिक्ष में दूसरे देशों के सैटेलाइटों और गतिविधियों की निगरानी भी करेंगे।

भाजपा ग्रामीण के नवीन कार्यालय का भूमिपूजन, 6 अप्रैल 2027 को होगा लोकार्पण : हेमंत खण्डेलवाल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी इंदौर ग्रामीण के नवीन जिला कार्यालय का भूमिपूजन गुरुवार को प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। राऊ विधानसभा क्षेत्र के नवदापंथ स्थित भूखंड पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश एवं जिले के अनेक वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति रही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े और कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और अन्य राजनीतिक दलों में मूलभूत अंतर यह है कि भाजपा का संगठन किसी व्यक्ति विशेष या नेता के घर से नहीं, बल्कि पार्टी कार्यालय से संचालित होता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के जिन जिलों में अभी तक भाजपा के कार्यालय नहीं हैं, वहां कार्यालय निर्माण का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने घोषणा की कि इंदौर ग्रामीण भाजपा के नवीन कार्यालय का लोकार्पण 6 अप्रैल 2027 को किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि कार्यालय बनने के बाद प्रत्येक विधायक सप्ताह में एक दिन कार्यालय में बैठकर कार्यकर्ताओं और आमजन से संवाद करेंगे।

प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि किसी भी संगठन का कार्यालय तभी सार्थक होता है, जब उसके निर्माण में कार्यकर्ताओं का श्रम और सहयोग जुड़ा हो। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक कार्यकर्ता के योगदान से कार्यालय का निर्माण होना चाहिए, जिससे उसमें अपनत्व और सहभागिता की भावना विकसित हो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्चुअल संबोधन में भाजपा इंदौर ग्रामीण को नवीन कार्यालय के लिए बधाई देते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं के लिए नया कार्यालय अपने नए घर के समान होता है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यालय संगठनात्मक गतिविधियों और जनसेवा कार्यों के संचालन का प्रमुख केंद्र होता है।

स्वागत भाषण में भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा ने बताया कि नवदापंथ में 80 गुणा 200 फीट के लगभग 16 हजार वर्गफीट क्षेत्रफल में नवीन कार्यालय भवन का निर्माण किया जाएगा। यह भवन आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा और संगठनात्मक गतिविधियों के संचालन का प्रमुख केंद्र बनेगा।

कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार, सांसद शंकर लालवानी, मंत्री नागर सिंह चौहान, सांसद अनीता चौहान, विधायक मनोज पटेल, उषा ठाकुर, मधु वर्मा, गोलू शुक्ला, पूर्व विधायक जीतू जिराती, अंतर सिंह दरबार, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, जयपाल सिंह चावड़ा, संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत, जिला प्रभारी शैलेन्द्र डागा, चिंटू वर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने भूमि विक्रेता मनोहर पटेल और इंदर पटेल का सम्मान भी किया। कार्यक्रम से पूर्व सुबह हुई जोरदार बारिश के कारण आयोजन स्थल पर मंच एवं अन्य व्यवस्थाओं को पुनः तैयार करना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

इलेक्ट्रिक व्हीकल शो-रूम में लगी आग, संयुक्त रेस्क्यू अभियान चलाकर बिल्डिंग में फँसे लोगों की बचाई जान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले के थाना लसूड़िया क्षेत्र में डायल-112 जवानों की तत्परता, साहस एवं सूझबूझ से एक बड़े हादसे को टालते हुए इलेक्ट्रिक व्हीकल शो-रूम में लगी आग के दौरान बिल्डिंग में फँसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। डायल-112 एवं फायर ब्रिगेड के संयुक्त रेस्क्यू अभियान से कई लोगों की जान सुरक्षित बचाई जा सकी। 05 जून को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना लसूड़िया क्षेत्र अंतर्गत स्कीम नंबर-136 स्थित एक इलेक्ट्रिक व्हीकल शो-रूम में आग लग गई है तथा कुछ लोग बिल्डिंग के अंदर फँसे हुए हैं। सूचना प्राप्त होते ही तत्काल थाना लसूड़िया क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। डायल-112 स्टाफ आरक्षक श्री नरेंद्र मंडेलिया, आरक्षक श्री राधेश्याम कुशवाहा, आरक्षक श्री रितेश पाटीदार, पायलट श्री राजेश यादव एवं श्री पवन दांगी तत्काल मौके पर पहुँचे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डायल-112 जवानों ने बिना समय गंवाए त्वरित रेस्क्यू अभियान प्रारंभ किया। जवानों ने साहस एवं सूझबूझ का परिचय देते हुए बिल्डिंग में फँसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके साथ ही फायर ब्रिगेड दल के साथ समन्वय स्थापित कर आग बुझाने की कार्यवाही कराई गई। संयुक्त प्रयासों से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया और एक संभावित बड़ी जनहानि को टाल दिया गया। डायल-112 हीरोज श्रृंखला की यह कार्यवाही दर्शाती है कि डायल-112 सेवा केवल आपातकालीन सहायता प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि आगजनी, दुर्घटना एवं अन्य संकटपूर्ण परिस्थितियों में भी त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए आमजन की सुरक्षा एवं जीवन रक्षा के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। संकट की हर घड़ी में डायल-112 जवान साहस, संवेदनशीलता एवं सेवा भाव के साथ लोगों की सहायता कर रहे हैं।

मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने ग्लोबल वार्मिंग पर जताई चिंता, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संभागीय शासकीय आईटीआई इंदौर में भव्य पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक श्री रमेश मेंदोला, उद्यान प्रभारी एवं वरिष्ठ पार्षद श्री राजेंद्र राठौर, सभापति नगर निगम श्री मुन्नालाल यादव, पार्षद श्री मनोज मिश्रा, पूर्व पार्षद श्री राजकपूर सुनहरे तथा आईटीआई के प्राचार्य श्री गौरव आर्य सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अतिथियों ने संस्थान परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा उपस्थितजनों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं उनके संरक्षण का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन वर्तमान समय की गंभीर चुनौती है। पर्यावरण संरक्षण अब केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व की आवश्यकता बन चुका है। उन्होंने कहा कि विश्व के 115 सर्वाधिक गर्म शहरों में से लगभग 90 शहर भारत में स्थित हैं, जो चिंता का विषय है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि उक्त आयोजन केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि प्रकृति के प्रति जागरूकता, जिम्मेदारी और भावी पीढ़ियों के प्रति कर्तव्यबोध का प्रेरणादायक संदेश भी बनकर उभरा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक यदि अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करें तो पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने हरित एवं स्वच्छ भारत के निर्माण हेतु वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन श्री संजय जैन ने किया।

राज्य शासन द्वारा दुकान एवं स्थापनाओं में अग्नि सुरक्षा हेतु प्रस्तावित प्रारूप नियम तैयार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा मध्यप्रदेश इंदौर के संचालक द्वारा बताया गया कि मध्यप्रदेश दुकान एवं स्थापना अधिनियम 1958 के अंतर्गत राज्य शासन द्वारा दुकान एवं स्थापनाओं में अग्नि सुरक्षा हेतु प्रारूप नियम प्रस्तावित किये है। इसके तहत किसी भी भवन को अग्नि दुर्घटना से बचाव हेतु समुचित सुरक्षा व्यवस्था रखना अनिवार्य है। समस्त नागरिकों को भी किसी भवन एवं स्थापन में प्रवेश करने के पूर्व ही उस भवन एवं स्थापन को अग्नि दुर्घटना से सुरक्षित है या नहीं यह जानकारी होना आवश्यक है।

संचालक के अनुसार दुकान एवं स्थापनाओं में सामान्य अग्नि सुरक्षा आवश्यकताएं, आपातकालीन निकास और निकासी, विद्युत सुरक्षा, ज्वलनशील एवं परिसंकटमय पदार्थों का भण्डारण, प्रशिक्षण एवं उत्तरदायित्व अभिलेखों का रखरखाव एवं निरीक्षण तथा उच्च जोखिम वाले स्थापनाओं के लिए विशेष प्रावधान किये गये हैं। साथ ही भवन की फायर ऑडिट रिपोर्ट ऑनलाईन सार्वजनिक डोमेन में पोर्टल पर उपलब्ध होने की भी व्यवस्था की गई है। नागरिक उक्त प्रारूप नियम का विभागीय पोर्टल पर अवलोकन कर सकते हैं। यदि कोई नागरिक उक्त विषय पर सुझाव देना चाहते हैं तो ईमेल dicbhopal@gmail.com और dihsindore@mp.gov.in पर अपने सुझाव भेज सकते है, जिन पर एक सप्ताह की अवधि के अवसान उपरान्त विचार किया जाकर अन्तिम नियम प्रकाशित किये जायेंगे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर आरोग्य भारती का पर्यावरण संगोष्ठी एवं पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आरोग्य भारती द्वारिका जिला, इंदौर महानगर द्वारा ज्योतिबा फुले गार्डन में पर्यावरण संगोष्ठी, पर्यावरणविद सम्मान समारोह एवं पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन और स्वास्थ्य के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।

आरोग्य भारती द्वारिका जिला अध्यक्ष डॉ. आर.एन. मिश्रा एवं मीडिया प्रमुख राजेश यादव ने बताया कि कार्यक्रम में संघ परिवार के द्वारिका जिला पर्यावरण प्रमुख देवेश बाजपेयी, आरोग्य भारती इंदौर महानगर के उपाध्यक्ष डॉ. अजय जोशी तथा क्षेत्रीय पार्षद एवं जोन अध्यक्ष पराग कौशल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

पर्यावरण प्रमुख देवेश बाजपेयी ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए केवल पौधारोपण ही नहीं, बल्कि पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को एक पौधा लगाकर उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित करने का संकल्प लेना चाहिए। साथ ही उन्होंने भारत को पॉलीथीन एवं प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

आरोग्य भारती के उपाध्यक्ष डॉ. अजय जोशी ने संगठन की गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि स्वस्थ समाज की परिकल्पना को साकार करने के लिए सभी नागरिकों को आरोग्य भारती से जुड़ना चाहिए। उन्होंने कोरोना काल का उल्लेख करते हुए कहा कि उस कठिन समय ने पौधों और पर्यावरण के महत्व को और अधिक स्पष्ट किया है, क्योंकि स्वच्छ वातावरण और पर्याप्त ऑक्सीजन मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

पार्षद एवं जोन अध्यक्ष पराग कौशल ने जल संरक्षण को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए कहा कि ÷जल है तो कल है÷। उन्होंने नागरिकों से अपने घरों में वर्षा जल संचयन और वाटर रिचार्ज सिस्टम विकसित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि आज वर्षा के जल को सहेजने के प्रभावी प्रयास नहीं किए गए तो भविष्य में जल संकट और गंभीर हो सकता है।

कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पर्यावरणविद शिवनारायण मिश्रा का शाल, श्रीफल एवं औषधीय पौधा भेंट कर सम्मान किया गया। डॉ. आर.एन. मिश्रा ने बताया कि शिवनारायण मिश्रा ने अपने जीवन में एक हजार से अधिक फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधों का रोपण कर उनका संरक्षण किया है। उनके द्वारा लगाए गए अनेक पौधे आज विशाल वृक्ष बन चुके हैं और पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ लोगों को फल, छाया और औषधीय लाभ भी प्रदान कर रहे हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में ज्योतिबा फुले गार्डन में सिंदूर, पारस पीपल, नीम एवं आम सहित विभिन्न फलदार, छायादार और औषधीय पौधों का रोपण भी किया गया। आरोग्य भारती के पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि पौधों के वृक्ष बनने तक उनकी नियमित देखभाल और सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

कार्यक्रम का संचालन योग आयाम प्रमुख वीर सिंह यादव ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन प्रभाकर कोहेकर ने किया। इस अवसर पर आरोग्य भारती द्वारिका जिला, संघ परिवार, योग परिवार तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े अनेक गणमान्य नागरिक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

'मेरा मोहल्ला नो हो हल्ला' अभियान के तहत 87 आदतन अपराधियों ने लिया अपराध छोड़ने का संकल्प

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अपराध नियंत्रण और सकारात्मक सामाजिक वातावरण निर्माण के उद्देश्य से इंदौर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे जन-जागरूकता अभियानों के तहत थाना हीरानगर परिसर में एक विशेष पाठशाला का आयोजन किया गया। मेरा मोहल्ला नो हो हल्ला अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में थाना बाणगंगा एवं हीरानगर क्षेत्र के 87 आदतन अपराधियों, गुंडों और निगरानीशुदा बदमाशों को शामिल किया गया।

पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में डीसीपी जोन-3 अभिषेक रंजन एवं अतिरिक्त डीसीपी जोन-3 रामस्नेही मिश्रा ने उपस्थित लोगों को अपराध के दुष्परिणामों और उसके सामाजिक तथा पारिवारिक प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में थाना प्रभारी बाणगंगा, हीरानगर एवं संबंधित बीट अधिकारी भी मौजूद रहे।

पाठशाला के दौरान कई आदतन अपराधियों ने स्वयं अपने जीवन के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि अपराध की दुनिया में कदम रखने के बाद उन्हें सामाजिक उपेक्षा, पारिवारिक तनाव, आर्थिक परेशानियों और सम्मान खोने जैसी अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उनके अनुभवों ने उपस्थित लोगों को अपराध से दूर रहने और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

अधिकारियों ने समझाया कि वास्तविक सुधार केवल स्वयं अपराध छोड़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज और मोहल्ले के अन्य युवाओं को भी अपराध के रास्ते पर जाने से रोकना उतना ही आवश्यक है। इसी भावना के साथ सभी उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से मेरा मोहल्ला नो हो हल्ला का संकल्प लिया। उन्होंने वचन दिया कि वे स्वयं अपराध से दूर रहेंगे, अपने क्षेत्र में किसी भी आपराधिक गतिविधि को बढ़ावा नहीं देंगे तथा ऐसी किसी भी गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देंगे।

कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को अपने-अपने बीट प्रभारी अधिकारियों के संपर्क में रहने और क्षेत्र में शांति, सुरक्षा तथा सकारात्मक माहौल बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं अधिकारियों ने बीट प्रभारियों को भी मेरी बीट सबसे ठीक की अवधारणा को प्रभावी रूप से लागू करने और अपने क्षेत्रों को अपराधमुक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने के निर्देश दिए।

इस दौरान सभी 87 आदतन अपराधियों के डॉजियर भरवाए गए तथा रेड और येलो नोटिसों की तामील कराते हुए उन्हें भविष्य में किसी भी प्रकार के अपराध से दूर रहने की सख्त हिदायत दी गई। पुलिस अधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे सुधारात्मक और जागरूकता आधारित प्रयास समाज में अपराध की प्रवृत्ति को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इंदौर में 6 जून को होगा भारत-लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन व्यापार एवं निवेश मंच 2026 का आयोजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास एवं निवेश संवर्धन प्रयासों को नई वैश्विक दिशा प्रदान करने के उद्देश्य से ÷भारत-लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन व्यापार एवं निवेश मंच 2026÷ का आयोजन 6 जून 2026 को इंदौर के रेडिसन होटल में किया जा रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय मंच का आयोजन मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम एवं ग्लोबल इंडिया बिजनेस फोरम के सहयोग से किया जा रहा है।

मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रात~ 11 बजे कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। मंच में लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन क्षेत्र के 15 से अधिक देशों के राजदूतों, उच्चायुक्तों, राजनयिक प्रतिनिधियों, उद्योग संगठनों, निवेशकों एवं व्यापारिक प्रतिनिधियों सहित 350 से अधिक प्रतिभागियों की उपस्थिति प्रस्तावित है।

यह मंच भारत और लैटिन अमेरिका- कैरेबियन देशों के बीच व्यापार, निवेश, औद्योगिक सहयोग एवं दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा। कार्यक्रम के माध्यम से मध्यप्रदेश को भारत के मध्य में स्थित एक उभरते हुए वैश्विक निवेश एवं निर्यात केंद्र के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

विगत वर्षों में मध्य प्रदेश और लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन देशों के बीच व्यापारिक संबंधों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य का इस क्षेत्र के देशों को निर्यात ?3,835 करोड़ तक पहुंचा है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है। राज्य के फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग, कृषि-आधारित उत्पाद, पैकेजिंग एवं विनिर्माण क्षेत्र के उत्पाद 33 से अधिक देशों तक पहुंच रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न देशों के राजनयिक प्रतिनिधियों द्वारा निवेश अवसरों पर प्रस्तुतियां दी जाएंगी तथा व्यापार, विनिर्माण, कृषि, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा और सतत विकास जैसे विषयों पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त निवेशकों, उद्योग प्रतिनिधियों एवं सरकारी संस्थाओं के मध्य B2B एवं B2B बैठकें भी आयोजित होंगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा का जाना स्वास्थ्य

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत किया पौधारोपण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने गुरुवार को इंदौर प्रवास के दौरान भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा के निवास पहुंचकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और परिजनों से भेंट की। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष का पुष्पमालाओं से भव्य स्वागत किया।

प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि सुमित मिश्रा संगठन के समर्पित और कर्मठ कार्यकर्ता हैं, जो सदैव पार्टी के कार्यों में सक्रिय रहते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करते ही वे पूरी ऊर्जा के साथ पुनः संगठनात्मक गतिविधियों में जुट जाएंगे। उन्होंने कहा कि संगठन का पूरा परिवार उनके साथ खड़ा है।

इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत, प्रदेश महामंत्री गौरव रणदीवे, सांसद शंकर लालवानी, विधायक मालिनी गौड़, महेंद्र हार्डिया, मधु वर्मा, मनोज पटेल, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी आलोक दुबे एवं खेल प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक मानसिंह यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इसके पश्चात विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने वार्ड क्रमांक 64 के चितावद स्थित आनंदमयी उद्यान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ के अवसर पर सिंदूर का पौधा रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक मालिनी गौड़, विधायक मनोज पटेल, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी आलोक दुबे, एमआईसी सदस्य एवं क्षेत्रीय पार्षद मनीष शर्मा 'मामा' तथा मंडल अध्यक्ष रितेश वीरांग सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में विश्व पर्यावरण दिवस पर भाजपा नगर द्वारा शहर के सभी 35 मंडलों में व्यापक स्तर पर पौधारोपण किया गया।

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-2 में आईटीआई परिसर में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और विधायक रमेश मेंदोला ने अपनी माताओं की स्मृति में पौधे लगाए। इस अवसर पर निगम सभापति मुन्नालाल यादव, एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर, पार्षद मनोज मिश्रा, धर्मेंद्र-विनीता मौर्य एवं राजकपूर सुनहरे उपस्थित रहे।

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-3 में विधायक गोलू शुक्ला ने वार्ड 57 स्थित मल्हार आश्रम में कार्यकर्ताओं के साथ पौधारोपण किया। वहीं विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-4 के भगतसिंह मंडल में जिला अस्पताल परिसर में पौधे रोपे गए। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-5 में वार्ड 41 एवं 50 के अंतर्गत पिपल्याहाना तालाब की पाल पर जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

भाजपा इंदौर ग्रामीण के नवीन कार्यालय का भूमिपूजन संपन्न, एक वर्ष में लोकार्पण का लक्ष्य

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी जिला इंदौर (ग्रामीण) के नवीन कार्यालय निर्माण हेतु गुरुवार को भव्य भूमिपूजन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े और नवीन कार्यालय निर्माण के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

भूमिपूजन कार्यक्रम से पूर्व कार्यालय निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराने वाले किसान का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार एवं धार्मिक विधि-विधान के साथ भूमि पूजन संपन्न हुआ। पूजन उपरांत प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, मंत्री तुलसीराम सिलावट एवं कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने गेती चलाकर निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया।

अपने संबोधन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक विचारधारा आधारित संगठन है और पार्टी कार्यालय कार्यकर्ताओं के लिए मंदिर के समान होते हैं। उन्होंने कहा कि संगठन की गतिविधियों को गति और दिशा देने में कार्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह नवीन कार्यालय ग्रामीण क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के लिए संगठनात्मक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा।

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि यह कार्यालय सेवा, समर्पण, विश्वास और संगठन की शक्ति का प्रतीक बनेगा। यहां आने वाला कोई भी व्यक्ति निराश होकर नहीं जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी एक वर्ष के भीतर कार्यालय भवन का लोकार्पण भी संपन्न कर लिया जाएगा।

कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि संगठन के भवन निर्माण में प्रत्येक कार्यकर्ता की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सहयोग राशि चाहे पांच रुपये हो या दस रुपये, कार्यकर्ताओं का योगदान इस भवन को संगठन की ऊर्जा और आत्मीयता से जोड़ने का कार्य करेगा।

कार्यक्रम के दौरान राऊ विधायक मधु वर्मा विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहन (ई-रिक्शा) से कार्यक्रम स्थल पहुंचे, जो उपस्थित लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र रहा। इस पहल को पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में सकारात्मक संदेश के रूप में देखा गया।

भाजपा इंदौर ग्रामीण जिलाध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा ने बताया कि लगभग 16 हजार वर्गफीट क्षेत्र में बनने वाला यह आधुनिक कार्यालय विभिन्न अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा। भवन में अध्यक्ष कक्ष, प्रदेश पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के लिए पृथक कक्ष, महिला कार्यकर्ताओं के लिए विशेष कक्ष, जिला महामंत्रियों के कक्ष, मीडिया सेंटर तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसी आधुनिक व्यवस्थाएं उपलब्ध रहेंगी।

कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार, संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत, जिला प्रभारी शैलेंद्र डागा, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक उषा ठाकुर, मनोज पटेल, गोलू शुक्ला, जयपाल सिंह चावड़ा, जिला पंचायत अध्यक्ष रीना सतीश मालवीय, गौरव रणदीवे, पूर्व विधायक जीतू जिराती, अंतर सिंह दरबार, पूर्व जिलाध्यक्ष घनश्याम नारोलिया, चिंटू वर्मा, रवि रावलिया सहित अनेक वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और नागरिकों की उपस्थिति ने संगठन के प्रति उनके उत्साह और समर्पण को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री रामस्वरूप गेहलोत ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन विधायक मधु वर्मा ने व्यक्त किया। नवीन कार्यालय के निर्माण से भाजपा इंदौर ग्रामीण को संगठनात्मक गतिविधियों के लिए एक सशक्त और आधुनिक केंद्र प्राप्त होगा।

पिपलिया स्टेशन पर रेल सुविधाओं के विस्तार की मांग तेज, नारेबाजी करते हुए पहुंचे स्टेशन, सौंपा ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलिया रेलवे स्टेशन पर यात्री ट्रेनों के ठहराव सहित विभिन्न रेल सुविधाओं के विस्तार की मांग को लेकर क्षेत्रवासियों में लगातार असंतोष बढ़ता जा रहा है।

रेल सुविधा विस्तार समिति पदाधिकारी व क्षेत्र के नागरिक पिपलिया स्टेशन से जुड़ी कई महत्वपूर्ण समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर शुक्रवार को नारेबाजी करते हुए रेलवे स्टेशन पहुंचे। जहां स्टेशन अधीक्षक चन्द्रशेखर गुर्जर को मंडल रेल प्रबंधक, रतलाम के नाम विस्तृत ज्ञापन सौंपा। समिति पदाधिकारियों ने बताया कि पिपलिया रेलवे स्टेशन तहसील मल्हारगढ़ एवं आसपास के दर्जनों गांवों के लिए प्रमुख रेल संपर्क केंद्र है। प्रतिदिन हजारों की संख्या में किसान, व्यापारी, विद्यार्थी, कर्मचारी एवं श्रमिक इस स्टेशन से यात्रा करते हैं। कृषि उपज के परिवहन, व्यापारिक गतिविधियों, शिक्षा, रोजगार एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए क्षेत्र की बड़ी आबादी इस स्टेशन पर निर्भर है।

इसके बावजूद स्टेशन पर कई आवश्यक सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। समिति ने ज्ञापन में प्रमुख रूप से उज्जैन-चित्तौड़गढ़-उज्जैन (वाया फतेहाबाद) मेमू ट्रेन, काचीगुड़ा-भगत की कोठी एक्सप्रेस तथा इंदौर-बीकानेर साप्ताहिक एक्सप्रेस का पिपलिया स्टेशन पर ठहराव सुनिश्चित करने की मांग की है। समिति का कहना है कि इन ट्रेनों का ठहराव नहीं होने से क्षेत्र के यात्रियों को इनका लाभ नहीं मिल पा रहा है और उन्हें अन्य स्टेशनों तक जाकर ट्रेन पकड़नी पड़ती है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि रतलाम-चित्तौड़गढ़ रेलखंड से दिल्ली के लिए कोई सीधी रेल सेवा उपलब्ध नहीं है। इसके कारण यात्रियों को रतलाम अथवा चित्तौड़गढ़ जाकर ट्रेन बदलनी पड़ती है, जिससे समय और धन दोनों की अतिरिक्त हानि होती है। समिति ने कोटा-मंदसौर-कोटा ट्रेन का विस्तार दिल्ली तक करने की मांग उठाई है। इसके अलावा रतलाम-ग्वालियर-रतलाम ट्रेन को नीमच तक बढ़ाने की भी मांग की गई है।

समिति का तर्क है कि उक्त ट्रेन रतलाम स्टेशन पर लगभग पांच घंटे तक खड़ी रहती है, ऐसे में इसका विस्तार यात्रियों के लिए लाभकारी साबित होगा। रेल सुविधा विस्तार समिति ने सामान्य यात्री ट्रेनों में बढ़े हुए किराये पर भी आपत्ति जताई है। समिति के अनुसार वर्तमान में कई सामान्य यात्री गाड़ियों में भी एक्सप्रेस श्रेणी के समान किराया वसूला जा रहा है, जिससे दैनिक यात्रियों, विद्यार्थियों और मजदूर वर्ग पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। समिति ने पूर्व की भांति साधारण किराया लागू करने की मांग की है। ज्ञापन में वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली रेल किराया रियायत सुविधा को पुनः प्रारंभ करने की मांग भी शामिल है। समिति का कहना है कि रियायत बंद होने से बुजुर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्टेशन पर कोच इंडिकेशन बोर्ड नहीं होने की समस्या भी ज्ञापन में प्रमुखता से उठाई गई है। समिति के अनुसार आरक्षित टिकट वाले यात्रियों को ट्रेन आने के बाद अपने कोच की तलाश में इधर-उधर दौड़ना पड़ता है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्लेटफॉर्म पर कोच इंडिकेशन व्यवस्था शीघ्र स्थापित करने की मांग की गई है। समिति ने चेतावनी दी है कि यदि उक्त मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो क्षेत्र के नागरिकों एवं रेल सुविधा विस्तार समिति को आंदोलनात्मक कदम उठाने के लिए विवश होना पड़ेगा, जिसकी जिम्मेदारी रेल प्रशासन की होगी। ज्ञापन पर समिति के संरक्षक रमेश तेलकार व चौथमल गुप्ता, अध्यक्ष अनिल शर्मा, प्रवक्ता भूपेन्द्र महावर, सरफराज मेव, प्रकाश राठौर, अनिल बोराना, पंकज शर्मा तरुण, बाबूलाल नागर, किशनलाल चौहान, मनोहर पालीवाल, राजेश भारती, किशोर उणियारा, अशोक कोहली, देवेन्द्र कराड़ा, हरिसिंह यादव, अनिल मुलासिया, पप्पू गुर्जर सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

यूबिना अनुज्ञा चना परिवहन पर मंडी निरीक्षण दल की कार्रवाई, 19 हजार 100 रुपए की वसूली

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि उपज मंडी मंदसौर के निरीक्षण दल द्वारा दिनांक 05 जून को मंडी क्षेत्र में नियमित निरीक्षण के दौरान बिना वैध अनुज्ञा के कृषि उपज का परिवहन करते पाए जाने पर कार्रवाई की गई। रीक्षण के दौरान वाहन क्रमांक MP14 जीबी 0842 को रोका गया। जांच में वाहन में लगभग 50 क्विंटल चना परिवहन किया जा रहा था। संबंधित व्यक्ति द्वारा कृषि उपज के परिवहन हेतु आवश्यक अनुज्ञापत्र प्रस्तुत नहीं किया गया। इस पर मंडी निरीक्षण दल द्वारा मौके पर पंचनामा तैयार कर नियमानुसार प्रकरण दर्ज करते हुए वसूली की कार्रवाई की गई। प्रकरण में पांच गुना शुल्क राशि 14 हजार 250, निराश्रित शुल्क राशि 2 हजार 850 तथा समझौता शुल्क 2 हजार सहित कुल 19 हजार 100 की राशि जमा कराई गई। मंडी सचिव श्री लक्ष्मण सिंह ठाकुर ने बताया कि कृषि उपज का परिवहन एवं व्यापार मंडी अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप किया जाना आवश्यक है। बिना वैध अनुज्ञा अथवा आवश्यक दस्तावेजों के कृषि उपज का परिवहन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कृषकों, व्यापारियों एवं परिवहनकर्ताओं से मंडी नियमों का पालन करने की अपील की है।

अफजलपुर पुलिस द्वारा बोलोरे जीप में भरी 4 पेटी बीयर बरामद

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस थाना अफजलपुर द्वारा प्रोजेक्ट जन मेत्री नशा मुक्ति सुचना अभियान के तहत जन सामान्य द्वारा दी गयी सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुवे 4 पेटी बीयर तथा एक बोलेरो वाहन जप्ती की कार्यवाही की गई। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेरसिंह बघेल व अनुविभागीय अधिकारी पुलिस ग्रामीण कीर्ति बघेल के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक हरीश मालवीय के कुशल नेतृत्व में थाना स्टाफ द्वारा 04 जून को उनि राजाराम वर्मा द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा संचालित नशा मुक्ती सुचना अभियान के तहत जारी मोबाईल नम्बर 7701051717 पर जन सामान्य से (गोपनीय) सुचना प्राप्त हुई, जो पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुवे बोलेरो वाहन को घेरा बंदी कर पकडकर उसमे रखी 4 प्रेसिडेंट कम्पनी कि कांच कि बीयर कि बाटल की पेटीयो को एवं प्रयुक्त वाहन बोलेरो सहीत जप्त कर थाना अफजलपुर पर अपराध पंजीबद्ध किया गया। मामले में आरोपी बादल पिता कैलाश उम्र 21 साल निवासी बेटीखेडी थाना नाहरगढ को गिरफ्तार किया गया है।

विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार ने भादवा माता में किया पौधारोपण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को विधायक श्री दिलीपसिंह परिहार ने ग्राम पंचायत भादवा माता में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में सहभागिता की और स्वयं पौधा रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पौधारोपण कर दिया हरियाली का संदेश- विधायक श्री परिहार ने ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर परिसर में पौधारोपण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पेड़ हैं तो जीवन है। प्रत्येक नागरिक को अपने जीवनकाल में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सभी से पौधारोपण करने की अपील की। पर्यावरण संतुलन पर दिया जोर- श्री परिहार ने कहा कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन एवं ग्लोबल वार्मिंग जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर ही हम आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण दे सकते हैं।

रोजगार से समृद्धि की ओर - झंझारवाड़ा औद्योगिक क्षेत्र में उद्योग स्थापना को मिलेगी रफ्तार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के औद्योगिक विकास को नई गति देने के उद्देश्य से झंझारवाड़ा औद्योगिक क्षेत्र स्थित साइट ऑफिस में निवेशकों एवं भूखंडधारकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक श्री राजेश राठौड़ ने उद्योग स्थापना से जुड़े कार्यों की समीक्षा करते हुए निवेशकों से अपनी परियोजनाओं को शीघ्र धरातल पर उतारने का आह्वान किया, ताकि स्थानीय युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार मिले और जिले की आर्थिक गतिविधियों को मजबूती मिले। भूखंडों की स्थिति एवं प्रगति की समीक्षा- बैठक में बताया गया कि झंझारवाड़ा औद्योगिक क्षेत्र में कुल 194 भूखंड आवंटित हो चुके हैं। इनमें से 89 प्लॉट पर 45 इकाइयां शुरू हो चुकी हैं जिनमें उत्पादन चल रहा है। इन इकाइयों के माध्यम से लगभग 2500 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिल रहा है। 21 इकाइयों में फैक्टरी निर्माण कार्य प्रगति पर है। शेष भूखंडों पर भी उद्योग स्थापना की प्रक्रिया को गति देने के लिए निवेशकों से विस्तृत चर्चा की गई।

निवेश का बेहतर माहौल बनाएं- कार्यकारी संचालक श्री राठौड़ ने कहा कि प्रदेश सरकार उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। निवेशक भी सक्रिय भागीदारी निभाते हुए उद्योग स्थापना में तेजी लाएं। औद्योगिक विकास किसी एक संस्था या विभाग का कार्य नहीं है, बल्कि इसमें निवेशकों, उद्योगपतियों और प्रशासन की साझा भागीदारी आवश्यक है।

सुश्री मीनाक्षी नटराजन को अवसर देना, मंदसौर संसदीय क्षेत्र के लिये महत्वपूर्ण उपलब्धि-विक्रम विद्यार्थी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वरिष्ठ पत्रकार विक्रम विद्यार्थी ने कहा है कि मंदसौर क्षेत्र की पूर्व सांसद सुश्री मीनाक्षी नटराजन को कांग्रेस आलाकमान ने राज्यसभा की सीट आवंटित की है। उन्हें यह अवसर दिया है। यह संसदीय क्षेत्र के लिये महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अब वे कांग्रेस को एवं कार्यकर्ताओं को कितनी मजबूती दे पाएंगी यह आने वाला भविष्य बताएगा। मध्यप्रदेश से एक राज्यसभा सीट कांग्रेस को मिलेगी परन्तु आधा दर्जन वरिष्ठ नेता इसके लिये सपना संजोए हुए थे। घोषणा के बाद अब सभी की जिम्मेदारी है कि वे इस सीट को जिताएं।

वरिष्ठ पत्रकार विक्रम विद्यार्थी ने कहा कि- कांग्रेस सुप्रसिद्ध इतिहासकार डॉ. रघुवीरसिंह, साहित्यकार बालकवि बैरागी को राज्यसभा सदस्य बना चुकी है। जनसंघ बनाम जनता पार्टी बनाम भाजपा विमलकुमार चौरड़िया, वीरेन्द्रकुमार सकलेचा, रघुनंदन शर्मा को भी राज्यसभा में भेज चुकी है। बंसीलाल गुर्जर वर्तमान में राज्यसभा सदस्य हैं। मंदसौर संसदीय क्षेत्र में सात दशकों से कांग्रेस एवं भाजपा आमने सामने है। मुकाबले में कांग्रेस कमजोर है। तीसरे मोर्चे को कोई अवसर नहीं है। यह पिछला इतिहास भी बताता है। वीरेन्द्र कुमार सखलेचा जो मुख्यमंत्री रह चुके थे, पार्टी के टिकट न मिलने पर नया दल बनाने के बाद भी जीत नहीं सके। इस क्षेत्र के जनसंघ बनाम भाजपा के प्रमुख एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कुशाभाऊ ठाकरे, के.सी. सुदर्शन, सुंदरलाल पटवा, डॉ. लक्ष्मीनारायण पांडे तथा कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्रीद्वय अर्जुनसिंह, दिग्विजयसिंह, पूर्व श्रममंत्री श्यामसुंदर पाटीदार, पूर्व गृहमंत्री भारतसिंह जावरा, पूर्व सांसद भंवरलाल नाहटा किरदार थे। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ इस क्षेत्र में इसलिये असफल रहे क्योंकि उनके अनुयायी प्रभावशील नहीं थे। वर्तमान समय में उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के अलावा भाजपा से लोकसभा सदस्य सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सदस्य श्री बंसीलाल गुर्जर तथा संसदीय क्षेत्र में 8 में 7 विधायक भाजपा के हैं जबकि कांग्रेस के एकमात्र विधायक विपिन जैन हैं। वर्ष 2027 में नगरपालिका, नगर परिषद, जिला पंचायत, जनपद, पंचायतों के चुनाव, वर्ष 2028 में विधानसभा तथा वर्ष 2029 में लोकसभा चुनाव हैं। कांग्रेस को लोकसभा में नया उम्मीदवार देना होगा। इन चुनावों में सफलता उसी दल को मिलेगी जो अपने गुटों एवं कार्यकर्ताओं में बिना गुटबाजी के बेहतर तालमेल बिठाएंगे। सुश्री नटराजन को राज्यसभा टिकट मिलने से कांग्रेस शिविर में उत्साह का माहौल है। अब यह उन्हीं पर निर्भर है कि वे आमजनता के साथ-साथ आम कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं नेताओं से कैसा समन्वय बनाकर चलती हैं। सुश्री नटराजन को कांग्रेस आलाकमान ने बेहतर अवसर दिया है। उन्हें भाजपा की ओर से चुनौती मिलेगी उसका जवाब उन्हें कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर करना होगा। वे भी जानती हैं कि भाजपा से मुकाबला इतना आसान नहीं है। आने वाला समय बताएगा कि वे पहली बार लोकसभा जीतने एवं दो बार पराजित होने के बाद कितना सबक सीखी हैं ?

मंदसौर जिले के सभी मदरसों की एक टीम बनाकर हो जांच - नरेश चंदवानी

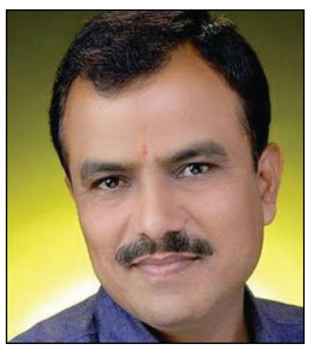

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विगत दिनों मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. निवेदिता शर्मा के मंदसौर दौरे के दौरान जिले के बादाखेड़ी गांव स्थित एक शैक्षणिक संस्थान में गंभीर अनियमितताएं सामने आई है। जिसमें पाया गया कि स्कूल की आड़ में अवैधानिक रूप से मदरसा संचालित किया जा रहा है। ऐसे ही अन्य स्कूलों की जांच की जायें तो कई चौकाने वाले खुलासे सामने आ सकते है।

उक्त बात कहते हुए शासकीय महाविद्यालय में जनभागीदारी के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता नरेश चंदवानी ने बताया कि मंदसौर नगर सहित जिले में ऐसे कई स्कूल संचालित हो रहे है जहां स्कूल की आड़ में मदरसे चल रहे है। जिनकी मदरसा बोर्ड से भी कोई मान्यता नहीं है। नगर एवं जिले के मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में संचालित हो रहे स्कूलों की जांच एक टीम बनाकर हो तो कई चौकाने वाले खुलासे हो सकते है। श्री चंदवानी ने बताया कि मदरसे की आड़ में अवैधानिक गतिविधियां संचालित हो रही है। शासन द्वारा तय गाइडलाइन एवं पढ़ाई के कोर्स के अतिरिक्त धर्म विशेष की पढ़ाई पर जोर दिया जाता है। बच्चों की संख्या भी संदेह के घेरे में रहती है। बच्चों को पूर्ण रिकार्ड भी नहीं रखा जाता है। ऐसे कई नियमे विरूद्ध चीजें मिल सकती है अगर सभी ऐसे संदेहास्पद स्कूलों की जांच की जाये तो। श्री चंदवानी ने बताया कि ऐसी संस्थाओं को करोड़ों रुपए का अनुदान शासन से मिलता है तथा वर्षों से यह अनुदान किन-किन लोगों के खातों में गई है किन-किन लोगों ने इसका लाभ लिया है इसकी संपूर्ण जांच की जाए तो मंदसौर जिला ही नहीं पूरे मध्य प्रदेश में अप्रत्याशित रूप से हुए करोड़ो रुपए के घोटाले पकड़ में आ सकते है। श्री चंदवानी ने जिला कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारी से मांग की है कि संदेहास्पद स्कूलों की जांच की जायें कि वहां कोई अवैधानिक गतिविधियां संचालित तो नहीं हो रही है इसके लिए डीपीसी और बीआरसी के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जायें। वही जिला पुलिस अधीक्षक भी ऐसे संस्थानों की कानूनन जांच करें कि यहां पर कोई अनैतिक गतिविधियां तो नहीं चल रही।

कलेक्टर की समीक्षा बैठक में सख्त निर्देश: किसानों को योजनाओं का पूरा लाभ, खरीफ तैयारियों पर फोकस

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में एपीसी (एग्रीकल्चर प्रोडक्शन कमिश्नर) समूह की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, दुग्ध संघ, सहकारिता सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं गतिविधियों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक में कलेक्टर ने सभी विभागों द्वारा प्रस्तुत पावर प्रेजेंटेशन के माध्यम से योजनाओं की प्रगति का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर चंद्रा ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) के तहत हितग्राहियों के प्रकरण तैयार करते समय उन्हें एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड का लाभ दिलाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए, ताकि इकाई स्थापना के लिए उन्हें अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्राप्त हो सके। बैठक में कृषि उपज मंडी प्रांगण में किसानों की सुविधा बढ़ाने के उद्देश्य से उपज की क्लीनिंग, ग्रेडिंग एवं पैकेजिंग की व्यवस्था विकसित करने के प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश मंडी सचिव को दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि इससे किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

समीक्षा के दौरान कृत्रिम गर्भाधान, हिरण्यगर्भा योजना, डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना तथा फसल बीमा योजना की भी विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने आगामी खरीफ सीजन को देखते हुए मिट्टी के नमूनों का परीक्षण कराने, किसानों को वैज्ञानिक खेती के लिए प्रेरित करने तथा पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों का भंडारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नाकाबंदी देखकर भागा तस्कर, बाइक के पैनल में छिपाकर ले जा रहा था अफीम

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में चल रहे नशा विरोधी अभियान के तहत सिंगोली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 620 ग्राम अवैध अफीम और एक मोटरसाइकिल जब्त की है। बरामद अफीम की कीमत करीब 3.10 लाख रुपये बताई गई है।

पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवलसिंह सिसोदिया एवं एसडीओपी रोहित राठौर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी जितेन्द्र कुमार वर्मा के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार 3 जून को ताल-कोज्या रोड स्थित प्रेमपुरा फंटे पर नाकाबंदी की जा रही थी। इसी दौरान परलाई की ओर से आ रही काले रंग की हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल का चालक पुलिस को देखकर अचानक वाहन मोड़कर भागने का प्रयास करने लगा। संदेह होने पर पुलिस टीम ने उसे घेराबंदी कर रोक लिया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम दल्लीचंद पिता पन्नालाल धाकड़ निवासी हमेरगढ़, ग्राम पंचायत टोलू का लुहारिया, थाना जावदा, जिला चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) बताया।

तलाशी के दौरान पुलिस ने मोटरसाइकिल के बाएं साइड पैनल को खोलकर जांच की, जहां फिल्टर के पास छिपाकर रखी गई एक पारदर्शी प्लास्टिक थैली मिली। थैली की जांच करने पर उसमें 620 ग्राम अवैध अफीम बरामद हुई।

पुलिस ने आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

जब्त सामग्री-

- 620 ग्राम अवैध अफीम
- अनुमानित कीमत = 3.10 लाख रुपये
- हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल
- मोटरसाइकिल की अनुमानित कीमत = 50 हजार रुपये

पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर अफीम की खरीद-फरोख्त और तस्करी नेटवर्क के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में ए.पी.सी.समूह की समीक्षा बैठक सम्पन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में शुक्रवार को ए.पी.सी.समूह कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य, दुग्ध संघ, सहकारिता, पशुपालन आदि विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कलेक्टर ने ए.पी.सी.समूह में शामिल सभी विभागों की योजनाओं विभागीय गतिविधियों की प्रगति के पावर प्रजेन्टेशन को एक-एक कर देखा और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव सहित सभी संबंधित जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने पी.एम.एफ.एम.ई.योजना के तहत हितग्राहियों के प्रकरण तैयार करते समय उन्हें एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फण्ड का लाभ लेने हेतु प्रेरित कर लाभांवित करवाने के निर्देश दिए, जिससे, कि हितग्राहियों को ईकाई स्थापना के लिए अतिरिक्त लाभ मिल सकें। कलेक्टर ने कृषि उपज मण्डी प्रांगण में किसानों की सुविधा के लिए उपज की क्लीनिंग ग्रेडिंग एवं पेकेजिंग की सुविधा उपलब्ध कराने के प्रस्ताव भी तैयार कर भिजवाने के निर्देश मण्डी सचिव को दिए। बैठक में कृत्रिम गर्भाधान, हिरण्यगर्भा योजना, डॉ.भीमराव अम्बेडर, कामधेनु योजना, फसल बीमा योजना, की समीक्षा की तथा खरीफ के पूर्व मिट्टी के नमूने लेकर उनका परीक्षण करवाने और सोसायटी में गत वर्ष की खपत अनुसार इस वर्ष भी उर्वरक का भण्डारण एवं वितरण की व्यवस्था करने, महागढ़, कृषि फार्म की जमीन का सीमांकन के लिए आवेदन कर सीमांकन के लिए आवेदन कर सीमांकन करवाने, दुग्ध समितियों के शेष सदस्यों के खाते सहकारी बैंकों में खुलवाने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए है।

विधायक अनिरुद्ध मारू ने भाटखेड़ी बुजुर्ग में किया पौधारोपण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विधायक मनासा श्री अनिरुद्ध मारू ने ग्राम पंचायत भाटखेड़ी बुजुर्ग में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में सहभागिता की।

पौधारोपण कर दिलाई शपथ- विधायक श्री मारू ने ग्राम पंचायत परिसर में पौधारोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों एवं बच्चों को पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण एवं प्लास्टिक मुक्त गांव बनाने की शपथ दिलाई।

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश- श्री मारू ने कहा कि ÷पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार हैं। ऑक्सीजन से लेकर वर्षा तक, सब कुछ वृक्षों पर ही निर्भर है। हमें अधिकाधिक पौधारोपण करना चाहिए।÷ उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि लगाए गए पौधों की सुरक्षा एवं सिंचाई की जिम्मेदारी भी स्वयं लें, ताकि वे वृक्ष का रूप ले सकें।

जनसहभागिता से होगा संरक्षण- विधायक ने कहा, कि शासन की योजनाओं के साथ-साथ जनसहभागिता से ही पर्यावरण को बचाया जा सकता है। उन्होंने ग्राम पंचायत को पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

पचास हजार पेड़ों की हरित विरासत के बीच मनाया विश्व पर्यावरण दिवस हजारों पौधों के संरक्षण की मिसाल बना प्लांटेशन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर क्षेत्रभर में उत्साहपूर्वक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। रिक्त भूमि, सार्वजनिक स्थलों एवं धार्मिक क्षेत्रों में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

इसी क्रम में धार्मिक एवं पर्यटन स्थल श्री सुखानंद धाम क्षेत्र के समीप स्थित केनपुरिया जलाशय के पास वन विभाग के वन कम्पार्टमेंट पी-31, रेंज जावद की वन भूमि पर मिश्रित प्रजातियों के पौधों का वृहद स्तर पर वृक्षारोपण किया गया। यह कार्यक्रम चित्तौड़गढ़ में विद्युत टावर निर्माण कार्य से जुड़ी दो कंपनियों के सौजन्य से आयोजित हुआ, जिसमें आंवला, नीम, शीशम सहित विभिन्न फलदार, छायादार एवं औषधीय प्रजातियों के पौधे लगाए गए।765 केवी ब्यावर मंदसौर पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड परियोजना पावर ग्रिड एवं केईसीइंटरनेशनल के सुशील तिवारी एवं देवांग जानी आशीष कुमार प्रासाद सहित स्टाफ के अनेक अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे इस अवसर पर 200 पौधे विभिन्न प्रजाति के लगाएं गए कार्यक्रम में उपवन मंडल अधिकारी दशरथ अखंड, परिक्षेत्र अधिकारी विपुल प्रभात, डिप्टी रेंजर चंपालाल धनगर, वनरक्षक भागेश्वर चंदेल, कालू पुरी गोस्वामी सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं पावर टावर कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि विगत वर्षों में इस क्षेत्र में क्रिकेट मैदान बनने के बाद वन विभाग द्वारा लगभग 50 हजार पौधों का वृक्षारोपण किया गया था। इनमें नीम, शीशम, आंवला, सागवान, बांस, चिरोल, कंज, कुशम, जामुन सहित करीब 18 प्रकार के फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधे लगाए गए थे। आज इनमें से अधिकांश पौधे विकसित होकर वृक्ष का रूप ले चुके हैं तथा फलदार प्रजातियां अच्छी उपज दे रही हैं। वहीं अन्य वृक्ष भी पर्यावरण संरक्षण एवं हरित आवरण बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

इस सफल प्लांटेशन के संरक्षण एवं संवर्धन में जिला वन मंडल अधिकारी, एसडीओ दशरथ अखंड, रेंजर विपुल प्रभात, डिप्टी रेंजर चंपालाल धनगर, पंकज माली, कालू पुरी गोस्वामी, बाबूलाल भील सहित वन अमले का विशेष योगदान रहा है, जो पौधों की सुरक्षा, सिंचाई एवं देखरेख पर निरंतर ध्यान दे रहे हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित इस वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ क्षेत्र को हरित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल प्रस्तुत की।

सम्पादकीय

अब यह तस्वीर बदलनी चाहिए

नसमय बदला, तकनीक बदली, जीवन-शैली बदली, बाजार बदला और फैशन भी बदल गया। महिलाओं को उपभोक्तावादी संस्कृति ने विज्ञापनों और प्रदर्शन की वस्तु के रूप में प्रस्तुत करने के नए-नए तरीके खोज लिए। किंतु दुखद प्रश्न यह है कि क्या समाज की मूलभूत सोच बदली? क्या बालिका शिक्षा शत-प्रतिशत हो गई? क्या दहेज प्रथा समाप्त हो गई? क्या स्त्री उत्पीड़न इतिहास बन गया?

दुर्भाग्य से इन प्रश्नों का उत्तर आज भी नकारात्मक है। अनेक समस्याएँ आज भी यथावत बनी हुई हैं, बल्कि कई मामलों में उन्होंने और अधिक विकराल रूप धारण कर लिया है। विशेष रूप से ग्रामीण भारत में महिलाओं की स्थिति अभी भी अपेक्षित सम्मान और अवसरों से काफी दूर दिखाई देती है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता जैसे क्षेत्रों में सुधार तो हुआ है, किंतु वह इतना व्यापक नहीं है कि समाज को संतोष हो सके।

हमारे बुजुर्ग कहा करते थे कि शिक्षा का प्रसार होगा तो समाज की कुरीतियाँ स्वतः समाप्त हो जाएँगी। स्त्रियाँ पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ेंगी और बेटी को बोझ नहीं, अवसर माना जाएगा। कुछ क्षेत्रों में प्रगति अवश्य हुई है, किंतु धरातल पर तस्वीर अभी भी अधूरी है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार देश में 10 वर्ष या उससे अधिक शिक्षा प्राप्त महिलाओं का प्रतिशत बढ़कर लगभग 46.4 प्रतिशत तक पहुँचा है, जो पहले 41 प्रतिशत था। यह सुधार उत्साहजनक है, किंतु इसका अर्थ यह भी है कि आधी से अधिक महिलाएँ अभी भी दस वर्ष की बुनियादी शिक्षा से वंचित हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालय छोड़ने वाली बालिकाओं की संख्या आज भी चिंता का विषय बनी हुई है। शिक्षा के क्षेत्र में असमानता का एक कारण बाल विवाह, गरीबी, सामाजिक रूढ़ियाँ तथा सुरक्षा संबंधी चिंताएँ भी हैं। अनेक परिवार आज भी पुत्र की शिक्षा को निवेश और पुत्री की शिक्षा को व्यय मानते हैं। यही सोच आगे चलकर दहेज जैसी कुप्रथा को जन्म देती और इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि शिक्षा और आधुनिकता के दावों के बीच दहेज का दानव आज भी जीवित है। राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में दहेज निषेध अधिनियम के अंतर्गत 15,489 मामले दर्ज किए गए तथा दहेज से संबंधित घटनाओं में 6,156 महिलाओं की मृत्यु हुई। अर्थात प्रतिदिन लगभग 17 महिलाओं ने दहेज की कीमत अपने जीवन से चुकाई। महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की व्यापक तस्वीर भी चिंता उत्पन्न करती है। वर्ष 2023 में देशभर में महिलाओं के विरुद्ध लगभग 4.48 लाख अपराध दर्ज किए गए। इनमें सबसे बड़ी संख्या पति अथवा रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के मामलों की रही, जो कुल अपराधों का लगभग 30 प्रतिशत है।

यह स्थिति केवल आँकड़ों की कहानी नहीं है; यह उन लाखों बेटियों, बहनों और माताओं की पीड़ा का दस्तावेज है जो आज भी भेदभाव, हिंसा और असमानता का सामना कर रही हैं।

समाज सुधारिका सावित्रीबाई फुले ने कहा था यदि तुम शिक्षित हो जाओगे तो तुम्हें अपने अधिकारों का ज्ञान होगा।

वहीं डॉ. भीमराव आंबेडकर का प्रसिद्ध कथन है कि- किसी समाज की प्रगति का आकलन उसकी महिलाओं की प्रगति से किया जाना चाहिए। महात्मा गांधी ने भी कहा था यदि आप एक पुरुष को शिक्षित करते हैं तो केवल एक व्यक्ति शिक्षित होता है, किंतु यदि आप एक स्त्री को शिक्षित करते हैं तो पूरा परिवार शिक्षित होता है। इसी प्रकार स्वामी विवेकानंद का मानना था कि जिस राष्ट्र ने अपनी स्त्रियों का सम्मान करना नहीं सीखा, वह कभी महान नहीं बन सकता। क्योंकि केवल विद्यालयों की संख्या बढ़ा देना पर्याप्त नहीं है; आवश्यक यह है कि बालिका शिक्षा को सामाजिक सम्मान, आर्थिक सुरक्षा और समान अवसरों से जोड़ा जाए। जब तक बेटी को परिवार की उत्तराधिकारी नहीं माना जाएगा, जब तक विवाह को आर्थिक लेन-देन का माध्यम समझा जाएगा, तब तक दहेज की मानसिकता समाप्त नहीं होगी।

विडंबना यह है कि एक ओर हम महिला सशक्तिकरण के नारे लगाते हैं, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान चलाते हैं, महिलाओं की उपलब्धियों पर गर्व करते हैं, दूसरी ओर कन्या के जन्म पर चिंता और विवाह के समय दहेज की चर्चा अभी भी अनेक घरों में सामान्य बात मानी जाती है। यह दोहरा सामाजिक चरित्र हमारी सबसे बड़ी चुनौती है। आज आवश्यकता केवल कानूनों की नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना की है। विद्यालयों में लैंगिक समानता के संस्कार, परिवारों में बेटियों के प्रति समान व्यवहार, महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता, दहेज लेने-देने वालों का सामाजिक बहिष्कार तथा पंचायत स्तर तक जनजागरण अभियान ही वास्तविक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। यदि हम सचमुच विकसित भारत का स्वप्न देखते हैं तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि बालिका शिक्षा, स्त्री सम्मान और दहेज उन्मूलन केवल महिला मुद्दे नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के प्रश्न हैं। जिस दिन हर बेटी निर्भय होकर शिक्षा प्राप्त करेगी, अपने जीवन के निर्णय स्वयं ले सकेगी और विवाह दहेज नहीं बल्कि समानता, सम्मान और प्रेम पर आधारित होगा, उसी दिन हम सच्चे अर्थों में आधुनिक, प्रगतिशील और सभ्य समाज कहलाने के अधिकारी होंगे।

सहजयोग की पहचानः साक्षी भाव और संयमित वाणी

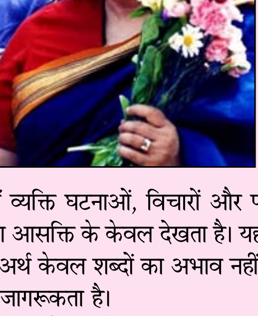

परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने 2 अप्रैल 1976 को दिल्ली में दिए गए अपने अमूल्य संदेश में सहज योगियों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर प्रकाश डाला–साक्षी भाव और जीभ पर नियंत्रण।

श्री माताजी ने कहा कि एक सहज योगी का जीवन साक्षी भाव की शक्ति से संचालित होना चाहिए। साक्षी भाव वह अवस्था है जहाँ व्यक्ति घटनाओं, विचारों और परिस्थितियों को बिना प्रतिक्रिया और बिना आसक्ति के केवल देखता है। यह शक्ति मौन में निवास करती है। मौन का अर्थ केवल शब्दों का अभाव नहीं, बल्कि मन की स्थिरता और आत्मा की जागरूकता है।

आज के युग में मनुष्य का अधिकांश समय बोलने, प्रतिक्रिया देने और अपने विचारों को व्यक्त करने में व्यतीत होता है। परन्तु श्री माताजी स्पष्ट रूप से बताती हैं कि अत्यधिक बोलना आध्यात्मिक प्रगति में बाधा बन सकता है। उन्होंने सहज योगियों को सलाह दी कि वे तभी बोलें जब वास्तव में आवश्यकता हो, और जब बोलें तो उनके शब्द कम, स्पष्ट तथा निर्णायक हों। श्री माताजी ने एक अत्यंत गहन सत्य बताया कि सभी इंद्रियों और अंगों में जीभ सबसे अधिक भटकाव में माहिर है। जीभ केवल बोलने का साधन नहीं है, बल्कि यह स्वाद, अभिव्यक्ति, आलोचना, प्रशंसा और अनेक प्रकार की प्रतिक्रियाओं का माध्यम भी है।

अक्सर मनुष्य अपनी वाणी के कारण विवादों में पड़ता है, संबंधों को क्षति पहुँचाता है और अपनी आंतरिक शांति को खो देता है। बिना सोचे-समझे बोले गए शब्द वर्षों तक पीड़ा का कारण बन सकते हैं। इसके विपरीत, नियंत्रित और जागरूक वाणी प्रेम, शांति और सामंजस्य का निर्माण करती है।

श्री माताजी का कथन है कि यदि कोई व्यक्ति अपनी जीभ पर महारत प्राप्त कर लेता है, तो वह अन्य सभी इंद्रियों और प्रवृत्तियों पर भी नियंत्रण स्थापित कर सकता है। इसका कारण यह है कि वाणी मन और अहंकार का प्रत्यक्ष प्रतिबिंब होती है। जब वाणी शुद्ध होती है, तब विचार भी शुद्ध होने लगते हैं।

श्री माताजी का यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना 1976 में था। साक्षी भाव और जीभ पर नियंत्रण, दोनों ही आत्म-साक्षात्कार के बाद के विकास के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। एक सहज योगी के लिए वास्तविक प्रगति केवल ध्यान में बैठने से नहीं, बल्कि अपनी वाणी, विचारों और प्रतिक्रियाओं को आत्मा के प्रकाश में परिवर्तित करने से होती है। जब शब्द कम होते हैं, तब आत्मा अधिक बोलती है। और जब साक्षी भाव स्थापित हो जाता है, तब जीवन सहज रूप से दिव्यता की ओर अग्रसर होने लगता है।

गरीब मरीज पूछ रहा है– क्या मेरा जीवन इतना सस्ता है?

स्वास्थ्य व्यवस्था की असली परीक्षा अस्पतालों की इमारतों से नहीं, मरीज को समय पर मिलने वाले उपचार से होती है। दुर्भाग्य से, देश की चिकित्सा व्यवस्था के सर्वोच्च प्रतीकों में गिने जाने वाले एम्स भी अब लंबी प्रतीक्षा की समस्या से जूझ रहे हैं। एम्स भोपाल में गैर-इमरजेंसी (रूटीन) केस में कई मरीजों को सीटी स्कैन या एमआरआई जैसी जरूरी जांच के लिए तीन-चार माह इंतजार करना पड़े, तो यह केवल संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि व्यवस्था की संवेदनहीनता का संकेत है। बीमारी न प्रशासनिक प्रक्रियाओं का इंतजार करती है, न सरकारी गति का; वह हर दिन गंभीर होती जाती है। ऐसे में 120 दिन बाद जांच की तारीख मिलना एक चिंताजनक प्रश्न खड़ा करता है–इसका बोझ आखिर कौन उठाएगा, मरीज, उसका परिवार या उसका जीवन?

एम्स भोपाल की लंबी वेटिंग लिस्ट अब केवल एक अस्पताल की समस्या नहीं, बल्कि सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था की पुरानी चुनौती का प्रतीक बन गई है। कम खर्च में बेहतर इलाज की उम्मीद लेकर आने वाले लाखों गरीब और मध्यमवर्गीय मरीजों के लिए सस्ता इलाज भी तब बेमानी हो जाता है, जब जरूरी जांच ही महीनों बाद उपलब्ध हो। पेट के असहनीय दर्द, कैंसर की आशंका, मस्तिष्क रोग या अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीज यदि केवल व्यवस्थागत कमी के कारण चार माह प्रतीक्षा करने को विवश हों, तो यह स्वास्थ्य सेवा नहीं, संवेदनहीनता है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि बीमारी किसी वेटिंग लिस्ट का इंतजार नहीं करती; वह लगातार बढ़ती जाती है और कई बार उपचार की संभावनाओं को भी सीमित कर देती है।

विडंबना यह है कि इस व्यवस्था का सबसे बड़ा बोझ उसी वर्ग पर पड़ रहा है, जिसके नाम पर राजनीति सबसे अधिक होती है। आर्थिक रूप से सक्षम व्यक्ति निजी अस्पताल में कुछ घंटों या दिनों में जांच करा लेता है, लेकिन मजदूर, किसान, छोटा व्यापारी और निम्न मध्यमवर्गीय परिवार के लिए यह विकल्प अक्सर पहुंच से बाहर होता है। ऐसे में उसके सामने दो ही रास्ते बचते हैं–कर्ज लेकर निजी जांच कराए या दर्द और आशंका के बीच सरकारी अस्पताल की लंबी प्रतीक्षा सहे। यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक असमानता का भी दर्पण है। स्वास्थ्य सुविधाएं आय से नहीं, आवश्यकता से तय होनी चाहिए, किंतु मौजूदा व्यवस्था में पैसे वालों को समय मिलता है और अभावग्रस्तों को इंतजार। लंबी वेटिंग लिस्ट वर्षों से बढ़ती मांग और अपर्याप्त संसाधन विस्तार की कीमत है। मरीजों का बोझ बढ़ता रहा, लेकिन डॉक्टरों, विशेषज्ञों और तकनीकी कर्मचारियों की संख्या लगभग वहीं ठहरी रही। कई सुपर-स्पेशियलिटी विभाग सीमित मानव संसाधनों पर निर्भर हैं, जबकि रेडियो डायग्नोसिस जैसे अहम विभाग पर्याप्त स्टाफ के अभाव में अपनी पूरी क्षमता से काम नहीं कर पा रहे। परिणाम सामने है–संसाधन मौजूद हैं, पर सेवाएं नहीं; मशीनें हैं, पर समय पर जांच नहीं। प्रश्न यह है कि जब बढ़ती जरूरतें वर्षों से दिखाई दे रही थीं, तब उनकी तैयारी क्यों नहीं की गई? आखिर किस स्तर की चूक ने देश के अग्रणी चिकित्सा संस्थानों को भी प्रतीक्षा के संकट में धकेल दिया?

जब राजनीति का केंद्र तात्कालिक लोकप्रियता बन जाए, तब अस्पतालों की जरूरतें अक्सर हाशिये पर चली जाती हैं। यही कारण है कि मुफ्त योजनाओं और लोकलुभावन घोषणाओं पर अरबों रुपये खर्च हो जाते हैं, लेकिन डॉक्टरों की भर्ती, नई मशीनों और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए संसाधनों का अभाव बताया जाता है। विडंबना यह है कि वोट के लिए खजाना खुल जाता है, पर जीवन बचाने के लिए बजट सीमित पड़ जाता है। वास्तविक जनकल्याण मुफ्त सुविधाएं बांटने में नहीं, बल्कि ऐसी स्वास्थ्य व्यवस्था खड़ी करने में है जहां किसी मरीज को जांच के लिए महीनों प्रतीक्षा न करनी पड़े। स्वास्थ्य और शिक्षा के बुनियादी ढांचे पर गंभीर निवेश ही देश की तस्वीर बदल सकता है।

अब जरूरत आश्वासनों नहीं, कार्रवाई की है। एम्स भोपाल में अतिरिक्त सीटी स्कैन और एमआरआई मशीनें लगाई जाएं तथा रेडियो डायग्नोसिस विभाग में विशेषज्ञ डॉक्टरों, तकनीशियनों और कर्मचारियों की भर्ती हो। उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए 24 घंटे शिफ्ट आधारित संचालन लागू किया जाए। आयुष्मान भारत के दायरे में सभी आवश्यक जांचें लाई जाएं और सार्वजनिक-निजी भागीदारी से सुविधाओं का विस्तार हो, बिना मरीजों पर अतिरिक्त बोझ डाले। साथ ही, डिजिटल अपॉइंटमेंट प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाया जाए। एम्स भोपाल की स्थिति को चेतावनी मानते हुए देशभर के सरकारी अस्पतालों में संसाधन और मानवबल बढ़ाना अनिवार्य है, ताकि मरीजों को इलाज मिले, इंतजार नहीं।

स्वास्थ्य व्यवस्था का बोझ केवल एम्स जैसे संस्थानों के भरोसे नहीं उठाया जा सकता। जब जिला अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त सुविधाएं नहीं होंगी, तो बड़े संस्थानों पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। इसलिए स्वास्थ्य शिक्षा, रोग-निवारण और प्रारंभिक जांच व्यवस्था को मजबूत करना उतना ही जरूरी है, जितना उपचार सुविधाओं का विस्तार। मेडिकल कॉलेजों में सीटें बढ़ाने, विशेषज्ञ डॉक्टर तैयार करने और ग्रामीण क्षेत्रों तक आधुनिक जांच सुविधाएं पहुंचाने पर भी समान ध्यान देना होगा। आखिर स्वास्थ्य व्यवस्था केवल भवनों से नहीं, बल्कि सक्षम मानव संसाधन और जवाबदेह प्रशासन से मजबूत बनती है।

स्वास्थ्य कोई दया या उपकार नहीं, बल्कि नागरिक का मौलिक अधिकार है। यदि किसी मरीज को अपनी बीमारी की सच्चाई जानने के लिए महीनों प्रतीक्षा करनी पड़े, तो यह व्यक्तिगत दुर्भाग्य नहीं, व्यवस्था की नाकामी है। एम्स भोपाल की चार माह लंबी जांच प्रतीक्षा सूची इसी विफलता का प्रतीक है। यह मौन संकट हजारों परिवारों की चिंता बढ़ा रहा है। सरकारों को याद रखना होगा कि अस्पतालों की कतारों में खड़े लोग आंकड़े नहीं, इंसान हैं। यदि स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं मिली, तो जनकल्याण के दावे अर्थहीन रह जाएंगे। आखिर सवाल यही है– क्या एक गरीब मरीज के लिए महीनों का इंतजार सामान्य हो गया है? क्योंकि जांच में हर देरी कई बार जीवन की संभावनाएं भी कम कर देती है। ऐसी व्यवस्था पर गर्व नहीं किया जा सकता, जहां बीमारी की रफ्तार उपचार से तेज हो।

–प्रो. आरके जैन

क्रेडिट स्कोर से परे, भारत के खुदरा ऋण बाजार में बड़ा बदलाव

इस समाचार पत्र में प्रकाशित खबरों के मुताबिक भारत का खुदरा ऋण बाजार महामारी के पश्चात एक महत्त्वपूर्ण बदलाव के दौर से गुजर रहा है। ट्रांसयूनियन क्रेडिट इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (इंडिया) लिमिटेड (सिबिल) द्वारा उद्धृत आंकड़ों के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में कुल ऋण बाजार में पहली बार कर्ज लेने वालों की हिस्सेदारी लगातार घट रही है। हालांकि नए उधारकर्ताओं की संख्या निरंतर बढ़ रही है लेकिन कुल ऋण बाजार कहीं तेजी से बढ़ रहा है।

जैसे-जैसे ऋणदाता जोखिम को लेकर संवेदनशील होते जा रहे हैं, औपचारिक ऋण तक पहुंच धीरे-धीरे उन ग्राहकों की ओर स्थानांतरित हो रही है जिनका पुनर्भुगतान का रिकॉर्ड और क्रेडिट स्कोर साबित है। इससे परिसंपत्ति गुणवत्ता को बेहतर रखने में मदद भी मिली है लेकिन पहली बार के उधारकर्ताओं की घटती हिस्सेदारी से औपचारिक ऋण समावेशन को लेकर चिंताएं उत्पन्न हो रही हैं।

संभावित उधारकर्ताओं का बड़ा हिस्सा अब भी औपचारिक ऋण तंत्र से बाहर है जिससे चुनौती और गंभीर हो जाती है। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के ग्रामीण आर्थिक स्थिति और भावना सर्वेक्षण के 11वें दौर में देखा गया कि लगभग 22 फीसदी ग्रामीण परिवार केवल अनौपचारिक ऋणदाताओं पर निर्भर हैं।

इसी तरह, नीति आयोग, ट्रांसयूनियन सिबिल और माइक्रोसेव कंसल्टिंग की हालिया रिपोर्ट में पाया गया कि वित्तीय समावेशन में उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद ऋण के लिए पात्र लगभग दो-तिहाई महिलाएं औपचारिक ऋण प्रणाली से बाहर हैं। भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, सर्वेक्षित सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) में से 17 फीसदी ने किसी भी प्रकार का ऋण नहीं लिया था जबकि 8 फीसदी अनौपचारिक स्रोतों पर निर्भर थे।

अनौपचारिक वित्त पर निर्भरता विशेष रूप से सूक्ष्म उद्यमों में अधिक स्पष्ट रही,जहां 12 फीसदी ने अनौपचारिक ऋणदाताओं से उधार लिया। भारत में औपचारिक ऋण तक पहुंच की इन खाइयों के साथ-साथ प्रवेश स्तर के उधार लेने की प्रकृति भी बदल रही है। परंपरागत रूप से, दोपहिया ऋण, कृषि ऋण और छोटे व्यक्तिगत ऋण जैसे उत्पाद औपचारिक वित्तीय प्रणाली में प्रवेश के द्वार का काम करते थे। आज टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं का वित्तपोषण खासकर मोबाइल फोन ऋण नये ऋण लेने वाले ग्राहकों यानी एनटीसी के लिए मुख्य प्रवेश बिंदु बनकर उभरा है।

ऋण देने में मौजूद कमियों को दूर करने के लिए ऋणदाताओं को यह पुनर्विचार करना होगा कि ऋण योग्यता का आकलन कैसे किया जाए। खासकर पहली बार ऋण लेने वालों के लिए। साल 2024 में राष्ट्रीय आर्थिक अनुसंधान ब्यूरो के एक अध्ययन में पाया गया कि डिजिटल लेनदेन से प्राप्त वैकल्पिक आंकड़े उन उधारकर्ताओं की ऋण योग्यता का अनुमान लगाने में प्रभावी हैं जिनका कोई ऋण इतिहास नहीं है। कई जगह डिजिटल लेनदेन का रिकॉर्ड होता है।

–सुनील कुमार महला

तृणमूल कांग्रेस में टूट और ममता की बढ़ती चिन्ताएं

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), जिसने पिछले डेढ़ दशक से बंगाल की राजनीति पर लगभग एकाधिकार स्थापित कर रखा था, आज आंतरिक असंतोष, नेतृत्व संबंधी प्रश्नों और जनविश्वास के संकट से जूझती दिखाई दे रही है। पार्टी के भीतर असंतुष्ट नेताओं और विधायकों की गतिविधियों ने यह संकेत दिया है कि संगठनात्मक एकता में दरारें उभर रही हैं। यह स्थिति केवल किसी एक राजनीतिक दल का संकट नहीं है, बल्कि लोकतंत्र में राजनीतिक मूल्यों, जनभावनाओं और नेतृत्व की भूमिका पर पुनर्विचार का अवसर भी है। राजनीति में इतिहास बार-बार यह प्रमाणित करता रहा है कि जब भी सत्ता के साथ अहंकार जुड़ता है, जनता अंततः उसका उत्तर देती है। लोकतंत्र में जनता ही अंतिम निर्णायक होती है। चाहे वह इंदिरा गांधी का आपातकाल हो, पश्चिम बंगाल में वामपंथी शासन या दिल्ली में आम आदमी पार्टी का अंत या फिर उत्तर प्रदेश एवं बिहार की अनेक राजनीतिक घटनाएँ-हर जगह जनता ने यह संदेश दिया है कि सत्ता जनता की सेवा के लिए है, शासन के अहंकार के लिए नहीं।

ममता बनर्जी को कभी संघर्षशील, जुझारू और जननेता के रूप में देखा जाता था। उन्होंने वामपंथी शासन के लंबे दौर को समाप्त कर बंगाल में परिवर्तन का नया अध्याय लिखा। किंतु समय के साथ उनकी राजनीति पर अहंकारवाद, व्यक्तिवाद और तुष्टिकरण के आरोप बढ़ते गए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पार्टी के भीतर निर्णय प्रक्रिया का अत्यधिक केंद्रीकरण और कुछ व्यक्तियों का बढ़ता प्रभाव अनेक वरिष्ठ नेताओं को असहज करता रहा है। यही कारण है कि समय-समय पर असंतोष के स्वर उभरते रहे हैं। राजनीतिक टिप्पणीकारों द्वारा प्रकाशित विश्लेषणों में भी यह प्रश्न उठाया गया है कि यदि किसी दल में संगठन से अधिक व्यक्ति महत्वपूर्ण हो जाए, तो वहां असंतोष स्वाभाविक रूप से जन्म लेता है। हाल के घटनाक्रमों ने इस आशंका को और बल दिया है। जिस प्रकार पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेता और विधायक नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं, उससे यह स्पष्ट होता है कि समस्या केवल व्यक्तियों की नहीं, बल्कि संगठनात्मक संस्कृति की भी है।

भारतीय राजनीति में हाल के वर्षों में आम आदमी पार्टी और उसके नेता अरविंद केजरीवाल का उदाहरण भी इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। वर्ष 2013 से लेकर 2024 तक दिल्ली की राजनीति में आम आदमी पार्टी ने अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की। भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से निकले केजरीवाल को जनता ने ईमानदार, पारदर्शी और वैकल्पिक राजनीति के प्रतीक के रूप में स्वीकार किया। लेकिन समय के साथ सत्ता का केंद्रीकरण, विरोधियों के प्रति असहिष्णुता, राजनीतिक अहंकार और स्वयं को अजेय मान लेने की प्रवृत्ति उनके नेतृत्व पर हावी होती दिखाई दी। जनता ने देखा कि जो दल कभी राजनीतिक शुचिता और नैतिकता की बात करता था, वह भी सत्ता के उसी मोह और व्यक्तिकेंद्रित राजनीति का शिकार होता जा रहा है, जिसके विरुद्ध उसने संघर्ष प्रारम्भ किया था। परिणामस्वरूप दिल्ली की राजनीति में उसका प्रभाव कमजोर हुआ और जनता ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि लोकतंत्र में कोई भी नेता अथवा दल जनता से बड़ा नहीं होता। यह घटना इस सत्य को पुनः स्थापित करती है कि जनता लंबे समय तक अहंकार, अतिशयोक्ति और आत्ममुग्धता को स्वीकार नहीं करती।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के समक्ष खड़ी चुनौतियों को भी इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है। जब किसी दल का नेतृत्व स्वयं को संगठन और जनता से ऊपर मानने लगता है, तब असंतोष जन्म लेता है, कार्यकर्ता दूर होने लगते हैं और अंततः राजनीतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। इतिहास बताता है कि लोकतंत्र में विनम्रता, संवाद, जनभावनाओं का सम्मान और राष्ट्रहित के प्रति प्रतिबद्धता ही स्थायी राजनीतिक सफलता की कुंजी हैं। किसी भी लोकतांत्रिक दल की शक्ति उसके विचार, संगठन और कार्यकर्ताओं में होती है, न कि केवल एक नेता में। जब दल विचारधारा की बजाय व्यक्तिपूजा पर आधारित होने लगते हैं, तब उनका संकट निश्चित हो जाता है। भारतीय राजनीति में अनेक उदाहरण हैं जहाँ परिवारवाद ने दलों की जड़ों को कमजोर किया। महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विभाजन के पीछे भी नेतृत्व और उत्तराधिकार से जुड़े प्रश्न महत्वपूर्ण रहे। बंगाल में भी इसी प्रकार की चर्चाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। तृणमूल कांग्रेस के सामने दूसरा बड़ा संकट उसकी सार्वजनिक छवि का है। शिक्षक भर्ती, नगर निकायों तथा अन्य प्रशासनिक मामलों से जुड़े विवादों ने जनता के मन में अनेक प्रश्न खड़े किए हैं। किसी भी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी जनता का विश्वास होता है। यदि जनता को यह महसूस होने लगे कि शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही कम हो रही है, तो राजनीतिक नुकसान होना स्वाभाविक है।

इसके साथ ही पश्चिम बंगाल में लंबे समय से चल रही पहचान, नागरिकता, सीमा सुरक्षा और अवैध घुसपैठ से जुड़ी बहसों ने भी राजनीतिक वातावरण को प्रभावित किया है। भारतीय जनता पार्टी ने इन मुद्दों को राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक अस्मिता के प्रश्न के रूप में प्रस्तुत किया। भाजपा का तर्क रहा है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि होना चाहिए और किसी भी प्रकार की तुष्टिकरण की राजनीति अंततः समाज को विभाजित करती है। यही कारण है कि बंगाल में भाजपा ने अपनी राजनीतिक रणनीति को राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक पहचान और सुशासन के मुद्दों पर केंद्रित किया। भाजपा की बंगाल यात्रा भी अपने आप में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक अध्ययन का विषय है। कभी केवल दो सीटों तक सीमित रहने वाली पार्टी आज राज्य की सत्ता शक्ति बन चुकी है। यह परिवर्तन अचानक नहीं हुआ। इसके पीछे वर्षों का संगठनात्मक विस्तार, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं का निर्माण, राष्ट्रीय नेतृत्व की सक्रियता तथा स्थानीय मुद्दों को राष्ट्रीय विमर्श से जोड़ने की रणनीति रही है। भाजपा ने बंगाल में यह संदेश देने का प्रयास किया कि वह केवल एक राजनीतिक विकल्प नहीं, बल्कि वैचारिक विकल्प भी है। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि केवल राष्ट्रवाद या धार्मिक पहचान के आधार पर किसी दल की स्थायी सफलता सुनिश्चित नहीं होती। लोकतंत्र में जनता विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा भी चाहती है। इसलिए किसी भी राजनीतिक दल के लिए आवश्यक है कि वह राष्ट्रीय भावना के साथ-साथ जनकल्याणकारी नीतियों को भी प्राथमिकता दे।

राष्ट्र और राजनीति का संबंध अत्यंत गहरा है। कोई भी राजनीतिक दल तभी दीर्घकालिक सफलता प्राप्त कर सकता है जब वह राष्ट्रहित, संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनभावनाओं के प्रति प्रतिबद्ध रहे। यदि कोई दल ऐसे तत्वों का समर्थन करता हुआ दिखाई देता है जो राष्ट्रीय एकता के विरुद्ध हों, तो जनता धीरे-धीरे उससे दूरी बनाने लगती है। भारत की लोकतांत्रिक चेतना इतनी परिपक्व हो चुकी है कि वह अंततः राष्ट्रहित और जनहित के बीच संतुलन स्थापित करने वाले नेतृत्व को ही स्वीकार करती है। पश्चिम बंगाल का वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य इसी सत्य की पुष्टि करता है। तृणमूल कांग्रेस के सामने चुनौती केवल बगावत या संगठनात्मक असंतोष नहीं है, बल्कि जनता के विश्वास को पुनः अर्जित करने की भी है। यदि पार्टी आत्ममंथन करती है, संगठन को लोकतांत्रिक बनाती है, पारदर्शिता बढ़ाती है और जनभावनाओं को समझने का प्रयास करती है, तो वह अपनी स्थिति को पुनः मजबूत कर सकती है। लेकिन यदि अहंकार, व्यक्तिवाद और तुष्टिकरण की राजनीति जारी रहती है, तो संकट और गहरा सकता है। यही लोकतंत्र का शाश्वत सत्य है और यही पश्चिम बंगाल की वर्तमान राजनीति का सबसे बड़ा सबक भी। लोकतंत्र का सबसे बड़ा संदेश यही है कि सत्ता स्थायी नहीं होती, किंतु मूल्य स्थायी होते हैं। राजनीतिक दल आते-जाते रहते हैं, लेकिन जनता की अपेक्षाएँ और राष्ट्र की आवश्यकताएँ हमेशा बनी रहती हैं। जो दल इन अपेक्षाओं को समझते हैं, वे इतिहास बनाते हैं और जो इन्हें अनदेखा करते हैं, वे इतिहास बन जाते हैं। आज बंगाल की राजनीति एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि तृणमूल कांग्रेस आत्मसुधार का मार्ग चुनती है या राजनीतिक पतन की ओर बढ़ती है।

–ललित गर्ग

मांग पर नियंत्रण और खपत में संतुलन की जरूरत

पश्चिम एशिया संकट भारत की अर्थव्यवस्था को कई तरह से प्रभावित कर रहा है। ऊर्जा जिंसों खासतौर पर कच्चे तेल की कीमतों पर इसका सबसे अधिक असर हुआ है। फरवरी के अंत में जंग छिड़ने के ?बाद से अब तक कच्चे तेल की कीमतें 60 फीसदी बढ़ चुकी हैं। कमी के बावजूद तेल और तेल उत्पाद देश की कुल ऊर्जा आपूर्ति में 25 फीसदी के हिस्सेदार हैं। तेल आयात पर देश की बढ़ती निर्भरता हमें खासतौर पर संवेदनशील बनाती है। हमारी घरेलू तेल जरूरतों का 85 फीसदी आयात किया जाता है।

हम कच्चे तेल का आयात करते हैं और उसका कुछ हिस्सा परिशोधित पेट्रोलियम उत्पाद के रूप में निर्यात करते हैं। चूंकि आयात का आकार और लागत पेट्रोलियम निर्यात से बहुत अधिक है इसलिए तेल व्यापार निरंतर घाटे में रहता है। वित्त वर्ष 26 में यह घाटा 120 अरब डॉलर रहा। आमतौर पर जब कच्चे तेल की कीमतें गिरती हैं तो भारत का तेल व्यापार घाटा कम होता है। परंतु पिछले दो वित्त वर्षों यानी 2024-25 और 2025-26 में यह रिश्ता टूट गया।

सस्ते कच्चे तेल के बावजूद (वित्त वर्ष 24 में 83 डॉलर प्रति बैरल से घटकर वित्त वर्ष 26 में 70.3 डॉलर प्रति बैरल) भारत का तेल व्यापार घाटा 27 फीसदी बढ़कर 94.5 अरब डॉलर से 120 अरब डॉलर हो गया क्योंकि पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात घट गया।

वैश्विक तेल की मांग कमजोर होने के तीन मुख्य कारण थे। महामारी के बाद अचानक गतिशीलता में आई तेजी का कम होना, औद्योगिक वृद्धि की सुस्ती, और इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में वृद्धि।

भारत में रुझान इसके विपरीत रहा। देश की तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के कारण कच्चे तेल का आयात लगातार बढ़ता रहा। आश्चर्य नहीं कि 2024 के बाद के दो वित्त वर्षों में तेल भारत के वस्तु व्यापार घाटे का सबसे बड़ा योगदानकर्ता रहा है। चिंताजनक बात यह है कि वर्तमान में कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी लंबे समय तक बनी रह सकती है।

कच्चे तेल के बाजार एक बड़े आपूर्ति तंगी का सामना कर रहे हैं, क्योंकि होर्मुज स्ट्रेट बंद है और पश्चिम एशिया में तेल उत्पादन केंद्र क्षतिग्रस्त हो गए हैं। भले ही होर्मुज स्ट्रेट से आवागमन बेहतर हो जाए लेकिन पश्चिम एशिया संघर्ष से नष्ट हुए उत्पादन तंत्र को सामान्य होने में समय लगेगा। क्रिसिल का अनुमान है कि इस वित्त वर्ष में ब्रेंट क्रूड की औसत कीमत 90-95 डॉलर प्रति बैरल रहेगी, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 70.3 डॉलर प्रति बैरल थी। परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 27 में भारत का तेल व्यापार घाटा और भी बढ़ने वाला है।

बढ़ता हुआ तेल व्यापार घाटा, अन्य कारकों के साथ मिलकर, इस वित्त वर्ष भारत के चालू खाते के घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 2.2 फीसदी तक पहुंचा देगा जो पिछले वित्त वर्ष के लगभग 0.8 फीसदी से तेज उछाल है। इसके साथ ही, पूंजी प्रवाह कमजोर रहने के आसार हैं। जैसा कि पिछले दो वित्तीय वर्षों में हुआ। इसका अर्थ है कि रुपये और विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव ऊंचा बना रहेगा।

आईईए ने कहा है कि पूर्वानुमान अवधि यानी 2024 से 2030 के बीच में भारत की कच्चे तेल की मांग प्रतिदिन 10 लाख बैरल तक बढ़ेगी। किसी भी देश के लिए यह अब तक की सबसे बड़ी वृद्धि है। इसका कारण तेज शहरीकरण, अपेक्षाकृत मजबूत औद्योगिक वृद्धि और उभरता हुआ परिवहन क्षेत्र है। दूसरी ओर वैश्विक मांग धीमी बनी रहने की संभावना है और 2030 में तो इसमें कमी आ सकती है।

वर्तमान मुश्किलों से निपटने के लिए सरकार मितव्ययिता उपायों और नैतिक आग्रह के माध्यम से प्रबंधन करने की कोशिश कर रही है। उदाहरण के लिए घर से काम को बढ़ावा देना। हाल तक तेल विपणन कंपनियां और सरकार ऊंचे तेल मूल्यों का बोझ खुद उठा रही थीं। अब यह धीरे-धीरे अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचाया जा रहा है। मांग को नियंत्रित करने के लिए हाल ही में पेट्रोल और डीजल की कीमतें पंप पर बढ़ा दी गईं। आपूर्ति के मामले में, कच्चा तेल वैकल्पिक स्रोतों से कुशल कूटनीति के जरिए खरीदा जा रहा है। रूसी तेल पर से प्रतिबंध हटना भी मददगार है। मध्यम से दीर्घकाल में मांग को नियंत्रित करने के लिए आपूर्ति का विविधीकरण जारी रहना चाहिए और रणनीतिक भंडार को मजबूत करना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा के दौरान इस दिशा में कई ऐतिहासिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इनमें से एक समझौता इंडियन स्ट्रटीजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड और अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी के बीच रणनीतिक सहयोग समझौता है जिसका उद्देश्य भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना है।

उपलब्ध घरेलू ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को प्राथमिकता देना ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। विशेषकर भू-राजनीतिक अस्थिरता के समय। आयात पर निर्भरता कम करने के लिए तेल खनन की दिशा में भी ठोस प्रयास आवश्यक हैं। सरकार ने इस दिशा में कदम बढ़ाए हैं। हाल ही में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस उत्पादन पर रॉयल्टी दरों में कमी घरेलू खोज को प्रोत्साहित करने और निवेश में सुधार दिखाई देने के उद्देश्य से की गई है। समुद्र मंथन कार्यक्रम का लक्ष्य गहरे समुद्र में तेल, गैस और अहम खनिजों की खोज करना है। इन पहलों को आगे बढ़ाना होगा। लेकिन इनकी परिपक्वता अवधि लंबी होती है और इनमें अनिश्चितताएं भी होती हैं। इसलिए साथ ही साथ कच्चे तेल पर आयात निर्भरता कम करने के लिए अतिरिक्त और अधिक निश्चित रास्ते भी खोजने होंगे।

हाल ही में घोषित 100 फीसदी एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य उसी दिशा में एक कदम है। बेहतर और व्यापक ईवी अधोसंरचना विकसित करने पर अधिक ध्यान देना, साथ ही सार्वजनिक परिवहन (हाई-स्पीड रेल, मेट्रो नेटवर्क आदि) में अधिक निवेश करना भी वांछनीय है। भारत में कोयला प्राथमिक ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत है और इस पर आयात निर्भरता कम है, क्योंकि घरेलू उत्पादन मांग का 70 फीसदी से अधिक पूरा करता है।

–धनंजय राजौरा

दुर्गायज्ञ की पूर्णाहुति पर मानवता का महायज्ञः पासलोद में 31वां रक्तदान शिविर, 19 रक्तवीरों ने किया रक्तदान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम पासलोद में श्री आंजना ग्रुप उज्जैन द्वारा आयोजित पंचदिवसीय दुर्गायज्ञ के अवसर पर पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे के साथ 31वें रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। धार्मिक आस्था और मानव सेवा के इस अनूठे संगम में 19 रक्तवीरों ने रक्तदान कर जरूरतमंदों के जीवन बचाने का संकल्प निभाया।

आयोजन लगातार तीसरे वर्ष दिव्य कथा वाचक ज्ञानेश्वरी जी एवं सुमेर सिंह जी के सान्निध्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर ग्राम पासलोद, कलालखेड़ी तथा आसपास के ग्रामीणों के सहयोग से कार्यक्रम को सफल बनाया गया।

रक्तदान करने वालों में परशराम (कलालखेड़ी), कुशल सिंह (गुरला), गोविंद चौहान (बदनावर), शिवपाल सिंह पवार (पासलोद), गोपाल आंजना (आलोट जागीर), जितेंद्र प्रजापत (पासलोद), हर्षवर्धन शर्मा (खाचरोद), विष्णुपाल सिंह (मालाखेड़ी), श्यामलाल पाटीदार (कलालखेड़ी), गौतम विश्वास (पासलोद), नागेश्वरदास (दुपाहेड़ा), भेरूलाल जी (पासलोद), शुभम जेसवाल (पासलोद), चमनलाल पाटीदार (कलालखेड़ी), सुरेश पांचाल (उन्हेल), श्रीराम परमार, सुमेर सिंह (पासलोद), हलकार सिंह (सगपाली) एवं कृष्णकांत शर्मा (सगपाली) शामिल रहे।

श्री आंजना ग्रुप उज्जैन के सक्रिय सदस्य गोपालजी आंजना (आलोट जागीर) पूरे शिविर के दौरान व्यवस्थाओं में जुटे रहे। वहीं दुर्गाभक्त मंडल एवं समस्त आयोजनकर्ताओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विशेष बात यह रही कि श्री आंजना ग्रुप उज्जैन के माध्यम से अब तक 1,935 यूनिट रक्तदान कराया जा चुका है। संस्था भविष्य में भी जरूरतमंदों की सहायता के लिए इसी तरह सेवा कार्य जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

रक्त संग्रहण का कार्य चरक भवन ब्लड सेंटर की टीम द्वारा किया गया। संगीता मैडम, प्राची मैडम एवं उनकी टीम ने शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। शिविर में एकत्रित रक्त का उपयोग थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों, गर्भवती महिलाओं तथा आपातकालीन मरीजों के उपचार में किया जाएगा।

इस संबंध में जानकारी अर्जुन आंजना द्वारा दी गई।

31 शिविर, 1935 यूनिट रक्तदान श्री आंजना ग्रुप उज्जैन द्वारा आयोजित 31वें रक्तदान शिविर तक कुल 1,935 यूनिट रक्त संग्रहित किया जा चुका है। संस्था धार्मिक आयोजनों के साथ सामाजिक सरोकारों को जोड़ते हुए रक्तदान के प्रति जनजागरण का कार्य भी कर रही है।

डांसी रोड की पुलिया बनी हादसों का स्पॉट, जानलेवा गड्ढे से राहगीर हो रहे लहूलुहान

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में जिम्मेदारों की लापरवाही आमजन की जान पर भारी पड़ रही है। वार्ड क्रमांक 5 स्थित डासी रोड पर श्री सिद्धिविनायक गणेश मंदिर के समीप नाले की पुलिया पर उभरा एक विशाल गड्ढा अब हादसों को खुला न्योता दे रहा है। बीच सड़क पर मुंह बाए खड़े इस गहरे गड्ढे के कारण राहगीर लगातार दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं, जिसके चलते स्थानीय रहवासियों में प्रशासन की कार्यप्रणाली के खिलाफ आक्रोश नजर आ रहा है। रहवासियों का कहना है कि उक्त खतरनाक पुलिया से गुजरना अब जान जोखिम में डालने के बराबर हो गया है। रात के समय पैदल गुजर रहा एक युवक भी इस गड्ढे में गिरकर बुरी तरह चोटिल हो गया। इससे तीन दिन पहले ही शाहरुख नामक एक वाहन चालक का पहिया इसमें धंस गया था, जिससे उनके हाथ में गंभीर चोट आई थी। स्थानीय लोगों की मानें तो यह गड्ढा काफी समय से जस का तस बना हुआ है, लेकिन अब इसकी स्थिति बेहद जानलेवा हो चुकी है और यह हर समय एक बड़े हादसे को आमंत्रित कर रहा है।

बारिश में छिप जाता है गड्ढा, बढ़ जाता है खतरा- क्षेत्रवासियों ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि बारिश के दिनों में नाले का पानी सड़क पर आ जाने के कारण यह गड्ढा पूरी तरह अदृश्य हो जाता है। ऐसे में रोजाना यहां से निकलने वाले स्कूली बच्चों और बुजुर्गों के इसमें गिरने का खतरा सबसे अधिक रहता है। लोगों ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि किसी बड़ी जनहानि या अप्रिय घटना को रोकने के लिए इस पुलिया की तुरंत मरम्मत कर इसे सुरक्षित बनाया जाए।

इनका कहना है- सुरक्षा के मद्देनजर फिलहाल गड्ढे की मरम्मत कराई जा रही है। साथ ही भविष्य में पूरी पुलिया को तोड़कर इसका नया और मजबूत निर्माण कराया जाएगा, ताकि क्षेत्रवासियों को इस जानलेवा समस्या से स्थायी निजात मिल सके।

-भूपेंद्र दीक्षित, सीएमओ नगरपालिका शाजापुर।

पौधारोपण और दैनिक जरूरतों को सीमित करने से सुधरेगा पर्यावरण- प्रो. बर्फा

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बी.के.एस.एन. शासकीय महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस इकाई, इको क्लब और एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण और स्वच्छता श्रमदान किया गया। महाविद्यालय परिसर में अर्जुन, जामुन, नीम, कोनोकार्पस, आम के पौधे रोपित किए गए। इस मौके पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.एस.के. तिवारी ने संबोधित करते हुए कहा कि पौधारोपण करने से ही अपना का काम पूरा नहीं होता है, बल्कि उस पौधे को सींचना भी जरूरी है। कार्यक्रम के संयोजक और राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. प्रकाश बर्फा ने कहा कि पौधारोपण व अपनी दैनिक जरूरतों को सीमित करने से ही पर्यावरण सुधरेगा। इको क्लब प्रभारी डॉ. आर. सी. चौहान ने बताया कि यह अभियान पर्यावरण दिवस से योग दिवस तक सतत जारी रहेगा, इसके अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आयोजित होगी। पौधारोपण के पश्चात महाविद्यालय परिसर में सभी ने प्लास्टिक पोलिथिन बीनकर स्वच्छता श्रमदान किया। कार्यक्रम में एनसीसी अधिकारी डॉ. वी पी मीणा, डॉ. अनिता यादव, डॉ. अरूण कुमार बोडाने, डॉ. बी. के. सोलंकी, डॉ. बी.एल मालवीय, डॉ. डी आर. राठौर, प्रो. अभिषेक पाटीदार, प्रो. प्रिया जोशी, प्रो. ज्योति मंडलोई, प्रो. प्रतिका परमार, डॉ. दिलीप माहेश्वरी, डॉ. शिवराजसिंह राठौर, डॉ. उपाध्याय, सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर गायत्री परिवार का स्वच्छता अभियान

टेकरी स्थित शीलनाथ धूनी गुफा परिसर के आस पास चलाया स्वच्छता अभियान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में देशभर में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में कहीं पर्यावरण संरक्षण के कार्य, तो कहीं स्वच्छता अभियान के माध्यम से पर्यावरण के प्रति आम लोगों को जागरूक करने का प्रयास लगातार किया जा रहा है, इसी कड़ी में विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को गायत्री शक्तिपीठ की टीम द्वारा शीलनाथ धूनी गुफा परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसमें बड़ी मात्रा में पॉलिथीन, पानी की बोतल, प्लास्टिक थैलियां आदि कचरा इकट्ठा करके डस्टबिन में डाला गया।

गायत्री परिवार के मीडिया प्रभारी विक्रमसिंह चौधरी ने बताया कि 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर गायत्री शक्तिपीठ की टीम द्वारा गायत्री शक्तिपीठ से टेकरी तक एक रैली निकालकर पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पर्यावरण संबंधित नारे भी लगाए गए। गायत्री शक्तिपीठ के योग प्रशिक्षक देवकरण कुमावत एवं योग प्रशिक्षिका मंजू पटेल के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसमें गायत्री शक्तिपीठ योग टीम का विशेष सहयोग रहा। देवास तहसील समन्वयक कांतिलाल पटेल एवं जिला समिति के अरविन्द शर्मा ने सभी से अपील कर हमारे सामाजिक व धार्मिक संस्थान, नदी, तालाबों पर भी नियमित स्वच्छता अभियान चलते रहना चाहिए जिससे स्वच्छता बनी रहें। स्वच्छता अभियान के दौरान जिला संयोजक बाबूलाल खंडेलवाल एवं युवा प्रकोष्ठ जिला समन्वयक प्रमोद निहाले ने लोगों से अपील की हैं कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है, क्योंकि पर्यावरण से ही हमारा जीवन है। आगामी वर्षा ऋतु के मौसम में हम सब अधिक से अधिक पौधे लगाकर मां वसुंधरा को हरी चादर ओढ़ाए क्योंकि मां वसुंधरा को पेड़ पौधों की बहुत आवश्यकता है। आज तापमान 42 डिग्री हम सब सहन कर चुके है। हमें पर्यावरण संरक्षण करना है तो प्रत्येक व्यक्ति को वर्षा ऋतु के मौसम में कम से कम 11 पौधे अनिवार्य रूप से लगाने चाहिए। गायत्री परिवार द्वारा जिले में पांच हजार पौधें लगाने की कार्य योजना बनाई गई जिसकी शुरुआत गुरु पूर्णिमा से की जाएंगी। इस अभियान के तहत लोगों के जन्मदिवस, पूर्वजों की स्मृति में पौधे रोपने की शानदार योजना जिला समिति की ओर से बनाई गई । कार्यक्रम में मोहनलाल सोनी, बाबूलाल चौहान, अन्नू पटेल, महेन्द्र राठौर, अजयसिंह चौधरी, वैष्णवी, दीक्षा रावत, मुनीश नामदेव, इन्द्रजीत शर्मा, अनन्या, पारी, काजू , रितिका सहित अनेक परिजन उपस्थित थे। इसी प्रकार गायत्री प्रज्ञापीठ विजय नगर पर भी 05 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रज्ञापीठ के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी राजेन्द्र पोरवाल के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान चलाकर पौधारोपण किया गया जिसमें विजेन्द्रसिंह बेस, प्रदीप दुबे, अरूणेंद्र सोनी, सतीश शर्मा, मंजुला सोनी, राजू चौहान सहित गायत्री परिजन उपस्थित थे।

बाइकों की सीधी भिड़ंत मेंएक ही परिवार के 4 लोग घायल

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तेज रफ्तार और लापरवाही ने एक बार फिर शाजापुर के नेशनल हाईवे-52 पर एक हंसते-खेलते परिवार के सफर को हादसे में तब्दील कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे की है। एक परिवार बाइक पर सवार होकर मक्सी से गुना की तरफ जा रहा था। जैसे ही वे बिजाना जोड़ के पास पहुंचा, सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयानक था कि बाइक सवार चारों लोग छिटक कर सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में घायल हुए लोगों की पहचान अमरसिंह पिता सुंदरलाल, कलाबाई पति अमरसिंह, आयुष पिता अमर सिंह, रवीना पति लखन के रूप में हुई है।

बुनियादी समस्याओं को लेकर सड़क पर उतरे राज कॉलोनी के रहवासी, सीहोर-शुजालपुर मार्ग पर किया चक्काजाम

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर की राज कॉलोनी के रहवासियों का गुस्सा अपनी अनसुनी समस्याओं को लेकर आखिरकार फूट पड़ा। क्षेत्र में व्याप्त विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर रहवासियों ने एकजुट होकर सीहोर-शुजालपुर मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। अचानक हुए इस विरोध प्रदर्शन के चलते मुख्य मार्ग पर यातायात पूरी तरह से ठप हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राज कॉलोनी के नागरिक लंबे समय से अपनी समस्याओं को लेकर परेशान थे। उचित सुनवाई न होने से नाराज होकर बड़ी संख्या में रहवासी शुक्रवार को सड़क पर उतर आए और आवागमन रोक दिया। सीहोर-शुजालपुर जैसे व्यस्त मार्ग पर जाम लगने के कारण कुछ ही देर में सड़क के दोनों ओर छोटे-बड़े वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। इसके चलते राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। मुख्य मार्ग पर चक्काजाम की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन में हड़कंप मच गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए तत्काल कालापीपल थाना पुलिस और तहसीलदार दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने बीच सड़क पर प्रदर्शन कर रहे आक्रोशित रहवासियों से संवाद स्थापित किया और उनकी परेशानियां सुनीं। रहवासियों ने अधिकारियों को अपनी समस्याओं से विस्तार से अवगत कराया। इस पर कालापीपल तहसीलदार ने प्रदर्शनकारियों को उनकी समस्याओं के जल्द और उचित निराकरण का ठोस आश्वासन दिया। प्रशासन द्वारा भरोसा दिलाए जाने के बाद रहवासियों का गुस्सा शांत हुआ और उन्होंने स्वेच्छा से अपना प्रदर्शन समाप्त कर दिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर हरित संकल्पः फंदा टोल प्लाजा पर वृक्षारोपण, सड़क सुरक्षा जागरूकता के साथ बांटे फलदार पौधे

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर डीबीसीपीएल (वर्टिस फाउंडेशन) की CSR टीम द्वारा फंदा टोल प्लाजा पर पर्यावरण संरक्षण, जलवायु संतुलन एवं हरित भविष्य के संकल्प के साथ वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का भाव विकसित करना था।

इस अवसर पर टोल प्लाजा परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। साथ ही सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रश्नोत्तरी सत्र का आयोजन भी किया गया। यातायात नियमों से संबंधित प्रश्नों के सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को आम, मुसम्मी और जामुन जैसे फलदार पौधे उपहार स्वरूप प्रदान किए गए। इस अभिनव पहल ने पर्यावरण संरक्षण और सड़क सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों को एक मंच पर जोड़ने का कार्य किया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में ही सहायक नहीं होते, बल्कि स्वच्छ व स्वस्थ भविष्य की मजबूत नींव भी रखते हैं। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच प्रत्येक व्यक्ति का पौधारोपण और उनके संरक्षण में योगदान अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम ने उपस्थित जनसमुदाय को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर सड़क रखरखाव अधिकारी श्री नितिन अग्रवाल, श्री राजेन्द्र सोलंकी, प्लाजा मैनेजर श्री दिनेश पाटिल, श्री रत्नेश कुमार सिंह, श्री हर्षित विश्वकर्मा, छ्स्ऋ टीम के सदस्य एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

एक पौधा प्रकृति के नाम - सड़क सुरक्षा का संदेश, हरियाली का संकल्प और पर्यावरण संरक्षण का अभियान बना विश्व पर्यावरण दिवस का मुख्य आकर्षण।

जैविक खेती से बढ़ेगी आय, बचेगा स्वास्थ्य और सुधरेगी मिट्टीः कलेक्टर ऋतुराज सिंह

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दृष्टि योजना अंतर्गत पंख कार्यक्रम के तहत स्वयंसेवी संस्थाओं की जिला स्तरीय बैठक जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने की। बैठक में पर्यावरण, जल संरक्षण, जैविक एवं प्राकृतिक कृषि, नशामुक्ति, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन, महिला सशक्तिकरण, रोजगार और नागरिक कर्तव्यों से जुड़े विषयों पर कार्य कर रही स्वयंसेवी संस्थाओं की भूमिका और कार्यों के विस्तार पर चर्चा की गई। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत ज्योति शर्मा, डीएफओ अमित सिंह, जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक शिवप्रसाद मालवीय, जिला समन्वयक डॉ. सुप्रीति यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने जन अभियान परिषद की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि परिषद का जनसंवाद और ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच अत्यंत प्रभावी है। इसके माध्यम से समाज में व्यापक बदलाव लाने वाले कार्य किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में परिषद अच्छा कार्य कर रही है, लेकिन सुनियोजित प्रयासों से इसकी उपयोगिता और बढ़ाई जा सकती है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2026 को 'कृषि वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है। इसके तहत किसानों को रासायनिक खेती छोड़कर जैविक खेती अपनाने के लिए विशेष रूप से प्रेरित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेतों में यूरिया और रासायनिक उर्वरकों का बढ़ता उपयोग मिट्टी और मानव स्वास्थ्य दोनों के लिए चिंता का विषय है। किसानों को जैविक खेती के लाभ समझाकर उन्हें इस दिशा में आगे बढ़ाना आवश्यक है।

कलेक्टर ने सुझाव दिया कि जिन किसानों के पास अधिक भूमि है, वे शुरुआत में अपनी कुछ जमीन पर जैविक खेती अपनाएं और धीरे-धीरे इसका दायरा बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि जैविक उत्पादों की बाजार में बेहतर कीमत मिलती है, जिससे किसानों की आय में भी वृद्धि होती है। जन अभियान परिषद के सदस्य गांव-गांव पहुंचकर किसानों को रासायनिक खेती के दुष्प्रभाव और जैविक खेती के लाभों की जानकारी दें।

बैठक में नरवाई प्रबंधन पर भी विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर ने कहा कि किसानों को खेतों में नरवाई नहीं जलाने के लिए प्रेरित किया जाए, क्योंकि इससे मिट्टी के आवश्यक पोषक तत्व और लाभकारी जीव नष्ट हो जाते हैं। उन्होंने किसानों को शासन की सब्सिडी योजना का लाभ लेकर नरवाई प्रबंधन उपकरण खरीदने के लिए प्रोत्साहित करने की बात कही।

पर्यावरण संरक्षण के विषय में उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु में व्यापक स्तर पर पौधारोपण किया जाए तथा पौधों की देखरेख सुनिश्चित की जाए। पौधारोपण के बाद उसकी जानकारी और फोटो संबंधित पोर्टल पर अपलोड करने के भी निर्देश दिए।

कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने कुपोषण उन्मूलन को सामाजिक अभियान बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि प्रस्फुटन समिति की महिलाएं घर-घर जाकर माताओं को बच्चों के सही पोषण के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि बच्चों को जंक फूड की बजाय पौष्टिक और घर का बना भोजन देने की आदत विकसित करना जरूरी है, ताकि कुपोषण की समस्या को प्रभावी ढंग से रोका जा सके। साथ ही समिति की महिलाओं को सरकारी स्कूलों में जाकर बच्चों को स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जानकारी देने के लिए भी प्रेरित किया।

जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक शिवप्रसाद मालवीय ने बताया कि प्रदेशव्यापी 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के तहत जिले में जल स्त्रोतों के संरक्षण, संवर्धन और पुनर्जीवन के कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिले में परिषद से जुड़ी 172 संस्थाएं सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। आगामी वर्षा ऋतु में बड़े स्तर पर पौधारोपण के लिए ग्राम स्तर पर नर्सरियां तैयार की जा रही हैं, जिससे पौधों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। साथ ही उन्होंने पंख कार्यक्रम के उद्देश्यों और गतिविधियों की भी जानकारी दी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर देवास में एकेवीएन पार्क में हुआ वृहद पौधारोपण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन के निर्देशानुसार विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर देवास में औद्योगिक क्षेत्र स्थित एकेवीएन पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और धरती को हरा-भरा बनाने के संकल्प के साथ आयोजित कार्यक्रम में जिले के जनप्रितिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और सामाजिक संस्थाओं, नागरिकगणों ने सहभागीता कर पौधा रोपण किया। सभी ने पार्क परिसर में विभिन्न प्रजातियों के छायादार और फलदार पौधों का रोपण किया। कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने कहा कि पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण के लिए विभिन्न कार्य किये जा रहे हैं। हम सभी को अपने जीवन के विशेष अवसरों पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। केवल पौधा लगाना ही काफी नहीं है, बल्कि उसके बड़ा होने तक उसकी पूर्ण रूप से देखभाल और सुरक्षा करनी चाहिए।

महिला समूहों को सिखाए गए दीपक, गणेश प्रतिमा, राखी, मोमेंटो सहित कई आकर्षक उत्पाद बनाने के गुर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निदेशक आरसेटी देवास ने बताया कि मध्य प्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा महिला समूहों को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्टार ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) देवास द्वारा छह दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। महिला समूहों द्वारा संचालित गौशालाओं की महिलाओं को गाय के गोबर से विभिन्न उपयोगी एवं आकर्षक उत्पाद बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने किया पौधारोपण, नौकरी से हटाने की धमकी पर अपर मिशन संचालक की सीएम से शिकायत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पर्यावरण दिवस पर जिले के संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने जहां एक ओर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया, वहीं दूसरी ओर अपने हक की लड़ाई लड़ते हुए हड़ताल स्थल से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) भोपाल के अपर मिशन संचालक के खिलाफ मुख्यमंत्री को शिकायत भी भेजी। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा शुक्रवार को एक विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कर्मचारियों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे और उनके संरक्षण व संवर्धन का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मौजूद कर्मचारियों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। वृक्षारोपण न केवल पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में सहायक है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है। पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान सभी ने अधिक से अधिक पेड़ लगाने तथा आमजन को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन रोपे गए पौधों की नियमित देखभाल की शपथ के साथ हुआ।

अपर मिशन संचालक के तानाशाही रवैये से रोष, सीएम को किया ईमेल

एक तरफ कर्मचारी सामाजिक सरोकार निभा रहे हैं, तो दूसरी तरफ अपनी मांगों को लेकर उनका आंदोलन भी जारी है। हड़ताल स्थल से ही संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने एनएचएम भोपाल में कार्यरत अपर मिशन संचालक की कार्यप्रणाली को लेकर मुख्यमंत्री को ईमेल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई है। कर्मचारियों ने बताया कि गत दिवस आयोजित एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में अपर मिशन संचालक द्वारा संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से नौकरी से हटाने की धमकी दी गई थी। अधिकारियों के इस रवैये से कर्मचारियों में भारी आक्रोश है। इससे नाराज होकर प्रदेश संगठन के आह्वान पर मुख्यमंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायत भेजकर मामले में हस्तक्षेप और उचित कार्रवाई की मांग की गई है।

बदनावर में हाईटेक चोरी, मोबाइल जेब में रहा और शातिर ठगों ने साफ कर दिए दो बैंक खाते

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र में सक्रिय साइबर अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि अब वे आम उपभोक्ताओं के साथ-साथ व्यापारियों को भी सीधे निशाना बना रहे हैं। आधुनिक सुरक्षा दावों को धत्ता बताते हुए शातिर ठगों ने बिना किसी ओटीपी या पिन के ही एक व्यवसायी के दो अलग-अलग बैंक खातों में सेंध लगा दी। ताजा मामला बदनावर नगर का है, जहाँ एक स्थानीय प्रतिष्ठित व्यवसायी ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हो गया। अज्ञात बदमाशों ने फरियादी के दो अलग-अलग खातों से महज 30 मिनट के भीतर 1,93,332 की मोटी रकम पार कर दी। पीड़ित ने शुक्रवार को बदनावर थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देकर एफआईआर दर्ज करने और मामले की त्वरित तकनीकी जांच करने की मांग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह पूरी घटना बदनावर निवासी व्यवसायी आशीष बोकाडिया के साथ बीती 4 जून 2026 को घटित हुई। दोपहर करीब 1:00 से 1:30 बजे के बीच, जब हर कोई अपने दैनिक कार्यों में व्यस्त था, तब अज्ञात साइबर ठगों ने उनके यूपीआई से जुड़े दो अलग-अलग बैंक खातों को हैक कर लिया। ठगों ने इतनी सफाई से हाथ साफ किया कि दोनों ही खातों से बराबर-बराबर की रकम उड़ाई गई। अपराधियों ने पहले बैंक ऑफ इंडिया के खाते में सेंध लगाकर 96,666 ट्रांसफर किए और इसके तुरंत बाद IDFC फर्स्ट बैंक के खाते से भी 96,666 की राशि अवैध रूप से उड़ा ली।

आमतौर पर साइबर ठगी के मामलों में पीड़ित के पास कोई फर्जी फोन कॉल आता है या वे किसी संदिग्ध लिंक पर क्लिक कर देते हैं, लेकिन इस मामले ने पुलिस और बैंकिंग विशेषज्ञों को भी चौंका दिया है। बोकाडिया ने बताया यह पूरा लेन-देन मेरी सहमति, जानकारी या अनुमति के बिना हुआ है। मैंने न तो स्वयं कोई ट्रांजैक्शन किया था और न ही किसी भी अज्ञात व्यक्ति को अपना यूपीआई पिन, ओटीपी, पासवर्ड या अन्य कोई गोपनीय बैंकिंग जानकारी साझा की थी। मोबाइल पर लगातार पैसे कटने के मैसेज देखकर मेरे होश उड़ गए। ठगी का अहसास होते ही बोकड़िया ने तुरंत तत्परता दिखाई और संबंधित दोनों बैंकों के कस्टमर केयर से संपर्क कर खातों और यूपीआई आईडी को ब्लॉक करवाया। हालांकि, बैंकों को तुरंत सूचना देने के बावजूद अब तक उनकी गाढ़ी कमाई की राशि वापस प्राप्त नहीं हो सकी है।

शुक्रवार को बदनावर थाने पहुंचे पीड़ित व्यवसायी ने पुलिस को सौंपे आवेदन में अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की गंभीर व संज्ञेय धाराओं के तहत मामला दर्ज करने का आग्रह किया है। इसके साथ ही पीड़ित ने पुलिस से मांग की है कि जिस भी यूपीआई आईडी या बैंक खाते में यह राशि ट्रांसफर हुई है, उसे तत्काल प्रभाव से फ्रीज कराया जाए। संबंधित बैंकों और हक्क्ष्ट्ठ से आधिकारिक जानकारी जुटाकर मनी ट्रेल का पता लगाया जाए, जिससे यह साफ हो सके कि पैसा किस शहर या किस अपराधी के खाते में गया है।

किसानों को पारदर्शी और सुगमता से खाद वितरण सुनिश्चित करें - कलेक्टर

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने इछावर में सहकारी बैंक एवं सहकारी समिति का निरीक्षण कर किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं तथा खाद वितरण व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बैंक परिसर में उपस्थित किसानों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को किसानों को नियमानुसार एवं पारदर्शिता के साथ सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

सहकारी समिति के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने ई-विकास पोर्टल के माध्यम से संचालित खाद वितरण प्रणाली की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को निर्धारित नियमों के अनुसार ही खाद का वितरण सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों से जुड़ी योजनाओं और सुविधाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने खाद के उपलब्ध स्टॉक का भौतिक सत्यापन भी किया तथा गोदाम का निरीक्षण कर भंडारण व्यवस्था देखी। उन्होंने निर्देश दिए कि ई-विकास पोर्टल पर दर्ज खाद स्टॉक एवं गोदाम में उपलब्ध वास्तविक स्टॉक के बीच किसी प्रकार का अंतर नहीं होना चाहिए। स्टॉक प्रबंधन में पूर्ण सटीकता बनाए रखने तथा नियमित रूप से रिकॉर्ड को अद्यतन करने के निर्देश भी उन्होंने अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने किसानों को ई-टोकन जारी करने की संपूर्ण प्रक्रिया को देखा और समझा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को ई-टोकन प्रणाली की विस्तृत जानकारी दी जाये, जिससे उन्हें खाद प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा वितरण प्रक्रिया व्यवस्थित और पारदर्शी बन सके।

भारतीय जनता पार्टी उन्हेल मंडल की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी उन्हेल मंडल की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई इस अवसर पर मंडल सह प्रभारी रितु जी पाटीदार नगर परिषद उपाध्यक्ष अखिलेश उपाध्याय मंडल उपाध्यक्ष मनोज मोदी मंडल उपाध्यक्ष नंदकिशोर नंदेड़ा मंडल उपाध्यक्ष महेश बैरागी मंडल मंत्री कैलाश मोडावत सरवन सिंह पासलोद पवन सांखला संचालन मंडल महामंत्री तेजू लाल जटिया ने किया आभार महामंत्री रामेश्वर जी आंजना ने माना इस बैठक के पश्चात भूतेश्वर छोटे तालाब पर वृक्षारोपण भी किया गया इस अवसर पर सुनील यति सरवन सिंह जी डोडिया और भारतीय जनता पार्टी के ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण एवं जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों का अवलोकन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर परिषद बदनावर द्वारा एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत फिल्टर प्लांट एवं रामसेतु डैम परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती प्रियंका मिमरोट, तहसीलदार श्री सुरेश नागर, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती मीना शेखर यादव, मंडल अध्यक्ष श्री मनीष गुर्जर, नगर परिषद उपाध्यक्ष श्री राजेंद्र सिंह पंवार, पार्षदगण, एल्डरमेन, जनप्रतिनिधि, पत्रकारगण, अधिकारी-कर्मचारी तथा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती प्रियंका मिमरोट द्वारा उपस्थित सभी जनों को पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन की शपथ दिलाई गई तथा अधिक से अधिक पौधारोपण कर उनकी देखभाल करने का संदेश दिया गया।

इसके पश्चात जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत चल रहे जल संरक्षण एवं गहरीकरण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण एवं अवलोकन किया गया। अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने जल स्त्रोतों के संरक्षण, वर्षा जल संचयन तथा भूजल स्तर बढ़ाने हेतु किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की तथा अभियान को जनभागीदारी के साथ सफल बनाने का आह्वान किया।

नगर परिषद द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र के विस्तार एवं जल संसाधनों के संवर्धन के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना रहा।

एक पेड़ मां के नाम अभियान

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा शासकीय महाविद्यालय बदनावर परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया जिसमें भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष मनीष गुर्जर भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला महामंत्री कन्हैया लाल गुर्जर भाजपा नेता राजेंद्र सराफ पिछड़ा मोर्चा मंडल अध्यक्ष प्रदीप पवार नगर मंडल महामंत्री संतोष राव एल्डरमैन मितेश शर्मा दिलीप सिंह जी चौहान सुनील परमार अमित गांधी पवन चावला पंकज जयसवालएवं पिछड़ा मोर्चा कार्यकर्ता एवं स्टाफ उपस्थित था जानकारी पिछड़ा मोर्चा महामंत्री यश यादव द्वारा दी गई।

स्वच्छता का संकल्प लेकर पौधारोपण किया

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आलोट नगर स्थित आज विश्व पर्यावरण दिवस पर श्री महावीर विद्यालय आलोट में शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने प्रतीकात्मक रुप से स्वच्छता कर अपने पर्यावरण को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्रों ने शिक्षकों के साथ मिलकर वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य के साथ नगर परिषद दल भी स्वच्छता संदेश देने पधारें।इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य मनोज शर्मा, शिक्षक शिक्षिकाएं नवीन खेतरा ,वीरेंद्र सिंह पंवार,सत्यनारायण शर्मा, प्रेमनारायण गायरी , लता शर्मा, वीणा गानू, पंकज शर्मा के के कलसई,दशरथ शर्मा , समस्त स्टाफ एवं कार्यकर्ता गण मौजूद थे।

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के विद्यार्थियों ने कुंदा नदी तट पर चलाया स्वच्छता अभियान

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरगोन की राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्स्स्) इकाई द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं जल संकट के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 'जल चेतना परिक्रमा' एवं पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जी.एस. चौहान के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्राध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं ने कुंदा नदी के तट पर 'जल चेतना परिक्रमा' करते हुए साफ-सफाई अभियान चलाया। इस पहल का उद्देश्य आम नागरिकों एवं युवाओं को जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन (वाटर हार्वेस्टिंग) तथा जल स्रोतों को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करना रहा। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. जी.एस. चौहान ने कहा कि जल ही जीवन का आधार है और निमाड़ अंचल में बढ़ते जल संकट को देखते हुए जल चेतना समय की आवश्यकता है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ऐतिहासिक पहल

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत भगवानपुरा क्षेत्र की प्राचीन बावड़ी पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बावड़ी पूजन, श्रमदान के माध्यम से साफ-सफाई, पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत उपस्थित जनसमुदाय द्वारा बावड़ी परिसर में श्रमदान कर गहन स्वच्छता अभियान चलाया गया। साथ ही जल स्त्रोतों के संरक्षण को लेकर जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से दीपदान का आयोजन किया गया, जिसमें शाम के समय आटे से बने जैविक दीपों का दान करने तथा प्लास्टिक एवं थर्माकोल के द्रोण का उपयोग न करने का आह्वान किया गया।

पूजन के दौरान उपस्थित सभी नागरिकों को बावड़ी को स्वच्छ रखने, उसमें कचरा न फेंकने एवं जल स्त्रोतों के संरक्षण का सामूहिक संकल्प दिलाया गया। वक्ताओं ने कहा कि ÷श्रमदान से की गई सफाई ही वास्तविक सेवा है÷ और इसे एक प्रेरक संदेश के रूप में व्यापक जनप्रसार-प्रचार किया जाना चाहिए।

कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्य श्री प्रकाश सोलंकी, जनपद अध्यक्ष श्री महेंद्र किराड़े, उपाध्यक्ष श्री संदीप राठौर, पूर्व विधायक श्री जमनासिंह सोलंकी, सामाजिक कार्यकर्ता श्री चंद्ररसिंह वास्कले, मंडल अध्यक्ष श्री महेश डावर, श्री राहुल गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में नागरिकों की सहभागिता रही। सभी ने पौधारोपण कर स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के माध्यम से जल, पर्यावरण और प्रकृति संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुँचाते हुए सामूहिक जिम्मेदारी का भाव जागृत किया गया।

महांकाल इलेवन बालोदा ने प्रथम एग्रो को हराकर फाइनल मुकाबला जीता

पूर्व मंत्री दत्तीगांव ने कहा प्रतियोगिता ही प्रतियोगियों को उभारने का काम करती है

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के शासकीय नंदराम चौपड़ा विद्यालय खेल मैदान पर पूर्व विधायक स्व. प्रेमसिंह दत्तीगांव की स्मृति में आयोजित रात्रिकालीन क्रिकेट टूर्नामेंट ÷दत्तीगांव ट्रॉफी 2026÷ का गुरुवार रात रोमांचक फाइनल मुकाबले के साथ भव्य समापन हुआ। फाइनल मैच देखने के लिए मैदान के चारों ओर बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमियों की भीड़ उमड़ी। दर्शकों ने पूरे उत्साह के साथ खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया, वहीं जीत के बाद मैदान आतिशबाजी और जश्न से गूंज उठा।

फाइनल मुकाबला महांकाल इलेवन बालोदा और प्रथम एग्रो एजेंसी बदनावर के बीच खेला गया। मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव तथा वरिष्ठ भाजपा नेता सुभाषचंद्र धोका की उपस्थिति में मैच का टॉस हुआ। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए महांकाल इलेवन बालोदा ने निर्धारित 10 ओवर में 4 विकेट खोकर 156 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी प्रथम एग्रो एजेंसी बदनावर की टीम 10 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 113 रन ही बना सकी। इस प्रकार महांकाल इलेवन बालोदा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबला अपने नाम कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव रहे, जबकि अध्यक्षता वरिष्ठ भाजपा नेता सुभाषचंद्र धोका ने की। विशेष अतिथि के रूप में रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी अंबालाल रवाला तिरला, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रेमचंद परमार एवं सुनील मोदी, पूर्व विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र सराफ, पूर्व जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र जाट व धर्मेंद्र शर्मा, नगर मंडल अध्यक्ष मनीष गुर्जर, नगर परिषद उपाध्यक्ष राजेंद्रसिंह पंवार, नजमुद्दीन बोहरा, प्रजेंद्र भट्ट, प्रवीण चालवा, अक्षय शर्मा, विजयसिंह पंवार, विवेक पाटीदार, रामचंद्र वर्मा, मीतेश शर्मा, भूपेंद्र सिंह मस्ताना व कपिल नाहर सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

यूथ स्पोर्ट्स क्लब अध्यक्ष संतोष राव, आयोजन समिति के पंकज ठाकुर, विजय गोयल, चेतन प्रजापत, संदीप पाटीदार, राजा माली, बलदेव गुर्जर, हेमराज भाटी सहित अन्य सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर क्षेत्र की प्रतिभावान कबड्डी खिलाड़ियों साक्षी राजावत, कशिश प्रजापत, वेदिका पाटीदार, प्रिया पाटीदार, अन्वेशा सेन, मधु सिर्वी एवं आकांक्षा गामड़ का भी सम्मान किया गया।

टूर्नामेंट में विजेता रही महांकाल इलेवन बालोदा को 51 हजार 151 रुपये नकद एवं शील्ड, उपविजेता प्रथम एग्रो एजेंसी बदनावर को 31 हजार रुपये नकद एवं शील्ड तथा तीसरे स्थान पर रही मिक्स इलेवन को 15 हजार 555 रुपये नकद एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया।व्यक्तिगत पुरस्कारों में जयदीपसिंह पंवार (कुन्ना) को मैन ऑफ द सीरीज, देवेंद्र व्यास को बेस्ट बल्लेबाज, रॉकी सक्सेना को बेस्ट गेंदबाज तथा विजय गोयल को बेस्ट कीपर एवं फील्डर के पुरस्कार से नवाजा गया।

समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री दत्तीगांव ने कहा कि खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए अगले वर्ष टूर्नामेंट का आयोजन और भी बड़े स्तर पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नंदराम चौपड़ा खेल मैदान का विस्तार कराने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

दत्तीगांव ने कहा कि ग्रामीण अंचलों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। गांवों में ऐसे अनेक खिलाड़ी हैं, जिनमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने की क्षमता है, लेकिन उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए उचित मंच और अवसर की आवश्यकता होती है। खेल प्रतियोगिताएं युवाओं की प्रतिभा को निखारने और उन्हें आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। प्रतियोगिता ही प्रतियोगियों को उभारने का काम करती है। जब खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा का माहौल मिलता है तो उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है, अनुशासन विकसित होता है और बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। खेल केवल जीत-हार का नाम नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का भी माध्यम है।

भाजपा नेता धोका ने कहा कि युवाओं को खेलों से जोड़ना समय की आवश्यकता है। खेल गतिविधियों से युवाओं की ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लगती है और वे नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहते हैं। कार्यक्रम का संचालन कमेटी के मनोज सोलंकी ने किया, जबकि आभार आयोजन समिति की ओर से मनीष गुर्जर ने माना।

विश्व पर्यावरण दिवस एवं 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान

खरगोन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पर्यावरण दिवस एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत खरगोन शहर से लगभग 07 किलोमीटर दूर जनपद पंचायत गोगावां की ग्राम पंचायत मेहरजा स्थित निधिवन परिसर में भव्य पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण में वृद्धि तथा जनसहभागिता के माध्यम से प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का भाव विकसित करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान 300 पौधों का रोपण किया गया, जिनमें त्रिवेणी (पीपल, बरगद एवं नीम) के साथ-साथ जामुन, अमरूद, कचनार एवं अन्य उपयोगी व फलदार प्रजातियां शामिल रहीं। सभी उपस्थितजनों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ व सुरक्षित वातावरण के निर्माण का संकल्प लिया।

उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत मेहरजा के निधिवन परिसर में पूर्व वर्षों में लगभग 30 हजार पौधों का रोपण कर एक आकर्षक हरित उद्यान विकसित किया गया है। यहां सुंदर हरियाली, लैंडस्केपिंग, प्रतिमाएं, तालाब, बोटिंग सुविधा, ट्रैकिंग पथ एवं ओपन जिम जैसी व्यवस्थाएं विकसित की गई हैं, जिससे शहरी एवं ग्रामीण नागरिकों, महिलाओं एवं बच्चों को भ्रमण, योग, व्यायाम एवं मनोरंजन की बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 1,000 से अधिक ग्रामीणजन, महिला स्व-सहायता समूहों के सदस्य, शासकीय कर्मचारी एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल हुए। सभी ने पूर्व से रोपित पौधों की साफ-सफाई हेतु श्रमदान किया तथा उनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया।

इस अवसर पर विधायक श्री बालकृष्ण पाटीदार ने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल एवं सुरक्षा भी आवश्यक है। बढ़ते प्रदूषण के दौर में प्रत्येक नागरिक को पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी निभानी होगी।

कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस पर 05 जून को सांकेतिक रूप से पौधरोपण किया गया है, जबकि यह अभियान आगामी तीन माह तक जिलेभर में व्यापक स्तर पर संचालित किया जाएगा। उन्होंने अधिकाधिक पौधरोपण, हरित आवरण बढ़ाने तथा फलदार पौधों के माध्यम से किसानों की आय वृद्धि के प्रयासों की जानकारी दी। साथ ही आजीविका मिशन से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूहों को पौध उत्पादन, रोपण एवं संरक्षण से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की बात कही।

अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री राजेश शाक्य ने 05 जून से 21 जून तक संचालित होने वाले जन-जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण अभियानों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने पौधारोपण, जल संरक्षण, स्वच्छता, योग एवं जनभागीदारी आधारित गतिविधियों में सभी से सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत अंकुर अभियान के तहत वायुदूत एप पर पौधारोपण का पंजीयन कर पौधों के साथ फोटो अपलोड की गई। सभी नागरिकों को अधिक से अधिक पौधारोपण कर अभियान से जुड़ने तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के समापन पर पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन एवं हरित विकास का सामूहिक संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनूबाई तंवर, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री बापू सिंह परिहार, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती छाया जोशी, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री भोलू कर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मिलिंद कुमार नागदेवे, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री राजेश शाक्य, जनपद पंचायत गोगावां की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री शिवानी वर्मा, ग्राम पंचायत मेहरजा सरपंच श्रीमती ज्योतिबाई सोलंकी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ भाजपा सादलपुर मंडल ने नवासा में किया सघन पौधारोपण

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पर्यावरण दिवस के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी सादलपुर मंडल द्वारा ग्राम नवासा में एक विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान भाजपा पदाधिकारियों और निष्ठावान कार्यकर्ताओं ने प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए विभिन्न प्रजातियों के फलदार और छायादार पौधे रोपे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनों ने न केवल पौधारोपण किया, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करने का सामूहिक संकल्प भी लिया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्रीमती रोमा मंडलोई ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का वास्तविक आधार हैं। आज जिस तरह से ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरण असंतुलन बढ़ रहा है, उसे देखते हुए हमें अपनी धरती को बचाना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने और हमारी आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ व स्वस्थ वातावरण सौंपने के लिए हम सभी को अधिक से अधिक संख्या में पौधारोपण करना होगा।

सादलपुर मंडल अध्यक्ष आशीष जैन ने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि अक्सर देखा जाता है कि लोग पौधे तो लगा देते हैं, लेकिन बाद में उनकी सुध नहीं लेते। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि लगाए गए प्रत्येक पौधे के पूर्ण रूप से बड़े होने तक उसके संरक्षण और सिंचाई की जिम्मेदारी भी पूरी निष्ठा से निभाएं। कार्यक्रम का सफल संचालन चंदरसिंह डोड ने किया तथा अंत में सभी का आभार नंदराम मुल्थनिया ने व्यक्त किया। इस गरिमामयी अवसर पर क्षेत्र के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से रवि पाटीदार, राकेश चौहान, विष्णु सिंह ठाकुर, चत्तरसिंह बिजूर, आशीष रघुवंशी, नरेश सिसोदिया, मनोहरसिंह, दिलीप पटेल, सतीश यादव, सोहन बिल्लोरे, विक्रम पटेल, मोहन जुगाड़, दिनेश पाटीदार, विक्रम वास्केल, सोहन मालवीय, मोहन चौहान एवं जयराम कोट सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता व ग्रामीणजन उपस्थित थे।

औद्योगिक विकास के साथ पर्यावरण और श्रमिक सुरक्षा सर्वोपरि - केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर

विश्व पर्यावरण दिवस पर केंद्रीय मंत्री व सांसद सावित्री ठाकुर ने न्यू ज़ील फैशन वियर का किया दौरा, परिसर में किया पौधारोपण

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पर्यावरण दिवस के विशेष अवसर पर भारत सरकार की केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री तथा धार लोकसभा क्षेत्र की नव-निर्वाचित सांसद श्रीमती सावित्री ठाकुर ने स्थानीय औद्योगिक इकाई न्यू ज़ील फैशन वियर प्राइवेट लिमिटेड बदनावर का विस्तृत दौरा किया। इस दौरान उन्होंने औद्योगिक विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और श्रमिक कल्याण को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। केंद्रीय मंत्री ने कंपनी परिसर में सघन पौधारोपण कर हरित संदेश दिया और उपस्थित प्रबंधन व श्रमिकों से आह्वान किया कि वे न केवल पौधे लगाएं, बल्कि एक अभिभावक की तरह उनकी देखभाल करने का भी संकल्प लें।

केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर के इस गरिमामयी दौरे की शुरुआत पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ हुई। उन्होंने कंपनी परिसर के निर्धारित क्षेत्र में औषधीय और छायादार पौधे रोपे। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संतुलन आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण देना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। औद्योगिक प्रगति के साथ-साथ प्रकृति का संरक्षण ही वास्तविक और सतत विकास है।

पौधारोपण कार्यक्रम के पश्चात मंत्री महोदया ने फैक्ट्री के भीतर जाकर विभिन्न उत्पादन विभागों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने न्यू ज़ील फैशन वियर में अपनाई जा रही आधुनिक जापानी व वैश्विक तकनीकों, उच्च स्तरीय उत्पादन प्रक्रिया और सख्त गुणवत्ता नियंत्रण व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली। कपड़ों के निर्माण से लेकर उनकी फिनिशिंग और पैकेजिंग तक की हाईटेक कार्यप्रणाली को देखकर उन्होंने कंपनी प्रबंधन के प्रयासों की मुक्तकंठ से सराहना की।

निरीक्षण के दौरान केंद्रीय मंत्री का एक बेहद संवेदनशील और आत्मीय रूप भी देखने को मिला। वे स्वयं उत्पादन इकाइयों में काम कर रहे महिला एवं पुरुष कर्मचारियों के बीच पहुँचीं और उनसे सीधा संवाद स्थापित किया। श्रीमती ठाकुर ने कर्मचारियों से उनके काम के घंटे, कार्यस्थल पर मिलने वाली बुनियादी सुविधाओं, स्वास्थ्य लाभ और उनकी आवश्यकताओं के बारे में विस्तार से चर्चा की। देश की केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री को अपने बेहद करीब पाकर कर्मचारियों, विशेषकर महिला श्रमिकों ने अत्यंत उत्साह के साथ अपने अनुभव साझा किए। मंत्री महोदया ने उनकी बातों को गंभीरता से सुना और उनकी कार्यकुशलता की प्रशंसा की।

कर्मचारियों के हितों के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाते हुए केंद्रीय मंत्री ने फैक्ट्री में लागू श्रमिक सुरक्षा व्यवस्था की विशेष रूप से समीक्षा की। उन्होंने कार्यस्थल पर मौजूद सुरक्षा उपकरणों, आधुनिक फायर सेफ्टी सिस्टम, आपातकालीन निकास द्वारों तथा अन्य सुरक्षा मानकों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। प्रबंधन को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा किसी भी उद्योग की वास्तविक प्रगति और सफलता की नींव उसकी मशीनों पर नहीं, बल्कि वहां काम करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा, सम्मान और उनके कल्याण पर टिकी होती है। श्रमिकों के हितों से कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

दौरे के अंतिम चरण में श्रीमती सावित्री ठाकुर ने कंपनी के वर्तमान विकास मॉडल और भविष्य की विस्तार योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि न्यू ज़ील फैशन वियर जैसी इकाइयां मालवा-निमाड़ क्षेत्र में न केवल स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन कर रही हैं, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर महिला सशक्तिकरण के विजन को भी धरातल पर साकार कर रही हैं। क्षेत्र की आर्थिक प्रगति और सामाजिक सुदृढ़ता में ऐसे उद्योगों का योगदान सराहनीय है।

इस विशेष दौरे के दौरान कंपनी के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, विभिन्न विभागों के प्रमुख, तकनीकी विशेषज्ञ तथा भारी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान परिसर में भारी उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का माहौल देखा गया। अंत में कंपनी प्रबंधन ने मंत्री महोदया का आभार व्यक्त किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान का शुभारंभ, देवझिरीपण्डा में हुआ वृहद पौधारोपण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया की अध्यक्षता में ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत ग्राम पंचायत देवझिरीपण्डा स्थित वन विभाग के कक्ष क्रमांक 408 में वृहद पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि प्रत्येक वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस से पौधारोपण अभियान की शुरुआत की जाती है और बड़ी संख्या में पौधे लगाए जाते हैं, किन्तु आज विश्व ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रकृति के साथ किए गए अनावश्यक हस्तक्षेप का परिणाम आज जलवायु परिवर्तन, घटते वन क्षेत्र और पर्यावरणीय असंतुलन के रूप में सामने आ रहा है। जहां कभी घने जंगल हुआ करते थे, वहां आज बंजर भूमि दिखाई देने लगी है।

उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वज हमें समृद्ध प्राकृतिक विरासत सौंपकर गए हैं और इसे संरक्षित रखना हमारी जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में प्रारंभ किए गए ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के माध्यम से केवल पौधारोपण ही नहीं, बल्कि पौधों को वृक्ष के रूप में विकसित करना भी हमारा सामूहिक दायित्व है। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि बेंगलुरु में वर्षों पुराने वृक्ष आज भी सुरक्षित हैं, जो वहां के नागरिकों की पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी को दर्शाता है। उन्होंने सभी से 21 जून तक निरंतर पौधारोपण करने, पौधों का संरक्षण करने तथा उन्हें विकसित करने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने पिछले वर्षों में लगाए गए महुआ पौधों की मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक आयोजन नहीं बल्कि पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेने का अवसर है। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन, वर्षा में अनियमितता, प्लास्टिक प्रदूषण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की चुनौतियां तथा जल संकट जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री द्वारा प्रारंभ किया गया ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान धरती माता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का माध्यम है।

कलेक्टर ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा अभियान के सफल संचालन के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं तथा सभी विभागों को लक्ष्य निर्धारित कर जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। उन्होंने बताया कि देवझिरीपण्डा में ही लगभग 5 हजार पौधे लगाए जाएंगे तथा 21 जून तक जिले में एक लाख पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पौधारोपण एवं उसके संरक्षण की मॉनिटरिंग 'मेरी लाइफ' एप के माध्यम से की जाएगी।

विश्व पर्यावरण दिवस व कृषि आदान विक्रेताओं को एक वर्षीय देसी डिप्लोमा सर्टिफिकेट का वितरण

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पर्यावरण दिवस पर कृषि विज्ञान केन्द्र के सभाकक्ष मे कृषि आदान विक्रेताओं को एक वर्षीय देसी डिप्लोमा सर्टिफिकेट का वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस सर्टिफिकेट वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद प्रतिनिधि श्री वासुदेव मुकाती एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री नंदकिशौर नागौर जनपद प्रतिनिधि, विशेष अतिथि के रूप में श्री सिंगारे, सहायक संचालक (कृषि) एवं आत्मा विभाग से उपपरियोजना अधिकारी श्रीमती रूपरेशम अवासे सम्मिलित हुए। कार्यक्रम आरंभ में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सभी वक्ताओं द्वारा वर्तमान में पर्यावरण की स्थिति विषय पर अपनी बात रखते हुए एक-एक पौधा आज अवश्य रोपित करने के साथ पर्यावरण को स्वस्छ बनाने की शपथ ली । इस अवसर पर केन्द्र के प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख व सर्टिफिकेट कोर्स के फेसिलीटेटर डॉ. एस.के. बड़ोदिया, द्वारा सभी आगन्तुको को एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स की सम्पर्ण रूपरेखा, समय-सारणी तथा कोर्स में सम्मिलित किये गये विषयों की जानकारी दी । इस अवसर पर डॉ. बड़ोदिया ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रति गुरूवार को 48 सप्ताह तक निरंतर आयोजित किया गया । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थीयों को कृषि से संबधित सभी विधाओं जैसे कीट रोग प्रबंधन, बीजोपचार, उद्यानिकी फसलो की खेती, समस्त प्रमुख फसलों में कीट-रोग व्याधि प्रबंधन आदि कई विषय में कृषि विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की गयी तथा अंत में परीक्षा आयोजित कर मूल्यांकन किया गया। इस अवसर पर सहायक संचालक-कृषि श्री सिंगारे ने कहा कि कृषक अपनी कृषि से संबधित समस्याओं के हल हेतु कृषि वैज्ञानिक/कृषि अधिकारी व अपने निकटस्थ आदान विक्रेताओं के पास जाता है तथा उनसे कीट रोग, फसल किस्म आदि की जानकारी प्राप्त करता है इसलिये उक्त एक वर्षीय डिप्लोमों कोर्स बहुत लाभदायक सिद्ध होगा।

थाना गरोठ पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा जप्त कर दी आरोपी को पकड़ा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा के अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले वालो के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने हेतु जिले के सभी थाना प्रभारियों को आदेशित किया गया । जिसके पालन मे श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गरोठ श्रीमति हेमलता कुरील, एसडीओपी गरोठ विजय कुमार यादव के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी गरोठ उनि बलवीरसिंह यादव के कुशल निर्देशन मे दिये गये दिशा निर्देशों का पालन करते हुए सउनि धन्नालाल योगी व उनकी टीम द्वारा 20.860 किलोग्राम किमती 41000 रूपये सहित 02 आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

घटना अनुसार 05 जून को प्राप्त मुखबीर सूचना प्राप्त हुई की दो व्यक्ति जिसमें से एक व्यक्ति ने चौकडी वाली शर्ट तथा ब्लैक पेंट पहने है जिसकी पीठ पर नीले रंग का कम्पनी का बैग लटका है तथा उत्कर्ष क्लासेस का काले व लाल रंग का बैग हाथ मे लेकर तथा दुसरा व्यक्ति जिसने सफेद रंग की शर्ट तथा ब्ल्यू रंग का जींस पहने है । जिसकी पीठ पर काले रंग का कम्पनी का बैग लटका है तथा लिखा काले रंग का बैग हाथ मे लेकर फुलखेडा की तरफ रेल्वे स्टेशन गरोठ के पास खडे जिनके बैगों मे अवैध मादक पदार्थ डोडाचुरा है। मुखबीर सूचना पर कार्यवाही करते हुए फुलखेडा की तरफ रेल्वे स्टेशन गरोठ के पास से आरोपी श्रवणराम विश्नोई व रमेश विश्नोई के कब्जे से 20.860 किलोग्राम अवैध मादक डोडाचुरा किमती 41000 रूपये व एनड्राईड मोबाईल फोन को जप्त किया जाकर गिरफ्तार किया गया । आरोपी श्रवणराम विश्नोई व रमेश विश्नोई ने पुछताछ में जप्तशुदा डोडाचुरा महेन्द्रसिंह सोलंकी निवासी चांदखेडी खुर्द थाना गरोठ से लाना बताया। आरोपीगणो के विरूद्ध थाना गरोठ पर अपराध क्रमांक 215/2026 धारा 8/15,29 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्द किया गया । प्रकरण मे विवेचना जारी है। गिरफ्तार आरोपी .श्रवणराम पिता थानाराम जाति विश्नोई उम्र 26 साल निवासी मेलबा थाना झवर जिला जोधपुर, रमेश पिता मानाराम जाति विश्नोई उम्र 24 साल निवासी फिटकासनी थाना कुंडी जिला जोधपुर है। फरार आरोपी महेन्द्रसिंह सौलंकी निवासी चांदखेडी खुर्द थाना गरोठ जिला मन्दसौर है।

मोहन बड़ोदिया में चला प्रशासन का बुलडोजर, 50 से अधिक दुकानों का अतिक्रमण जमींदोज, जाम से मिलेगी मुक्ति

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कस्बा वासियों को रोज-रोज के ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने के लिए प्रशासन ने अब सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। यही कारण रहा कि राजस्व और पुलिस महकमे की संयुक्त टीम ने आगर-सारंगपुर और नलखेड़ा मार्ग पर बड़ी कार्रवाई करते हुए वर्षों से जमे अवैध कब्जों को उखाड़ फेंका। तीन जेसीबी मशीनों की गड़गड़ाहट के बीच जब अतिक्रमण ढहाया गया, तो कई सालों बाद एक बार फिर कस्बे की मुख्य सड़कें खुली और चौड़ी नजर आईं।

नोटिस को किया था नजरअंदाज, 3 जेसीबी से हुई ताबड़तोड़ कार्रवाई- प्रशासन की यह कार्रवाई अचानक नहीं हुई है। तहसीलदार दिव्या जैन ने अप्रैल माह में ही सभी अतिक्रमणकारी दुकानदारों को नोटिस जारी कर स्वेच्छा से कब्जा हटाने के निर्देश दिए थे। जब दुकानदारों ने इस चेतावनी को हल्के में लिया और अतिक्रमण नहीं हटाया, तो प्रशासन ने ताबड़तोड़ कार्रवाई की। इस दौरान 3 जेसीबी मशीनों की मदद से सड़क के मध्य से दोनों ओर 25-25 फीट तक का क्षेत्र साफ कराया गया। इस दायरे में आ रही 50 से अधिक दुकानों का अतिक्रमण हटाया गया है।

सिंहस्थ के 10 साल बाद फिर हुई ऐसी बड़ी कार्रवाई- गौरतलब है कि करीब दस वर्ष पूर्व सिंहस्थ के समय यहां से इसी तरह अतिक्रमण हटाया गया था, लेकिन समय बीतने के साथ दुकानदारों ने फिर से सड़क के बाहर तक अपना सामान और टिन शेड लगाकर कब्जा कर लिया था। सड़क संकरी होने से आए दिन जाम की स्थिति बन रही थी, जिससे राहगीरों और ग्रामीणों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही थी। इस गंभीर समस्या को लेकर ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत से लेकर तहसील और कलेक्टर स्तर तक कई बार शिकायतें दर्ज कराई थीं, जिसके बाद प्रशासन को यह कड़ा कदम उठाना पड़ा।

मौके पर मुस्तैद रहा भारी बल, दोबारा कब्जा करने पर होगी चालानी कार्रवाई- अतिक्रमण हटाने की इस पूरी कार्रवाई के दौरान किसी भी विवाद से निपटने के लिए भारी पुलिस बल तैनात रहा। मौके पर नायब तहसीलदार मुकेश गुप्ता, थाना प्रभारी अरविंद सिंह तोमर, पंचायत सचिव अर्जुन सिंह चौहान, पटवारी और कोटवार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान चेतावनी दी गई कि यदि किसी ने दोबारा अतिक्रमण करने का प्रयास किया, तो ग्राम पंचायत द्वारा सख्त चालानी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में नलखेड़ा रोड के शेष हिस्सों पर भी इसी तरह का अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाया जाएगा।

कलेक्टर ने माही मुख्य बांध का किया निरीक्षण, वर्षाकालीन आपदा प्रबंधन तैयारियों की समीक्षा

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने माही मुख्य बांध का निरीक्षण कर डैम संचालन व्यवस्था, अपस्ट्रीम एवं डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों में जल आवक की स्थिति तथा डैम से प्रभावित होने वाले गांवों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के उपरांत माही डैम स्थित विश्राम गृह में वर्षाकाल के दौरान डैम के गेट खोले जाने की स्थिति में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की रोकथाम एवं प्रभावी आपदा प्रबंधन के संबंध में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग श्री विपिन पाटीदार को निर्देशित किया कि डैम के गेट खोले जाने से पूर्व संबंधित विभागों एवं प्रभावित क्षेत्रों को समय पर सूचना प्रेषित की जाए। प्रभावित गांवों में मुनादी कराई जाए तथा सभी स्तरों पर प्रभावी संचार व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर ने जिला सेनानी होमगार्ड को निर्देश दिए कि माही डैम क्षेत्र के लिए विस्तृत डिजास्टर मैनेजमेंट प्लान तैयार किया जाए। गोताखोरों एवं नाविकों की उपलब्धता सुनिश्चित रखते हुए कंट्रोल एवं कमांड रूम से सतत संपर्क बनाए रखा जाए। उपलब्ध संसाधनों, उपकरणों, मानव संसाधन, समय, स्थान एवं जिम्मेदार अधिकारियों की रिसोर्स मैपिंग की जाए तथा आपदा की स्थिति में न्यूनतम प्रतिक्रिया समय सुनिश्चित किया जाए। आवश्यकता पड़ने पर अन्य जिलों से संसाधनों की उपलब्धता का पूर्व आकलन किया जाए तथा पड़ोसी जिले बांसवाड़ा से भी समन्वय एवं संचार व्यवस्था बनाए रखी जाए।

बैठक में बताया गया कि डैम से सामान्यतः पांच गांव प्रभावित होते हैं तथा क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति नहीं बनती है। एसडीओ जल संसाधन विभाग ने जानकारी दी कि डैम पर चौबीसों घंटे निगरानी रखी जाती है तथा चौकीदारों की वैकल्पिक ड्यूटी व्यवस्था संचालित है। उन्होंने बताया कि डैम की ऊंचाई फाउंडेशन सहित 46 मीटर एवं फाउंडेशन के बिना 41 मीटर है। डैम के गेट 10 मीटर ऊंचे हैं, जबकि संचालन के दौरान अधिकतम 4 मीटर तक ही खोले जाते हैं। डैम में जल प्रवाह एवं जल उपलब्धता की स्थिति के अनुसार गेट संचालन संबंधी निर्णय लिए जाते हैं।

कलेक्टर ने क्षेत्र में डैम के अतिरिक्त भी आपदा प्रबंधन के संबंध में निर्देश देते हुए कहा कि वर्षा ऋतु में विद्युत आपूर्ति, संचार व्यवस्था, पेयजल उपलब्धता एवं अन्य आवश्यक सेवाओं को निर्बाध बनाए रखा जाए। उन्होंने जागरूकता शिविर आयोजित करने तथा ग्राम स्तर पर आपदा प्रबंधन दलों को सक्रिय रखने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने पुलिया एवं जलभराव संभावित स्थलों पर चेतावनी संकेतक लगाने, विद्युत तार गिरने जैसी घटनाओं की रोकथाम हेतु विद्युत विभाग द्वारा स्कूलों, अस्पतालों एवं अन्य सार्वजनिक संस्थानों का निरीक्षण करने तथा वर्षा ऋतु के दौरान जनहानि रोकने के लिए सभी आवश्यक सावधानियां बरतने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद सुश्री तनुश्री मीणा, सहायक कलेक्टर सुश्री आयुषी बंसल, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग श्री विपिन पाटीदार, तहसीलदार श्री अनिल बघेल, नायब तहसीलदार सुश्री अंकिता भिड़े एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

डोडाचूरा व एमडी ड्रग्स के साथ 4 तस्कर गिरफ्तार, करोड़ों की अवैध तस्करी का खुलासा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत मल्हारगढ़ पुलिस ने दो अलग-अलग कार्रवाइयों में चार तस्करों को गिरफ्तार कर अवैध मादक पदार्थ जब्त किए हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 173 किलो 380 ग्राम डोडाचूरा एवं 400 ग्राम एमडी ड्रग्स सहित वाहन भी जब्त किए हैं। दोनों मामलों में पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहली कार्रवाई में पुलिस ने गुरुवार को भैंसाखेड़ा-जीरन रोड क्षेत्र में मुखबिर सूचना के आधार पर एक बोलेरो वाहन को रोककर तलाशी ली। जांच के दौरान वाहन की छत एवं पीछे की सीट के नीचे विशेष रूप से बनाई गई स्कीम में छिपाकर रखा गया 173 किलो 380 ग्राम अवैध डोडाचूरा बरामद किया गया। जब्त डोडाचूरा की कीमत लगभग 3 लाख 46 हजार रुपये बताई गई है। इस मामले में जितेन्द्र लक्षकार (35) पिता मदनलाल लक्षकार निवासी जवाहर मार्ग शामगढ़ तथा राधेश्याम लक्षकार (40) पिता बालाराम लक्षकार निवासी बालागुड़ा थाना पिपलियामंडी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से महिंद्रा बोलेरो वाहन क्रमांक एमपी-14-बीई-0668 भी जब्त किया है, जिसकी अनुमानित कीमत 5 लाख रुपये है। जांच के दौरान पुलिस ने इस प्रकरण में मिलन राठौर (30) पिता परसराम राठौर निवासी बही थाना पिपलियामंडी तथा पदमसिंह (38) निवासी बाड़मेर, राजस्थान को फरार आरोपी बनाया है, जिनकी तलाश जारी है। वहीं दूसरी कार्रवाई में 5 जून को भैंसाखेड़ा फंटा क्षेत्र से पुलिस ने मोहम्मद असफाक उर्फ समीर (28) पिता मोहम्मद हुसैन निवासी वार्ड क्रमांक 6 मल्हारगढ़ को बिना नंबर की हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल से 400 ग्राम एमडी ड्रग्स का परिवहन करते हुए गिरफ्तार किया। इसके बाद पुलिस ने मादक पदार्थ खरीदने वाले शाहनवाज मेवाती (32) पिता राजा उर्फ विरप्पन मेवाती निवासी मेवातीपुरा, कोर्ट के पास जावरा को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 400 ग्राम एमडी ड्रग्स, जिसकी कीमत लगभग 5 लाख रुपये आंकी गई है, तथा एक बिना नंबर की हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल जब्त की है। इस मामले में जुबैर भाई निवासी घोटारसी, प्रतापगढ़ (राजस्थान) को फरार आरोपी बनाया गया है। दोनों मामलों में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर मादक पदार्थों के स्रोत एवं तस्करी नेटवर्क की जांच शुरू कर दी है।

जिला चिकित्सालय झाबुआ की नवजात शिशु सेवाओं पर बढ़ा विश्वास, एक वर्ष में दाहोद से रेफर 37 गंभीर नवजातों का सफल उपचार जिला चिकित्सालय झाबुआ में

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला चिकित्सालय झाबुआ की विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई क्षेत्र में गंभीर अल्पवजन एवं समय से पूर्व प्रसव नवजात शिशुओं के उपचार का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरी है। बीते एक वर्ष के दौरान गुजरात राज्य के दाहोद जिले स्थित ज़ाइडस मेडिकल कॉलेज से 22 तथा दाहोद के अन्य प्राइवेट अस्पतालों से 15 नवजात शिशुओं सहित कुल 37 नवजात शिशुओं को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय झाबुआ रेफर किया गया।

उक्त नवजात शिशुओं में से 29 शिशुओं का सफल उपचार कर स्वस्थ अवस्था में डिस्चार्ज किया गया। वहीं 03 गंभीर नवजातों को बेहतर एवं उच्च स्तरीय उपचार हेतु अन्य उच्च चिकित्सा केंद्रों में रेफर किया गया। 02 मामलों में परिजन चिकित्सकीय सलाह के विरुद्ध नवजातों को लेकर चले गए तथा 03 नवजात शिशुओं की उपचार के दौरान मृत्यु हुई।

जिला चिकित्सालय झाबुआ में उपलब्ध विशेषज्ञ चिकित्सकों, प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ, अत्याधुनिक उपकरणों एवं गुणवत्तापूर्ण नवजात शिशु देखभाल सुविधाओं के कारण मध्यप्रदेश एवं गुजरात के सीमावर्ती क्षेत्रों से भी मरीज उपचार हेतु यहां पहुंच रहे हैं। यह उपलब्धि जिला चिकित्सालय झाबुआ की उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं, नवजात शिशु उपचार क्षमता तथा मरीजों के बढ़ते विश्वास का प्रतीक है।

इस उपलब्धि में चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं स्वास्थ्य कर्मियों के साथ-साथ अस्पताल प्रशासन की सतत निगरानी, संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, बेहतर प्रबंधन एवं समन्वित प्रयासों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अस्पताल प्रशासन द्वारा नवजात शिशु इकाई को सुदृढ़ बनाने एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे गंभीर नवजात शिशुओं को समय पर एवं प्रभावी उपचार प्राप्त हो सके।

जिला चिकित्सालय प्रशासन ने इस सफलता का श्रेय स्ह्ष्ट में कार्यरत समस्त चिकित्सकों, नर्सिंग अधिकारियों, पैरामेडिकल स्टाफ, स्वास्थ्य कर्मियों एवं प्रशासनिक टीम के सामूहिक प्रयासों को दिया है तथा भविष्य में भी उत्कृष्ट नवजात शिशु स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

पिपलियामंडी थाने के सामने सड़क हादसे में महिला की मृत्यु

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महू-नीमच हाईवे पर पिपलियामंडी थाना परिसर के सामने शुक्रवार को रात्रि 8.30 बजे हुए सड़क हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके पति को चोट नही आई । दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार पिपलिया पंथ निवासी भूलीबाई (45) पति हीरालाल नायक अपने पति के साथ मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी-14 एमएच-3756 से सोकड़ी से पिपलिया पंथ लौट रही थीं।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

भस्म आरती के नाम पर श्रद्धालुओं से वसूले ढाई- ढाई हजार

औचक जांच में सामने आए तीन मामले, महाकाल थाने में एफआईआर दर्ज- प्रोटोकॉल अनुमति के नाम पर चल रहे नेटवर्क की जांच शुरू

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर की भस्म आरती में प्रवेश दिलाने के नाम पर श्रद्धालुओं से अवैध वसूली का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मंदिर प्रशासन की सख्ती के बीच शुक्रवार तड़के हुई औचक जांच में तीन ऐसे मामले उजागर हुए, जिनमें श्रद्धालुओं से भस्म आरती की अनुमति दिलाने के एवज में प्रति व्यक्ति 2500 रुपए वसूले गए थे। मामला सामने आते ही मंदिर प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार मंदिर प्रशासक एवं अपर कलेक्टर प्रथम कौशिक शुक्रवार सुबह भस्म आरती की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने नीलकंठ द्वार, मानसरोवर मार्ग और गेट क्रमांक-1 से प्रवेश करने वाले श्रद्धालुओं से सीधे बातचीत कर अनुमति प्रक्रिया और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। पूछताछ के दौरान तीन श्रद्धालुओं ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि उनसे भस्म आरती में प्रवेश दिलाने के लिए 2500-2500 रुपए लिए गए थे।

श्रद्धालुओं की शिकायत सुनते ही हरकत में आया प्रशासन- श्रद्धालुओं की शिकायत सामने आते ही प्रशासन ने तत्काल मामले को गंभीरता से लिया। प्रथम कौशिक ने मौके पर ही जानकारी जुटाई और संबंधित तथ्यों की पुष्टि के बाद महाकाल थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अब यह पता लगाया जा रहा है कि श्रद्धालुओं से पैसे लेने वाले लोग कौन हैं और उनके तार किन लोगों से जुड़े हुए हैं।

हिंदू संगठन के नाम पर कराई गई थी अनुमति- प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि संबंधित श्रद्धालुओं की भस्म आरती की प्रोटोकॉल अनुमति किसी हिंदू संगठन के नाम पर कराई गई थी। हालांकि सबसे बड़ा सवाल यह है कि श्रद्धालुओं से वसूले गए रुपए आखिर किसके पास पहुंचे और इस पूरे खेल का मास्टरमाइंड कौन है। प्रशासन अब अनुमति प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेजों और संबंधित व्यक्तियों की भूमिका की बारीकी से जांच कर रहा है।

भस्म आरती के नाम पर दलालों का नेटवर्क- मामले के सामने आने के बाद यह चर्चा भी तेज हो गई है कि कहीं भस्म आरती में प्रवेश दिलाने के नाम पर दलालों का कोई नेटवर्क तो सक्रिय नहीं है। हर दिन देशभर से हजारों श्रद्धालु महाकाल मंदिर पहुंचते हैं और भस्म आरती में शामिल होने की इच्छा रखते हैं। ऐसे में कुछ लोग श्रद्धालुओं की भावनाओं का फायदा उठाकर अवैध कमाई का जरिया बना रहे हैं। पुलिस इस पहलू को भी जांच के दायरे में लेकर काम कर रही है।

प्रवेश व्यवस्था में बड़ा बदलाव- घटना के बाद मंदिर प्रशासन ने भविष्य में ऐसी गड़बड़ियों पर रोक लगाने के लिए प्रवेश व्यवस्था को और सख्त करने का निर्णय लिया है। निर्देश जारी किए गए हैं कि भस्म आरती में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं का प्रवेश अब केवल नीलकंठ द्वार से ही कराया जाएगा। इससे अनुमति की जांच और पहचान सत्यापन की प्रक्रिया अधिक प्रभावी होगी तथा अनधिकृत प्रवेश पर रोक लग सकेगी।

प्रशासन की अपील- मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि भस्म आरती की अनुमति के लिए किसी भी व्यक्ति, संगठन या बिचौलिए को पैसे न दें। अनुमति प्रक्रिया निर्धारित नियमों के तहत संचालित होती है और किसी भी प्रकार की अवैध वसूली की जानकारी मिलने पर तत्काल मंदिर प्रशासन या पुलिस को सूचित करें। दूसरी ओर महाकाल की भस्म आरती में प्रवेश के नाम पर हुई इस वसूली ने एक बार फिर व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब सबकी नजर पुलिस जांच पर है कि श्रद्धालुओं की आस्था के नाम पर चल रहे इस खेल के पीछे आखिर कौन लोग हैं।

महाकाल की भस्म आरती में शामिल हुए कैलाश खेर, बोले- दर्शन से जीवन हो जाता है धन्य

प्रात :कालीन भस्म आरती में किया पूजन-अर्चन, मंदिर समिति ने किया सम्मान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। देश के प्रसिद्ध भजन एवं सूफी गायक कैलाश खेर ने शुक्रवार सुबह भगवान महाकाल के दर्शन कर प्रातःकालीन भस्म आरती में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त किया।

दर्शन के बाद महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से कैलाश खेर का स्वागत एवं सम्मान किया गया। मंदिर परिसर में उन्होंने कुछ समय बिताया और श्रद्धालुओं के साथ भी मुलाकात की।

मीडिया से चर्चा करते हुए कैलाश खेर ने कहा कि बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र है। उन्होंने कहा कि जिसे महाकाल बुला लेते हैं, उसके जीवन के अनेक कष्ट, विघ्न और पाप दूर हो जाते हैं। उज्जैन ऐसी पवित्र भूमि है, जहां के राजा स्वयं ब्रह्मांड के राजा भगवान महाकाल हैं।

उन्होंने कहा कि महाकाल के दर्शन मात्र से मन को अद्भुत शांति और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। विशेष रूप से भस्म आरती के दर्शन का अवसर मिल जाए तो यह किसी सौभाग्य से कम नहीं है। कैलाश खेर ने कहा कि भस्म आरती का अलौकिक स्वरूप और मंदिर का आध्यात्मिक वातावरण हर श्रद्धालु के जीवन को नई दिशा देने का कार्य करता है।

महाकाल मंदिर में कैलाश खेर के आगमन को लेकर श्रद्धालुओं में भी उत्साह देखा गया। दर्शन के दौरान उपरांत श्रद्धालुओं ने उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं।

उज्जैन स्टेशन पर शिप्रा एक्सप्रेस में सवा करोड़ की हेरोइन के साथ तस्कर पकड़ाया

पश्चिम बंगाल भेजी जा रही थी 1.067 किलो हेरोइन की खेप

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन रेलवे स्टेशन पर गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात केंद्रीय नारकोटिक्स एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शिप्रा एक्सप्रेस से एक किलो से अधिक हेरोइन बरामद की है। कार्रवाई के दौरान राजस्थान के प्रतापगढ़ निवासी एक युवक को गिरफ्तार किया गया। जब्त हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब सवा करोड़ रुपए बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स (सीबीएन) को सूचना मिली थी कि शिप्रा एक्सप्रेस के जरिए बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर उज्जैन रेलवे स्टेशन पर रात करीब एक बजे सीबीएन, आरपीएफ और नारकोटिक्स अधिकारियों की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर ट्रेन के जनरल कोच में सघन तलाशी अभियान चलाया।

तलाशी के दौरान अधिकारियों को एक युवक संदिग्ध अवस्था में मिला। पूछताछ के बाद उसके हैंडबैग की जांच की गई, जिसमें छिपाकर रखे गए दो पैकेट बरामद हुए। जांच में इन पैकेटों से कुल 1.067 किलोग्राम हेरोइन मिली। इसके बाद आरोपी को मौके पर ही हिरासत में ले लिया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बरामद हेरोइन राजस्थान के प्रतापगढ़ क्षेत्र से पश्चिम बंगाल के हावड़ा भेजी जा रही थी। एजेंसियों का मानना है कि उज्जैन इस तस्करी मार्ग का महत्वपूर्ण ट्रांजिट प्वाइंट था। कार्रवाई का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें अधिकारी ट्रेन के रुकते ही जनरल कोच में तलाशी लेते और संदिग्ध युवक को प्लेटफॉर्म पर लाकर उसके बैग की जांच करते दिखाई दे रहे हैं। हेरोइन मिलने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।सीबीएन ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि मादक पदार्थ की इस खेप के पीछे कौन-कौन लोग जुड़े हैं और इसका नेटवर्क किन राज्यों तक फैला हुआ है।

होटल में आबकारी की दबिश, 13 पेटी शराब जप्त

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर-उज्जैन हाईवे की होटल में शराब परोसे और बेचने का मामला सामने आने पर आबकारी विभाग की टीम ने दबिश मारी। विदेशी शराब के साथ बीयर की पेटियां मिलने पर संचालक को गिरफ्तार किया गया। जिसे कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया है। आबकारी नियंत्रण कक्ष अधिकारी मुकेश रंधा ने बताया कि इंदौर-उज्जैन हाईवे पर होटल राजसागर में अवैध रूप से शराब संग्रहित कर विक्रय करने की सूचना मिलने पर रात में आबकारी आयुक्त निधी जैन के नेतृत्व में दबिश दी गई। तलाशी के दौरान होटल परिसर से बीयर की 12 पेटी (156 बोतलें) और एक विदेशी मदिरा (व्हिस्की) की पेटी बरामद हो गई। होटल से बरामद शराब की मात्रा 106.8 बल्क लीटर थी, जिसकी कीमत हजारों में पाई गई, मौके से होटल संचालक अतुल पिता राजकुमार मेघवंशी को गिरफ्तार किया गया। जिसके खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34 (1) (क) और 34 (2) का प्रकरण दर्ज किया गया। गुरूवार को आरोपित को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया है। दबिश की कार्रवाई में उपनिरीक्षक प्रतिक गुप्ता, सहायक जिला आबकारी अधिकारी विजय मेढ़ा, आरक्षक महेश कछवाए, जगदीश रेशमिया, रोहित लोहारिया, शिवानी जारवाल और निशा अमलावतिया शामिल थे।

ग्रामीण थानों के निरीक्षण पर निकले एसपी ने खेला क्रिकेट

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एसपी प्रदीप शर्मा गुरुवार को ग्रामीण थाना क्षेत्रों के निरीक्षण पर निकले थे। भाटपचलाना पहुंचने पर उन्होंने पुलिसकर्मियों के साथ आयोजित मैत्री क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लिया और बेटिंग करने मैदान में उतरे। उन्होंने कहा कि खेल गतिविधियां पुलिस बल में उत्साह, टीम भावना, अनुशासन और समन्वय को सुदृढ़ करती है। शहर में थानों का औचक निरीक्षण करने वाले एसपी प्रदीप शर्मा गुरुवार को ग्रामीण क्षेत्रों के थानों का भ्रमण करने निकले थे। इस दौरान उन्होंने नागदा थाने पहुंचने पर थाना प्रभारी और स्टॉफ की प्रशंसा की। नागदा पुलिस द्वारा शहर में निगरानी रखने के लिए नगर पालिका के माध्यम से करीब 200 कैमरे हर क्षेत्र में लगवाए हैं। जिसके माध्यम से शहर की व्यवस्थाओं और आपराधिक गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। पुलिस की आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग और सतत निगरानी व्यवस्था तथा बेहतर पुलिसिंग के लिए उन्होंने थाना प्रभारी अमृतलाल गवरी को प्रशंसा पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। निरीक्षण के दौरान महिदपुर थाने के आरक्षक समरथ पाटीकर द्वारा सायबर अपराधों से संबंधित प्रकरणों में मनी रिस्टोरेशन मॉडल पर सक्रिय रूप से काम करते हुए पीड़ितों की मदद करने पर प्रशंसा करते हुए पुरस्कृत किया। यहां से भाटपचलाना थाने पहुंचे थे जहां उन्होंने थाना भवन परिसर का निरीक्षण करते हुए अभिलेख संधारण, अपराध नियंत्रण व्यवस्था और जनसेवा संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उसके बाद यहां आयोजित मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच में मैदान संभालते हुए बेटिंग की। खाचरौद पहुंचे एसपी ने निरीक्षण के बाद थाना प्रभारी और पुलिस स्टॉफ को कानून व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों पर प्रभावी कार्यवाही कर रोकथाम करने के साथ लंबित प्रकरणों के निराकरण के निर्देश दिए।

दरवाजा तोड़ा तो मृत अवस्था में पड़ा मिला युवक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंगोरिया के ग्राम दंगवाड़ा में रहने वाले जितेन्द्र पिता हरिओम पांचाल 38 साल को दोपहर परिजन चरक अस्पताल लेकर आये थे। डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। मामला संदिग्ध होने पर कोतवाली थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है। मृतक के भतीजे राजेश पांचाल ने बताया कि चाचा जितेन्द्र एमपीईबी में काम करते थे। नाइट ड्युटी के बाद दिन में सोते थे। बुधवार रात भी ड्युटी के बाद सुबह घर आकर सो गये थे। दोपहर तक नींद से नहीं जागे तो परिजन उन्हे उठाने के लिये पहुंचे। दरवाजा अंदर से बंद था, काफी देर तक नहीं खुलने पर पत्नी ने परिजनों को बुलाया। दरवाजा तोड़ने पर मृत अवस्था में पड़े मिले। कोतवाली चौकी पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही मौत का कारण सामने आ पायेगा। मर्ग डायरी जांच के लिये इंगोरिया थाना पुलिस को भेजी जायेगी।

सिंहस्थ-2028 की तारीखें तय.... 27 मार्च से 27 मई तक उज्जैन बनेगा आस्था का सबसे बड़ा केंद्र

तीन शाही स्नान 9 अप्रैल, 23 अप्रैल और 8 मई को होंगे- 60 दिनों तक चलने वाले महापर्व में करोड़ों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना- प्रशासन ने तैयारियां शुरू कीं

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। देश-दुनिया के करोड़ों श्रद्धालुओं को जिस क्षण का इंतजार था, वह अब तय हो गया है। धर्म, आस्था और सनातन संस्कृति के महापर्व सिंहस्थ-2028 का आयोजन उज्जैन में 27 मार्च से 27 मई 2028 तक होगा। लगभग 60 दिनों तक चलने वाले इस महापर्व में करोड़ों श्रद्धालुओं के शिप्रा तट पर पहुंचेंगे। सिंहस्थ में तीन प्रमुख अमृत (शाही) स्नान होंगे, जिनके लिए साधु-संतों और अखाड़ों की भव्य पेशवाई भी निकाली जाएगी।

तय कार्यक्रम के अनुसार सिंहस्थ का पहला अमृत स्नान 9 अप्रैल 2028, दूसरा 23 अप्रैल 2028 तथा तीसरा और अंतिम अमृत स्नान 8 मई 2028 को होगा। इन स्नानों के दौरान देशभर के अखाड़ों के साधु-संत शाही परंपरा के अनुसार शिप्रा नदी में स्नान करेंगे। यह दृश्य सिंहस्थ का सबसे बड़ा आकर्षण माना जाता है। सिंहस्थ के दौरान शाही स्नानों के अलावा सात अन्य प्रमुख पर्व स्नान भी निर्धारित किए गए हैं। इनमें 27 मार्च को चैत्र पूर्णिमा, 4 अप्रैल को मेष संक्रांति, 14 अप्रैल को वैशाख अमावस्या, 19 अप्रैल को वैशाख शुक्ल पंचमी, 1 मई को वैशाख शुक्ल एकादशी, 5 मई को वैशाख पूर्णिमा और 15 मई को ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या के स्नान शामिल हैं।

प्रशासन ने महापर्व की तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवागमन, सुरक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं और आवास व्यवस्था पर विशेष फोकस रहेगा। आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल प्रबंधन के जरिए आयोजन को अधिक सुव्यवस्थित बनाने की योजना तैयार की जा रही है। शहर में सड़क, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और यातायात सुधार के कार्य भी चरणबद्ध रूप से किए जाएंगे।

उज्जैन में हर 12 वर्ष में आयोजित होने वाला सिंहस्थ केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और परंपराओं का विराट उत्सव है। शिप्रा नदी के पवित्र तट पर आयोजित होने वाला यह महापर्व देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं, संतों और पर्यटकों के लिए आस्था का अद्भुत संगम बनता है।

एक नजर में सिंहस्थ-2028-

-आयोजन अवधि = 27 मार्च से 27 मई 2028
-कुल अवधि = 60 दिन
-पहला शाही स्नान = 9 अप्रैल 2028
-दूसरा शाही स्नान = 23 अप्रैल 2028
-तीसरा शाही स्नान = 8 मई 2028
-प्रमुख पर्व स्नान = 7
-आयोजन स्थल = शिप्रा नदी तट, उज्जैन
-संभावित श्रद्धालु = करोड़ों की संख्या में

चार बदमाशों ने होटल चलाने वाले को मारा चाकू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चाय की होटल चलाने वाले बदमाशों ने हफ्ता मांगा। मना करने पर चेहरे पर चाकू मार दिया। घायल चायवाले को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले में बदमाशों की तलाश कर रही है। महाकाल थाना क्षेत्र के नृसिंह घाट मल्टी में रहने वाला राधेश्याम पिता तुलसीराम 24 वर्ष क्षेत्र में ही चाय की दुकान चलाता है। रात में दुकान पर सोनू, मोनू, चुन्ना, दिनेश पहुंचे और 1 हजार रुपए हफ्ता मांगने लगे। जिसको लेकर राधेश्याम का चारों से विवाद हो गया। इसी दौरान बदमाशों ने चाकू से चेहरे पर वार कर दिया। लहूलुहान होने पर राधेश्याम को परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे। मामले की जानकारी लगते ही पुलिस राधेश्याम के बयान लेने अस्पताल पहुंची। इस दौरान घायल ने बताया कि चारों बदमाश क्षेत्र में अवैध वसूली करते हैं। पूर्व में भी दो बार शिकायत की गई थी लेकिन पुलिस ने कार्यवाही नहीं की। जिसके चलते बदमाशो के हौसलें बढ़ते जा रहे हैं। मामले में महाकाल थाना पुलिस का कहना था कि विवाद होने पर एक युवक के घायल होने की जानकारी मिलने के बाद बदमाशों की तलाश शुरू की गई है।

मालवा में मेहरबान हुआ मौसम... उज्जैन में रातभर रिमझिम, पारे में 5 डिग्री की गिरावट

शाम को चली तेज हवाएं, छाए काले बादल; 8 मिमी बारिश दर्ज, अगले 24 घंटे में अच्छी वर्षा के आसार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गुरुवार को दिनभर गर्मी और उमस से परेशान रहे शहरवासियों को शाम होते-होते राहत मिल गई। शाम करीब 6 बजे अचानक मौसम ने करवट ली। तेज हवाएं चलीं, आसमान पर काले बादल छा गए और शहर के कई इलाकों में बूंदाबांदी शुरू हो गई। इसके बाद देर रात और शुक्रवार सुबह तक रुक-रुककर मध्यम एवं तेज बारिश का दौर चलता रहा।

बारिश और ठंडी हवाओं के असर से रात का मौसम पूरी तरह बदल गया। जहां दिन में लोग उमस से बेहाल थे, वहीं रात में मौसम सुहावना हो गया और शुक्रवार सुबह हल्की ठंडक का एहसास होने लगा। मौसम में आए इस बदलाव का असर तापमान पर भी दिखाई दिया। गुरुवार को न्यूनतम तापमान 25.5 डिग्री सेल्सियस था, जो शुक्रवार सुबह घटकर 21 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। यानी एक ही रात में करीब 5 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई।वेधशाला से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार गुरुवार शाम 5 बजे से शुक्रवार सुबह 8 बजे तक शहर में 8 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके साथ ही 1 जून से अब तक उज्जैन शहरी क्षेत्र में कुल 12 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी है।

सुबह तक छाए रहे बादल, धूप नहीं निकली- शुक्रवार सुबह 11 बजे तक आसमान बादलों से ढका रहा और धूप नहीं निकल सकी। लगातार बनी बादलों की स्थिति के कारण मौसम ठंडा और खुशनुमा बना रहा। हालांकि रात की बारिश के बाद शहर की कई सड़कें गीली और फिसलन भरी नजर आईं।

पुराने शहर के चौड़ीकरण प्रभावित क्षेत्रों में सड़कों पर कीचड़ फैल गया, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर बारिश का पानी जमा होने से भी यातायात प्रभावित हुआ।

तेज हवाओं से टूटी पेड़ों की शाखाएं- गुरुवार शाम चली तेज हवाओं का असर शहर के प्रमुख मार्गों पर भी दिखाई दिया। उद्यान मार्ग और कोठी रोड सहित कई स्थानों पर पेड़ों की शाखाएं टूटकर सड़कों पर गिर गईं। सुबह नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा इन्हें हटाने का काम किया गया।

मॉर्निंग वॉकर्स की संख्या घटी- सुबह हुई रिमझिम बारिश और बादलों के कारण कोठी रोड, विभिन्न उद्यानों तथा सार्वजनिक स्थलों पर प्रातः भ्रमण करने वालों की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में कम दिखाई दी। कई लोगों ने बारिश के कारण घरों में ही रहना उचित समझा।

अगले 24 घंटे में अच्छी बारिश की संभावना- वेधशाला अधीक्षक डॉ. आर.पी. गुप्त ने बताया कि मालवा क्षेत्र में कम दबाव का क्षेत्र बनने के कारण मौसम सक्रिय बना हुआ है। इसके चलते अगले 24 घंटे के दौरान उज्जैन सहित पूरे मालवांचल में अच्छी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और बारिश के दौरान आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर कायवरोहणेश्वर महादेव मंदिर परिसर में हुआ वृहद वृक्षारोपण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पर्यावरण दिवस के पावन अवसर पर वनमण्डल एवं जिला पंचायत के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को पंचक्रोशी मार्ग स्थित पड़ाव स्थल कायवरोहणेश्वर महादेव मंदिर परिसर में एक वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व के स्थल को अब 'आस्था वन कारोहन' के रूप में विशेष रूप से विकसित किया जाएगा।

पर्यावरण संरक्षण की इस अनूठी पहल के अंतर्गत पंचक्रोशी यात्रा मार्ग के विभिन्न पड़ाव स्थलों पर कुल 12 पावन उपवनों का निर्माण किया जा रहा है, जो आने वाले समय में श्रद्धालुओं, पंचक्रोशी यात्रियों तथा प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनेंगे।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से भगवान शिव को अत्यंत प्रिय प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। इनमें कदंब, अर्जुन, जामुन, बरगद (वटवृक्ष) तथा पीपल जैसी पारंपरिक, धार्मिक एवं औषधीय महत्व की प्रजातियाँ शामिल हैं। इन पौधों के बड़े होने से क्षेत्र का हरित आवरण बढ़ेगा, पंचक्रोशी यात्रियों को शीतल छाया एवं शुद्ध वातावरण प्राप्त होगा तथा स्थानीय पर्यावरण संतुलन मजबूत होगा।

इस पुनीत कार्य में शहर के प्रमुख जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने सक्रिय रूप से श्रमदान किया और समाज को पर्यावरण संरक्षण का प्रेरक संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती कलावती यादव, अध्यक्ष नगर निगम , श्री संजय अग्रवाल, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, श्री श्रेयांस कूमट आदी।

विश्व क्लबफुट दिवस के अवसर पर शिविर आयोजित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विगत दिवस 04 जून को विश्व क्लबफुट दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय, चरक भवन में क्लबफुट (टेढ़े पैर) से प्रभावित बच्चों की पहचान, उपचार एवं जनजागरूकता हेतु विशेष स्वास्थ्य शिविर एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य क्लबफुट जैसी जन्मजात विकृति के प्रति आमजन को जागरूक करना तथा प्रभावित बच्चों को समय पर उपचार उपलब्ध कराना रहा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में क्लबफुट से प्रभावित बच्चों एवं उनके परिजनों को बीमारी की पहचान, उपचार की प्रक्रिया तथा समय पर उपचार के महत्व के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा बताया गया कि क्लबफुट जन्म के समय बच्चों में पाई जाने वाली एक सामान्य जन्मजात विकृति है, जिसका समय पर उपचार कर बच्चे को सामान्य जीवन प्रदान किया जा सकता है।

शिविर में 15 से अधिक बच्चों को जूते या ब्रेसेज दिए गए तथा बच्चों को कास्टिंग किया गया एवं 2 बच्चों की tinotomy के लिए चिन्हित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान माता-पिता को यह भी बताया गया कि जन्म के तुरंत बाद उपचार प्रारंभ करने से बेहतर परिणाम प्राप्त होते हैं और अधिकांश बच्चे पूर्णतः सामान्य रूप से चलने-फिरने में सक्षम हो जाते हैं।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत क्लब फुट के प्रभावित बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यकतानुसार उपचार एवं फॉलोअप की सलाह दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि क्लबफुट का उपचार मुख्यतः पॉसेटी पद्धति के माध्यम से किया जाता है तथा, प्लास्टर एवं विशेष ब्रेस की सहायता से बच्चों के पैरों को सामान्य स्थिति में लाया जाता है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल द्वारा आमजन से अपील कर बताते है कि आरबीएसके कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में क्लबफुट सहित विभिन्न अन्य जन्मजात विकृतियों, रोगों एवं विकास संबंधी समस्याओं की पहचान कर निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है।

क्लबफुट से प्रभावित बच्चों को आवश्यकतानुसार उच्च चिकित्सा संस्थानों एवं सहयोगी संस्थाओं के माध्यम से भी उपचार सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। जिला चिकित्सालय उज्जैन चरक भवन मे प्रति गुरूवार को क्लबफूट शिविर को आयोजित किया जाता है।

महाकाल मंदिर की त्रिनेत्र सुरक्षा व्यवस्था को राष्ट्रीय सम्मान

एआई आधारित निगरानी प्रणाली को राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार-2026 के लिए चुना गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। मंदिर परिसर और महाकाल रुद्रसागर एकीकृत विकास क्षेत्र की सुरक्षा के लिए विकसित की गई त्रिनेत्र कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणाली को राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार-2026 के लिए चयनित किया गया है।

यह उपलब्धि न केवल महाकाल मंदिर बल्कि पूरे उज्जैन शहर के लिए गौरव का विषय मानी जा रही है।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने बताया कि यह परियोजना मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से सुरक्षा निगरानी को अधिक प्रभावी और मजबूत बनाया गया है।

पुरस्कार चयन प्रक्रिया के दौरान केंद्र सरकार की एक टीम उज्जैन पहुंची थी। टीम ने परियोजना का विस्तृत निरीक्षण किया था। इसके बाद कलेक्टर ने 13 सदस्यीय राष्ट्रीय जूरी के समक्ष इस परियोजना का प्रस्तुतीकरण भी दिया। सभी पहलुओं के मूल्यांकन के बाद त्रिनेत्र परियोजना को राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चुना गया।

यह अत्याधुनिक निगरानी प्रणाली चेहरे की पहचान, वाहन पंजीकरण नंबर पहचान, वास्तविक समय वीडियो विश्लेषण तथा भीड़ प्रबंधन जैसी आधुनिक सुविधाओं से लैस है।

इसके माध्यम से मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों की चौबीस घंटे निगरानी की जाती है, जिससे संदिग्ध गतिविधियों पर तत्काल नजर रखी जा सकती है। उज्जैन स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत स्थापित इस नेटवर्क में 500 से अधिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता समर्थित कैमरे लगाए गए हैं। ये कैमरे सुरक्षा एजेंसियों को भीड़ नियंत्रण, अपराध की रोकथाम और जांच कार्यों में त्वरित सहायता प्रदान करते हैं। इससे श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था पहले की तुलना में और अधिक सुदृढ़ हुई है। केंद्र सरकार द्वारा घोषित राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार-2026 में त्रिनेत्र परियोजना को देश की उत्कृष्ट डिजिटल और नागरिक हितैषी नवाचार योजनाओं में शामिल किया गया है। यह सम्मान 29वें राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन में प्रदान किया जाएगा। इस उपलब्धि से महाकाल मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को राष्ट्रीय पहचान मिली है। साथ ही उज्जैन की छवि एक आधुनिक, सुरक्षित और तकनीक-सक्षम धार्मिक नगरी के रूप में और अधिक मजबूत हुई है।